# ELEVENTH
# ANNUAL REPORT
# 2006-07

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड
## Technology Development Board

Enabling Commercialisation


भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
विंग-ए, विश्वकर्मा भवन
शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली - 110016

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
WING-A, VISHWAKARMA BHAWAN,
SHAHEED JEET SINGH MARG,
NEW DELHI - 110016

# वर्ष जो था

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी वी) द्वारा वर्ष 2006 - 07 में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य के साथ 15 करार संपन्न किए गए हैं जिनमें 173.82 करोड़ रुपये का कुल परियोजना परिव्यय शामिल है। इसमें टी डी वी द्वारा 53.11 करोड़ रू. की प्रतिवद्धता शामिल है। टी डी वी की सहायता के अंतर्गत सभी क्षेत्र शामिल हैं, जैसे- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, इंजीनियरी, कृषि, ऊर्जा एवं अपशिष्ट उपयोग, दूर संचार और सूचना प्रौद्योगिकी। ये परियोजनाएं वर्ष के दौरान 16 राज्यों/ संघ क्षेत्रों में चल रही थी।

टी डी बी इस बात को मानता है कि प्रौद्योगिकीय नवोन्मेष और लाभकारी वाणिज्यीकरण महत्वपूर्ण घटक है। टी डी बी ने पिछले वर्षों में इनक्यूबेटरर्स की शुरूआत के लिए प्रारंभिक सहायता प्रणाली में भाग लेने का निर्णय ले कर एक विकासोन्मुखी पहल की। इनक्यूबेटर्स मालिकों को वित्तीय सहायता से उन्नयन तथा संबंधित कार्य वाली प्रौद्योगिकी के लिए प्रारंभिक स्तर की सहायता की पूर्ति होती है। अंततः इससे इनक्यूबेटर्स द्वारा एक इन्क्यूबेशन फंड बनाने में मदद मिलेगी। यह सफल वाणिज्यिक उद्यमों को आगे बढ़ाने के अलावा तकनीकी उद्यमियों के लिए कार्य शुरू करने का एक मंच भी प्रदान करता है।

टी डी वी ने वेंचरईस्ट टीनेट फंड II, एक प्रारंभिक चरण की सूचना प्रौद्योगिकी/ टेलिकॉम फंड में निवेश द्वारा नई पहल करने का निर्णय लिया है। निधि का निवेश 3-5 वर्षों की अवधि में लगभग 20 प्रारंभिक चरण की आई.टी./आई.टी.ई.एस /टेलिकॉम प्रौद्योगिकी परियोजनाओं में किया जाएगा। निधि का प्रबंधन आई.आई.टी मद्रास के टी नेट समूह के सहयोग से वेंचरईस्ट (एपी.आई.डी.सी वेंचर केपिटल के प्रबंधक भागीदार) द्वारा किया जा रहा है। टी डी बी ने प्रारंभिक उद्यमों के वित्त पोषण में अंतर को पूरा करने के लिए निधियों में निवेश किया है जो बाद में परिपक्व होता है और तत्पश्चात् टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त कर सकता है। समर्थन/उद्भवन सहायता आई आई टी मद्रास और निधि प्रबंधक द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा यह टीडीबी द्वारा सहायता के लिए वेंचरईस्ट द्वारा प्राप्त आवेदनों में प्रस्तावित स्कीमों को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान टी डी बी द्वारा सहायता प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण उत्पादों और सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं :

मै. नेचुरल रेमेडीज प्रा.लि., बैंगलोर द्वारा एनआर-ए-2/एलर-7 का विकास और उत्पादन, एक उत्तम सिनर्जेस्टिक पॉलीहर्बल फार्मूला जिसमें एलर्जी रिहनिटिक के लिए विभिन्न भारतीय औषधियों को शामिल किया गया है।

मै. वरदान एग्रोटेक प्रा.लि., दिल्ली द्वारा खाद्य और दवा उत्पाद, फल एवं सब्जियां, मांस एवं मछली इत्यादि के प्रसंस्करण के लिए बहुद्देशीय इराडीमेशन प्लांट।

मै. एसवीएक्स पाउडर एम सरफेस इंजीनियरिंग प्रा.लि. ग्रेटर नौएडा द्वारा एआरसीआई में विकसित डीटोनेशन स्प्रे कोटिंग प्रौद्योगिकी का विकास एवं वाणिज्यीकरण।

# THE YEAR THAT WAS

The Technology Development Board (TDB) concluded 15 agreements with a total project outlay of Rs. 173.82 crore various industrial concerns and others in the year 2006-07, which involves a total project outlay of Rs. 173.82 crore. This included a commitment of Rs. 54.11 crore by TDB. TDB's support covers all sectors namely, Health and Medical, Engineering, Agriculture, Energy & Waste Utilization, Telecommunication and Information Technology. The projects are spread over 16 States/Union Territories.

TDB recognizes that technological innovation and profitable commercialization are critical components. TDB took a growth-oriented initiative by deciding to participate in the Seed Support System for Start-ups in Incubators in previous years. The financial assistance released, to the incubatees would cater to early stage support for technologies requiring up-scaling and related work. It also facilitated building up an Incubation Fund by the incubators. This provides a launch platform for technopreneurs apart from giving leads for successful commercial ventures.

TDB has decided new initiatives by investing in Ventureast Tenet Fund II, an early stage Information Technology / Telecom Fund. The fund would be invested in about 20 early stage IT / ITES / Telecom Technology projects over a period of 3-5 years. The fund is being managed by Ventureast (the managing partner of APIDC Venture Capital) in association with the Tenet Group of IIT Madras. TDB has invested in the fund to meet the gap in funding of early stage ventures which would subsequently mature and may avail debt assistance from TDB in later stage. The handholding / incubation support will be provided by IIT Madras as well as the fund manager. Further, it would give an opportunity to access the schemes proposed out of the applications received by Venture east for support by TDB.

The significant products released / projects completed with assistance from TDB during the year include:-

Development and production of 'NR-A2' / 'Aller-7', a novel synergistic polyherbal formulation consisting different Indian herbs for allergic rhinitis by M/s Natural Remedies Private Limited, Bangalore.

Multipurpose irradiation plant for processing of food & medical products, fruits & vegetables, meat & fish etc. by M/s Vardaan Agrotech Private Limited, Delhi

Development and Commercialisation of Detonation Spray Coating Technology developed at ARCI by M/s SVX Powder M Surface Engg. Private Limited, Greater Noida.

मै. जेनोटेक लेबोरेटरीज लि., हैदराबाद द्वारा दो जेनेरिक बायोलॉजीकल ड्रग्स, रिकाबिनेंट ह्यूमन जी-सीएसएफ (न्यूग्राफ)टीएम और रिबांबिनेंट ह्यूमन जीएम-सीएसएफ (मैक्रोजन)टीएम का विकास एवं वाणिज्यीकरण।

मै. सिलगेट प्रौद्योगिकी प्रा.लि., मुंबई द्वारा स्वदेशी विकसित किए गए सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए रिमोट और ऑनलाइन एनर्जी मीटरिंग, एनर्जी मैनेजमेंट और ऑडिट प्रणाली का विकास तथा वाणिज्यीकरण।

मै. विरचोव बायोटेक प्रा.लि., हैदराबाद द्वारा निम्नतर अत्यधिक डायविटिक अल्सर के उपचार के लिए रिकार्बिनेट ह्यूमन प्लेटलेट जनित विकास कारक का वाणिज्यीकरण।

मै. हरियाणा बायोटेक प्रा.लि., गुड़गांव द्वारा एक सतत और वर्द्धित फसल उत्पादन के लिए राइजोबियम आधारित बायो फर्टिलाइजर और ट्रिकोड्रमा विरदी, एक जैव नियंत्रण घटक का उत्पादन।

मै. करिश्मा सॉफ्टवेयर लि., सिकंदराबाद द्वारा हेल्थकेयर सूचना प्रेषण प्रणाली का विकास एवं वाणिज्यीकरण।

मै.विमता लैब्स लि0, हैदराबाद द्वारा भोज, खाद्य तथा कृषि क्षेत्रों को प्रारंभ में सहायता देने के लिए कार्बनिक और अकार्बनिक संघटकों के संविदा अनुसंधान और जांच में ट्रेस विश्लेषण प्रयोगशाला के लिए सुविधा।

मै. शांता बायोटैक्निक्स लि., हैदराबाद द्वारा मोनोवेलेंट और डीपीटी-हैप.बी काम्बीवेलेंट वैक्सिन के रूप में डिप्थीरिया (डी), पर्टुसिस (पी), टिटनेस (टी) के उत्पादन के लिए विनर्माण सुविधा की स्थापना।

मै.एसएमएस कोटिंग्स (इंडिया) प्रा.लि., हैदराबाद द्वारा हैदराबाद में अल्ट्रा-हाई सिरामिक्स कोटिंग्स के लिए माइक्रो आर्क ऑक्सीडेशन कोटिंग सुविधा। प्रौद्योगिकी का विकास एआरसीआई, हैदराबाद द्वारा किया गया है।

मै. ऑरिऑन टैली-इक्विपमेंट प्रा.लि., कोलकाता द्वारा पहुंच उपकरणों के साथ टेलीफोन एक्सचेंज को अन्य एक्सचेंजों से अंतसंयोजित करने के लिए एक एकल आप्टीकल फाइबर पर बड़ी संख्या में टेलिफोन और डाटा सिग्नलों के परिवहन के लिए प्रयुक्त मल्टी-सर्विस प्रोविजनिंग प्लेटफार्म (एमएसपीपी) की एसडीएच (सिंक्रोनस डिजिटल हिरारची) परिवार का विकास और वाणिज्यीकरण।

मै. ओमनी एक्टिव हैल्थ टेक्नोलॉजिज प्रा.लि., मुंबई द्वारा विकसित आयु संबंधित मस्कुलर पुनःउत्पादन, के जोखिम केटेरेक्ट और कैंसर के विभिन्न रूपों के जोखिम को कम करने के लिए उत्तरदायी गेंदे के फूलों से प्राप्त एक शक्तिशाली एंटीआक्सीडेंट जुटमैक्सटीएम का निष्कर्षण और विकास।

मै.आईएक्सिस लि., हैदराबाद द्वारा दूरसंचार नेटवर्क में प्रयुक्त आईकलेक्ट, एक ऑनलाइन नैक्स्ट जेनरेशन सीडीआर (चार्जिंग डाटा रिकार्ड) का वाणिज्यीकरण।

मै.सुदर्शन बायोटैक लि0, हैदराबाद द्वारा रिकाम्बीनेंट हैपेटाइटिस-सी वायरल (एचसीवी) एंटीजंस का विकास और वाणिज्यीकरण।

Development and commercialization of two generic biological drugs, recombinant human G-CSF (NugrafTM) and recombinant human GM-CSF (MacrogenTM) by M/s Zenotech Laboratories Ltd., Hyderabad.

Development and commercialization of remote and online energy metering, energy management and audit system using the software developed in-house by M/s Silgate Technologies Private Limited, Mumbai.

Commercialization of Recombinant Human Platelet Derived Growth Factor for the healing of lower extremity diabetic ulcers by M/s Virchow Biotech Private Limited, Hyderabad.

Production of Rhizobium based bio-fertilizer and TrichodermaViride, a bio control agent for sustainable and increased crop production by M/s Haryana Biotech Private Limited, Gurgaon.

Development and Commercialization of Healthcare Information Delivery System by M/s Karishma Software Limited, Secunderabad.

Facility for Trace Analysis Laboratory in Contract Research and Testing for organic and inorganic constituents or impurities to primarily support the Pharma, Food and Agriculture sectors by M/s Vimta Labs Limited, Hyderabad.

Setting up manufacturing facility for the production of Diphtheria (D), Pertussis (P), Tetanus (T) as monovalent and DPT-HepB combivalent vaccines by M/s Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad.

Micro Arc Oxidation coating facility for ultra-hard ceramic coatings by M/s SMS Coatings (India) Private Limited, Hyderabad. The technology has been developed by ARCI, Hyderabad

Development and commercialization of SDH (Synchronous Digital Hierarchy) family of multi-service provisioning platforms (MSPP) used for transporting a large number of telephone as well as data signals over a single optical fiber to interconnect telephone exchanges with other exchanges and with access equipments by M/s Orion Tele-Equipments Private Limited, Kolkata.

Manufacture and Extraction of LutemaxTM, a powerful antioxidant from marigold flowers responsible for reducing the risk of age related muscular degeneration, cataract and several forms of cancer developed by M/s OmniActive Health Technologies Private Limited, Mumbai.

Commercialisation of iCollecT, an online next generation CDR (Charging Data Record) Gateway used in telecommunication networks by M/s iAxis Limited, Hyderabad.

Development and commercialization of Recombinant Hepatitis C Viral (HCV) Antigens by M/s Sudershan Biotech Limited, Hyderabad.

मै. माइक्रोट्रोल स्टरलाइजेशन सर्विसेज प्रा.लि., मुंबई द्वारा बैच इराडिएशन ''गामा रे स्टरलाइजेशन'' (जी आर एस) सुविधा जिसका उद्देश्य एक नवीन बैच इराडिएशन प्रणाली के द्वारा खाद्य, चिकित्सा, भेषज और पेकेजिंग उत्पादों आदि का प्रबंध करना है।

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग 11 मई, 2006 को नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि0, हैदराबाद तथा जिनोमिक्स एवं इंटीग्रेटिव संस्थान, दिल्ली को रिकाम्बिनेट ह्यूमन एपीडरमल ग्रोथ फैक्टर (आरएचईजीएफ) को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से डायबिटिक फुट अल्सर के लिए आरईजीईएम-डी(टीएम) 150 तथा जलने तथा त्वचा की ग्राफ्टिंग के लिए आरईजीईएल-डी(टीएम)-60 ब्रांड नाम से विकसित एवं वाणिज्यीकरण करने के लिए 10 लाख रुपये का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया। उन्होंने एसएसआई इकाई, मैसर्स एसईसी इंडस्ट्रीज प्रा.लि., हैदराबाद को, मिसाइलों और विमानों में प्रयोग किए जाने वाले नोजकोण हिस्से का उत्पादन करने में प्रयोग की जाने वाली स्ट्रैच फार्मिंग मशीनों को डिजाइन करने और निर्माण करने के लिए और मैसर्स ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स, चेन्नई को हड्डियों की खराबी दूर करने के लिए कस्टम मेगा प्रोसेथिसिस के विकास और निर्माण के लिए 2 लाख और ट्राफी भी प्रदान की।

श्री कपिल सिब्बल, माननीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और महासागर विकास ने 11 मई, 2006 को प्रौद्योगिकी दिवस पुरस्कार समारोह के अवसर पर बोलते हुए कहा कि ''प्रत्येक वर्ष इस दिन को हम नवोन्मेष के विजयोत्सव के रूप में मनाते हैं।'' ऐसे नवोन्मेष हमारे देश की प्रगति की यात्रा में प्रौद्योगिकी के मील का पत्थर हैं। इसी दिन कुछ वर्षों पहले भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रौद्योगिकी कौशल और वैज्ञानिक उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। यह हमारे देश के इतिहास में वास्तव में एक विशेष अवसर था। प्रौद्योगिकी बोर्ड यह दिवस वैज्ञानिक जानकारी और प्रौद्योगिकी सृजनात्मकता की अपनी खोज और इस खोज का, विज्ञान, समाज और उद्योग के एकीकरण में रूपांतरण करने के एक प्रतीक के रूप में मनाता है।''

उन्होंने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) द्वारा प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों का मनोयोग से पोषण करने के लिए किए गए प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि टीडीबी एक असाधारण उद्यम निवेशक के रूप में उभरकर सामने आया है। किसी उत्पादन अथवा प्रक्रिया के एक सशक्त प्रौद्योगिकी का समर्थन मिलने तक यह किसी भी प्रकार के उद्यमी चाहे वो स्वनिर्मित हों या कोई स्थापित औद्योगिक घराना नवोन्मेष को सहायता देने में कभी पीछे नहीं हटा।

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग ने कहा कि टीडीबी एक उभरता हुआ संगठन है। स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यकरण में टीडीबी की भूमिका सराहनीय है। टीडीबी ऊंची उम्मीदों के साथ स्थापित किया गया है और ऐसा लगता है कि उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर यह उन उम्मीदों को पूरा कर रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं टीडीबी बधाई के पात्र हैं। टीडीबी इक्विटी वित्त-पोषण के अतिरिक्त ऋण वित्त-पोषण के माध्यम से भी सहायता करता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इक्विटी वित्त प्रबंध की संभावनाओं का पता लगाते समय जो कि टीडीबी वित्तपोषण का ही एक रूप है, टीडीबी सभी प्रकार के वित्तीय उपकरणों का प्रयोग कर सकता है। टीडीबी को स्वयं पुनः आविष्कार करने और प्रौद्योगिकी विकास कार्यकलापों में बेहतर वित्त प्रबंधन के लिए विविध वित्त उपकरणों को पहचानने की आवश्यकता है। सरकारी वित्त प्रबंध निकाय, पूरे विषय को शुरू से लेकर आखिरी तक देखने के कार्य के बजाय उद्यम निवेश निधिकरण क्षमता के प्रतिबिंब में विकास करके एक उत्प्रेरक भूमिका निभा सकता है।

Batch Irradiation "Gamma Ray Sterilization" (GRS) facility by M/s Microtrol Sterilization Services Private Limited, Mumbai aims to cater to the food, medical, pharma and packaging products etc. by using an innovative Batch Irradiation System.

Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, presided over as the Chief Guest at the Technology Day function held on 11th May 2006 at 'The Ashok', New Delhi. The Chief Guest presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy each to Bharat Biotech International Limited, Hyderabad, and Institute of Genomics and Integrative Biology, Delhi for developing the technology for the commercialization of recombinant human Epidermal Growth Factor (rhEGF) through a Public-Private Partnership under the Brand name REGEN-D- 150 for diabetic foot ulcers and REGEN-D -60 for burns and skin grafts. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy each to the SSI units, M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad for designing and manufacturing of Stretch Forming Machine used to produce nose cone sections of missiles and aircrafts and M/s Eagle Engineering Works, Chennai for developing and manufacturing Custom MegaTM Prosthesis for replacing bone defects.

While speaking on the Technology Day Award function on 11th May 2006, Shri Kapil Sibal, Hon'ble Union Minister of Science & Technology & Ocean Development mentioned that "each year this day we celebrate the triumph of innovation. Such innovations are technology milestones in our nation's onward march. This day, a few years ago, India demonstrated her technological prowess and sophistication of her scientific achievements in the realm of national security. That was indeed a defining moment in our country's history. Technology Development Board celebrates this day as a symbol of our quest for scientific inquiry and technological creativity and the translation of that quest in the integration of science, society and industry".

He also appreciated efforts of Technology Development Board (TDB) in assiduously nurturing technology-based industry and mentioned that TDB has emerged as a venture capitalist with a difference. It should not shy away from supporting any kind of entrepreneur either self made or an established industrial house as long as a product or a process is backed by sound innovative technology.

Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman Planning Commission stated that TDB is an upcoming organization. The role of TDB is complementary in the development and commercialization of indigenous technology. TDB has been setup with high hopes and it appears that it is fulfilling those hopes by playing important role in that area. The Ministry of Science & Technology and TDB deserve to be congratulated. TDB should also support through equity financing apart from loan financing. He suggested that while exploring equity financing TDB could use whole variety of financing instruments. TDB needs to reinvent itself and recognize multiple financial instruments for better financing in technology development activities. Government financing bodies could play more of a catalytic role by developing a spectrum of venture capital funding capacity rather than role of seeing whole thing through beginning to end.

# पूर्वावलोकन

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया।

इस अधिनियम में टी डी बी द्वारा संचालित प्रौद्योगिकी विकास तथा अनुप्रयोग के लिए निधि सृजन का प्रावधान है। इस निधि द्वारा सरकार से अनुसंधान तथा विकास अधिनियम, 1986, 1995 में यथा संशोधित के प्रावधानों के तहत औद्योगिक इकाइयों से एकत्रित उपकर में से भारत सरकार से अनुदान प्राप्त किया जाता है। निधि की राशि के निवेश से प्राप्त आय और निधि द्वारा दिए गए अनुदानों की वसूली को निधि में जमा कर दिया जाता है। वित्त अधिनियम, 1999 द्वारा आयकर संबंधी उद्देश्यों के लिए निधि को दिए गए अनुदानों में पूर्ण कटौती करने हेतु सक्षम बनाया गया।

वर्ष 1996 - 2007 के दौरान आर एण्ड डी उपकर से एकत्रित कुल 1,279.16 करोड़ रू. में से सरकार द्वारा टी डी बी को 11 वर्षों ( 1996 - 2007) की अवधि में 482.42 करोड़ रू. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई। यह 11 वर्षों में आर एण्ड डी उपकर से एकत्रित राशि का 37.71% है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टी डी बी) का दायित्व स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करने अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने वाली औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है।

टी डी बी द्वारा वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में उपलब्ध है ; आपवादिक मामलों में यह अनुदान भी हो सकता है। ऋण सहायता अनुमोदित परियोजना लागत के 50% तक दी जाती है और इस पर प्रतिवर्ष 5% साधारण ब्याज लिया जाता है। विकल्प के रूप में टी डी बी किसी कंपनी को इक्विटी पूंजी भी प्रदान कर सकता है बशर्ते यह अनुमोदित परियोजना लागत के 25% से अधिक न हो। वित्तीय सहायता किसी औद्योगिक इकाई की शुरूआत, स्टार्ट अप अथवा विकास के चरणों में दी जा सकती है।

टी डी बी वर्ष भर अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों से वित्तीय सहायता हेतु आवेदन प्राप्त करता है। टी डी बी द्वारा कोई प्रशासनिक, प्रोसेसिंग अथवा वचनबद्धता शुल्क नहीं लिया जाता है। टी डी बी से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु इच्छुक औद्योगिक इकाई को विहित प्रपत्र में आवेदन करना होता है। परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशानिर्देशों सहित आवेदन के प्रारूप की प्रति टी डी बी से निःशुल्क या टी डी बी वेबसाइट (www.tdbindia.org) से प्राप्त की जा सकती है।

वर्ष 2006 - 07 के दौरान टी डी बी द्वारा 14 औद्योगिक इकाइयों और 1 उद्यम पूंजी कंपनी सहित 15 करारों पर हस्ताक्षर किए गए। 14 औद्योगिक इकाइयों के लिए 113.82 करोड़ रू. की कुल परियोजना लागत की तुलना में टी डी बी द्वारा 39.11 करोड़ रू. का ऋण उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, टी डी बी द्वारा लेवेरेजिंग के लिए एक उद्यम निधि को 15 करोड़ रू. की प्रतिबद्धता की गई।

# AN OVERVIEW

The Government of India constituted the Technology Development Board(TDB) in September 1996, under the provisions of the Technology Development Board Act, 1995.

The Act enables creation of a Fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The Fund receives grants from the Government of India out of the Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. Any income from investment of the amount of the Fund and the recoveries made of the amounts granted from the Fund are credited to the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations made to the Fund for income tax purposes.

Of the total of Rs. 1,279.16 crore from R&D cess collection during the year 1996-2007, the Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs. 482.42 crore over the period of 11 years (1996-2007). This works out 37.71% of the R&D cess collections made in 11 years.

The mandate of the TDB is to provide financial assistance to the industrial concerns and other agencies attempting development and commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity; in exceptional cases, it may be grant. The loan assistance is provided up to 50 percent of the approved project cost and carries 5 percent simple rate of interest per annum. In the alternative, TDB may also subscribe by way of equity capital in a company, subject to maximum up to 25 percent of the approved project cost. The financial assistance is provided during the commencement, start-up or growth stages of an industrial concern.

TDB accepts applications for financial assistance from all sectors of economy throughout the year. TDB does not levy any administrative, processing or commitment charges. The industrial concern desirous of seeking financial assistance from TDB has to apply in the prescribed format. A copy of the Project Funding Guidelines including the format of application can be obtained free of cost from TDB or by accessing TDB website (www.tdbindia.org).

During the year 2006-07, TDB signed 15 agreements with 14 industrial concerns and 1 Venture Capital Company. For the 14 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 39.11 crore as against the total project cost of Rs.113.82 crore. Further, TDB committed Rs.15 crore for one venture fund for leveraging a fund of Rs. 60 crore.

वर्ष 2006-07 के दौरान, टी डी बी द्वारा चल रही तथा नई परियोजनाओं के लिए 74.98 करोड़ रू. की राशि का संवितरण किया गया। इसमें 54.34 करोड़ रू. ऋण के रूप में, 1.86 करोड़ रू. अनुदान के रूप में और 18.78 करोड़ रू. यू टी आई वी एफ तथा ए पी आई डी सी - वी सी एल तथा वेंचर ईस्ट टीनेट फंड-II के लिए उनकी निधियों में से प्रारंभिक विकासोन्मुखी परियोजनाओं में निवेश हेतु शामिल है।

31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार, टी डी बी द्वारा (इसके 1996 में अस्तित्व में आने के बाद से) 2671.09 करोड़ रू. की कुल परियोजना लागत युक्त 173 करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिसमें से टी डी बी की वचनबद्धता 780.95 करोड़ रू. की है जिसमें से टी डी बी द्वारा 690.80 करोड़ का संवितरण कर दिया गया है।

Enabling Commercialisation

During the year 2006-07, TDB disbursed a sum of Rs. 74.98 crore towards on-going and new projects. This included Rs. 54.34 crore as loan, Rs. 1.86 crore as grant and Rs. 18.78 crore to UTIVF, APIDC-VCL and Venture-East TeNet Fund II for investment in early stage as well as growth oriented ventures through their funds.

As on 31st March 2007, TDB has signed 173 agreements (since its inception in 1996) with the total project cost of Rs. 2671.09 crore involving TDB's commitment of Rs. 780.95 crore against which TDB has disbursed Rs. 690.80 crore.

Enabling Commercialisation

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग दिनांक 11 मई, 2006 को डॉ. कृष्णा एम.इला, मैसर्स, भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि०, हैदराबाद को राष्ट्रीय पुरस्कार स्वरूप ट्राफी प्रदान करते हुए

Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, presenting trophy for the National Award to Dr. Krishana M. Ella, M/s Bharat Biotech International Limited, Hyderabad on 11th May 2006

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग दिनांक 11 मई, 2006 को जेनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान, दिल्ली के प्रो.एस.के.ब्रह्मचारी, को राष्ट्रीय पुरस्कार स्वरूप ट्राफी प्रदान करते हुए

Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, presenting the trophy for the National Award to Professor S. K. Brahamchari of Institute of Genomics and Integrative Biology, Delhi on 11th May 2006

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग दिनांक 11 मई, 2006 को श्री डी. विद्यासागर, मैसर्स एसईसी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लि0, हैदराबाद को एसएसआई यूनिट के लिए ट्राफी प्रदान करते हुए

**Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, presenting the trophy for the SSI unit to Shri D. Vidyasagar of M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad on 11th May 2006**

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग दिनांक 11 मई, 2006 को श्री एम.सी.जयसिंह, मैसर्स ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स, चेन्नई को एसएसआई यूनिट के लिऐ ट्राफी प्रदान करते हुए

**Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, presenting the trophy for the SSI unit to Shri M.C. Jayasingh of M/s Eagle Engineering Works, Chennai on 11th May 2006**

## वित्तीय सहायता की प्रणालियां

निम्नलिखित तालिका द्वारा 31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार टी डी बी द्वारा उपलब्ध कराई गई वित्तीय सहायता की प्रणालियों को दर्शाया गया है।

वित्तीय सहायता की प्रणालियां (करोड़ रू. में)

| प्रणालियां | टी डी बी द्वारा स्वीकृत राशि | टी डी बी द्वारा वितरित राशि |
|---|---|---|
| ऋण | 545.93 | 502.22 |
| इक्विटी | 24.36 | 24.36** |
| अनुदान | 65.66 | 62.96 |
| अन्य | | |
| आई टी बी यू एस - यू टी आई | 25.00 | 25.00 |
| यू टी आई वी एफ - ए आई एफ | 75.00 | 48.94 |
| ए पी आई डी सी बी एफ | 30.00 | 22.32 |
| वेंचर ईस्ट | 15.00 | 5.00 |
| | 145.00 | 101.26 |
| **कुल** | **780.95** | **690.80** |

** टी डी बी द्वारा स्वीकृत राशि को 31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, पहले रोक दिए जाने और रद्द कर दिए जाने के कारण संशोधित किया गया है।

* इसमें निक्को कार्पोरेशन को 18.46 करोड़ रू. के ऋण को मार्च, 2004 में "क्यूम्यूलेटिव रिडिमेबल प्रिफरेंश शेयर्स" में बदला जाना शामिल है (इस प्रकार ऋण को घटाया गया)।

## क्षेत्र - वार कवरेज

टी डी बी की वित्तीय सहायता में अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया है। निम्नलिखित तालिका में इसके 1997-98 में अस्तित्व में आने से लेकर से 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष तक की अवधि के लिए टी डी बी प्रदत्त वित्तीय सहायता परियोजनाओं को क्षेत्रवार दर्शाया गया है-

टी डी बी द्वारा वित्तीय भागीदारी मुख्यतः बाजार चालित स्थितियों पर निर्भर करती है और एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में उल्लेखनीय रूप से परिवर्तनशील है। इसकी वित्तीय सहायता में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के साथ - साथ इंजीनियरी क्षेत्र की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

हाल के दिनों में, टी डी बी द्वारा यू टी आई वी एफ तथा ए पी आई डी सी उद्यम पूंजी निधियों के साथ नवोन्मेषक परियोजनाओं में निवेश के उन्नयन के लिए अपने दायरे को विस्तृत करने के साथ - साथ इंक्यूबेटरों द्वारा आर एण्ड डी पहलों को मूल सहायता निधि के माध्यम से सहयोग प्रदान किया गया। इन भागीदारियों से टी डी बी को अपने क्रियाकलापों को संभाव्यता वाले क्षेत्रों में अच्छी स्केलेबेलिटि और उभरती प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के अपने दायरे में वृद्धि लाने हेतु समर्थता प्राप्त की जा सकेगी।

## Modes of Financial Assistance

The following table indicates the modes of financial assistance provided by TDB as on 31st March 2007, since inception in 1997-98.

**Modes of Financial Assistance** (Rupees in crore)

| Instruments | Sanctioned by TDB* | Disbursement by TDB |
|---|---|---|
| Loans | 545.93 | 502.22 |
| Equity | 24.36 | 24.36** |
| Grant | 65.66 | 62.96 |
| Others | | |
| ITVUS UTI | 25.00 | 25.00 |
| UTIVF AIF | 75.00 | 48.94 |
| APIDC VF | 30.00 | 22.32 |
| Venture East | 15.00 | 5.00 |
| | ------- | ------- |
| **Total** | **780.95** | **690.80** |

* The sanctioned amount by TDB has been revised as on 31st March 2007 due to revision in the quantum of financial assistance, foreclosure and cancellations.

** Includes conversion of loan of Rs. 18.46 crore to Nicco Corporation into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004 (thereby reducing the loan).

## Sector-wise Coverage

TDB's financial assistance has covered almost all sectors of the economy. The following table gives sector-wise projects financially assisted by TDB for the year ended on 31st March, 2007, since inception in 1997-98.

Financial participation by TDB depends largely on the market driven conditions and varies considerably from one sector to another. Health and Medical along with Engineering sector have a significant share in its financial assistance.

In the recent past, TDB has partnered with the UTIVF and APIDC Venture Capital Funds to widen its scope with a view to leverage investment in innovative projects and also supported R&D initiatives by the incubators through Seed Support Fund. These participations would enable TDB to enlarge its activities in potential areas with good scalability and to enhance its scope of commercialization of emerging technologies.

क्षेत्र - वार कवरेज: 1997 - 2007 ( करोड़ रु. में)

| क्र. सं. | क्षेत्र | करारों की संख्या | कुल लागत | टी डी बी द्वारा स्वीकृति |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य एवं चिकित्सा | 45 | 664.92 | 196.76 |
| 2. | इंजीनियरी | 35 | 300.45 | 97.32 |
| 3. | केमिकल्स | 17 | 127.65 | 41.08 |
| 4. | कृषि | 16 | 90.98 | 29.02 |
| 5. | ऊर्जा एवं अपशिष्ट अनुप्रयोग | 6 | 98.34 | 43.98 |
| 6. | दूर - संचार | 9 | 65.94 | 24.41 |
| 7. | रक्षा एवं नागर विमानन | 1 | 8.00 | 2.20 |
| 8. | सड़क परिवहन | 10 | 527.04 | 81.20 |
| 9. | हवाई परिवहन | 2 | 142.10 | 67.80 |
| 10. | सूचना प्रौद्यागिकी | 22 | 116.84 | 46.68 |
| 11. | अन्य | | | |
| | उद्यम निधियों सहित | 5 | 523.83 | 145.50 |
| | एस टी ई पी - टी बी आई | 5 | 5.00 | 5.00 |
| | | --- | -------- | ------- |
| | | 10 | 528.83 | 150.50 |
| | **कुल** | **173*** | **2671.09** | **780.95** |

* ( इसमें टी डी बी द्वारा बगैर कोई राशि जारी किए रद्द किए गए 10 करार शामिल नहीं हैं) ।

## रोजगार के अवसर

टी डी बी ने नए उद्यमों द्वारा परियोजनाओं के कार्यान्वयन के साथ - साथ मौजूदा उद्यमों द्वारा कार्यान्वित नई परियोजनाओं के माध्यम से नए रोजगार के अवसरों का सृजन कर मूल्यवर्धन किया है।

## करारों का राज्य - वार वितरण

वर्ष 1997 - 2007 के दौरान हस्ताक्षरित करारों का राज्य - वार वितरण ( कंपनी के पंजीकृत कार्यालय पर आधारित) नीचे दिया गया है:

## वर्ष 2006 - 07 में उत्पाद और सेवाएं

टी डी बी की वित्तीय सहायता से वर्ष 2006 - 07 के दौरान जारी किए गए उत्पादों/पूरी की गई परियोजनाओं का संक्षिप्त ब्यौरा नीचे दिया गया है-

**Sector-wise Coverage 1997-2007** (Rupees in crore)

| Sr. No. | Sector | Number of Agreements | Total cost | Sanctioned by TDB |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Health & Medical | 45 | 664.92 | 196.76 |
| 2. | Engineering | 35 | 300.45 | 97.32 |
| 3. | Chemicals | 17 | 127.65 | 41.08 |
| 4. | Agriculture | 16 | 90.98 | 29.02 |
| 5. | Energy & Waste utilisation | 6 | 98.34 | 43.98 |
| 6. | Tele- communication | 9 | 65.94 | 24.41 |
| 7. | Defence and Civil Aviation | 1 | 8.00 | 2.20 |
| 8. | Road Transport | 10 | 527.04 | 81.20 |
| 9. | Air Transport | 2 | 142.10 | 67.80 |
| 10. | Information Technology | 22 | 116.84 | 46.68 |
| 11. | Others | | | |
| | Including Venture funds | 5 | 523.83 | 145.50 |
| | STEP-TBI | 5 | 5.00 | 5.00 |
| | | 10 | 528.83 | 150.50 |
| | **Total** | **173*** | **2671.09** | **780.95** |

***(Excludes 10 agreements cancelled by TDB without any release.)**

## Job Opportunities

TDB has added value by creating new job opportunities through implementation of projects by new enterprises as well as through new projects implemented by ongoing enterprises.

## State-wise Distribution of Agreements

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1997-2007 is given below:

## Products and Services in 2006-07

The brief profile of products released / projects completed during the year 2006-07 with the financial assistance from TDB is indicated below.

क्षेत्र - वार कवरेज: 1997 - 2007 ( करोड़ रू. में)

| क्र. सं. | राज्य, केन्द्र शासित प्रदेश | करारों की संख्या | उद्यमों की संख्या | कुल लागत | टी डी बी द्वारा स्वीकृत ऋ ण/ अनुदान/ इक्विटी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | आन्ध्र प्रदेश | 51 | 38 | 712.20 | 228.47 |
| 2. | चण्डीगढ़ | 1 | 1 | 2.40 | 1.20 |
| 3. | दिल्ली | 11 | 10 | 103.93 | 40.77 |
| 4. | गुजरात | 8 | 5 | 65.84 | 15.89 |
| 5. | हरियाणा | 2 | 2 | 7.40 | 2.10 |
| 6. | हिमाचल प्रदेश | 1 | 1 | 6.24 | 1.90 |
| 7. | कर्नाटक | 16 | 16 | 264.12 | 55.34+ 60.16 अनुदान |
| 8. | केरल | 2 | 2 | 10.91 | 5.15 |
| 9. | मध्य प्रदेश | 4 | 2 | 133.24 | 34.95 |
| 10. | महाराष्ट्र | 27 | 26 | 497.05 | 84.25 |
| 11. | पाण्डिचेरी | 1 | 1 | 5.83 | 1.90 |
| 12. | पंजाब | 5 | 4 | 52.20 | 8.56+5.90 इक्विटी |
| 13. | राजस्थान | 1 | 1 | 35.77 | 3.00 |
| 14. | तमिलनाडु | 24 | 23 | 160.68 | 45.11 |
| 15. | उत्तर प्रदेश | 3 | 2 | 13.04 | 3.92 |
| 16. | पश्चिम बंगाल | 6 | 4 | 71.41 | 13.42+18.46* इक्विटी |
| | अन्य - उद्यम निधियों सहित | 5 | 5 | 523.83 | 145.50 |
| | एस टी ई पी - टी वी आई | 5 | 5 | 5 | 5 |
| | **कुल योग** | **173** | **148** | **2671.09** | **780.95** |

टिप्पणी:इसमें टी डी बी द्वारा बगैर किसी राशि को जारी किए बिना रद्द किए गए 10 करारों को शामिल नहीं किया गया।
* निक्को कोर्पोरेशन लिमिटेड, को प्रदत्त 18.46 करोड़ रू. ऋण की राशि (12.46 करोड़ रू. वर्ष 1999 - 2000 में तथा 6 करोड़ रू. वर्ष 2001 - 2002 में) को मार्च, 2004 में " क्यूम्यूलेटिव रिडेमेबल प्रिफरेंस शेयर्स" में परिवर्तित किया गया।

**एलर्जी रीहनिटिस का उपाय (एनआर-ए-2/एलर-7)** : मैसर्स नैचुरल रेमेडीज प्राइवेट लि., बैंगलोर ने एनआर-2/एलर-7, जो कि छींकने, राईनोरिया, नाक बंद होने के प्रारंभिक लक्षणों से बचाव करता है तथा ज्वलन पर प्रभावी नियंत्रण करके श्वसनप्रणाली को स्वस्थ करता है, के विकास, परीक्षण एवं वाणिज्यीकरण के लिए अप्रैल, 2006 में परियोजना को पूर्ण किया।

**बहुद्देश्यीय इरेडियेशन संयंत्र:** मैसर्स वरदान एग्रोटेक प्रा0 लि0, दिल्ली ने मई 2006 में इरेडियेशन संयंत्र की स्थापना की जो कि खाद्य एवं चिकित्सीय उत्पादों, फल एवं सब्जियों आदि के संसाधन के लिए रेडियेशन एवं आइसोटोप प्रोद्योगिकी (बीआरआईटी) बोर्ड मुम्बई प्रौद्योगिकी पर आधारित है।

**Modes of Financial Assistance** (Rupees in crore)

| S. No. | State, Union Territory | Number of agreements | Number of enterprises | Total cost | Loan/Grant /Equity sanctioned by TDB |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Andhra Pradesh | 51 | 38 | 712.20 | 228.47 |
| 2. | Chandigarh | 1 | 1 | 2.40 | 1.20 |
| 3. | Delhi | 11 | 10 | 103.93 | 40.77 |
| 4. | Gujarat | 8 | 5 | 65.84 | 15.89 |
| 5. | Haryana | 2 | 2 | 7.40 | 2.10 |
| 6. | Himachal Pradesh | 1 | 1 | 6.24 | 1.90 |
| 7. | Karnataka | 16 | 16 | 264.12 | 55.34+Gr 60.16 |
| 8. | Kerala | 2 | 2 | 10.91 | 5.15 |
| 9. | Madhya Pradesh | 4 | 2 | 133.24 | 34.95 |
| 10. | Maharashtra | 27 | 26 | 497.05 | 84.25 |
| 11. | Pondicherry | 1 | 1 | 5.83 | 1.90 |
| 12. | Punjab | 5 | 4 | 52.20 | 8.56+Eq 5.90 |
| 13. | Rajasthan | 1 | 1 | 35.77 | 3.00 |
| 14. | Tamil Nadu | 24 | 23 | 160.68 | 45.11 |
| 15. | Uttar Pradesh | 3 | 2 | 13.04 | 3.92 |
| 16. | West Bengal | 6 | 4 | 71.41 | 13.42+Eq18.46* |
| 17. | Others-Including Venture funds | 5 | 5 | 523.83 | 145.50 |
| | STEP-TBI | 5 | 5 | 5.00 | 5.00 |
| | **Grand Total** | **173** | **148** | **2671.09** | **780.95** |

Note: Excludes 10 agreements cancelled by TDB without any release.

* Loan amount of Rs.18.46 crore (Rs. 12.46 crore in 1999-2000 and Rs. 6 crore in 2001-2002) disbursed to Nicco Corporation Ltd. was converted into Cumulative Redeemable Preference Shares in March 2004.

**Solution for allergic rhinitis (NR-A2 / Aller7):** M/s Natural Remedies Pvt. Ltd., Bangalore completed the project in April 2006 for development, testing and commercialization of NR-A2 / Aller-7 to prevent the onset of the symptoms like sneezing, rhinorrhoea, nasal congestion and effective control of inflammation thereby promoting healthy respiratory system.

**Multipurpose irradiation plant:** M/s Vardaan Agrotech Private Limited, Delhi has started irradiation plant in May 2006 based on Board of Radiation & Isotope Technology (BRIT) Mumbai technology for processing of food & medical products, fruits & vegetables etc.

**डीटोनेशन स्प्रे कोटिंग टेक्नोलॉजी :** मैसर्स एसवीएक्स पाउडर एम.सरफेस इंजीनियरिंग प्रा.लि., ग्रेटर नौएडा ने एआरसीआई, हैदराबाद द्वारा विकसित डीटोनेशन स्प्रे कोटिंग टेक्नोलॉजी का मई, 2006 में उत्तर भारत में वाणिज्यीकरण किया।

**जैविक एपीआई उत्पादन सुविधाएं :** मैसर्स जेनोटेक लैबोटरी लि., हैदराबाद ने यूएस एफडीए अनुमोदित अत्याधुनिक एपीआई निर्माणकारी सुविधा और सामान्य सूत्रीकरण (फारमूलेशन) सुविधा को स्थापित किया। कंपनी ने 2006 के मध्य में दो प्रजातिगत (जेनेरिक) दवाओं का शुभारंभ किया- रीकंबिएंट-ह्यूमन जी-सीएसएफ (नूगराफ)टीएम और रीकंबिएंट-ह्यूमन जीएम-सीएसएफ (मैक्रोजन)टीएम। ये दवाएं स्वदेशी पेटेंट प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके विकसित की गई हैं। यह परियोजना मई, 2006 में पूरी की गई।

**स्वचालित मीटर पठन के पायलट की स्थापना :** मैसर्स सिलगेट प्रौद्योगिकी प्रा.लि., मुंबई ने कंपनी द्वारा स्वदेशी विकसित सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके स्वचालित मीटर पठन के पायलटों को स्थापित करने के लिए जून, 2006 में परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

**रीकंबिएंट ह्यूमन प्लेटलेट से जनित विकास कारक :** मैसर्स विरचोऊ बायोटेक प्रा.लि. हैदराबाद ने निम्न अग्रांग मधुमेह अल्सर का उपचार करने के लिए आरएच प्लेटलेट जनित विकास कारक का वाणिज्यीकरण करने के लिए अपनी परियोजना को जून, 2006 में पूरा किया।

**जैविक-नियंत्रण कारक का उत्पादन :** मैसर्स हरियाणा बायोटेक प्रा.लि., गुड़गांव ने खमीर (किण्वन) प्रक्रिया के माध्यम से दीर्घकालीन और अधिक फसल उत्पादन करने के लिए राइजोबियम आधारित जैव-उर्वरक और ट्रिकोडरमा विरिदी, एक जैव नियंत्रित कारक का उत्पादन करने के लिए जुलाई, 2006 में अपनी परियोजना को पूरा किया।

**हैल्थकेयर सूचना डिलीवरी प्रणाली :** मैसर्स करिश्मा सॉफ्टवेयर लि0, सिकंदराबाद ने अक्तूबर, 2006 में गौण से लेकर प्रारंभिक स्वास्थ्य केन्द्र में हाथ से प्रयोग किए जाने वाले साधनों के माध्यम से हैल्थकेयर सूचना प्रेषण सिस्टम की शुरूआत की और विभिन्न मिशनोमुखी कार्यक्रमों/एनजीओ (NGO) इत्यादि के लिए हैल्थकेयर सपोर्ट सिस्टमों के लिए सॉफ्टवेयर विकसित किया।

**ट्रेस विश्लेषण लेबोटरी :** मैसर्स विमता लैब्स लि., हैदराबाद ने प्रारंभ में एसपी बायोटेक पार्क हैदराबाद में खाद्य, कृषि और भेषज क्षेत्र को समर्थन देने के लिए जैव और अजैव घटकों अथवा अशुद्धता के लिए अक्टूबर, 2006 में अनुबंध शोध एवं परीक्षण में ट्रेस विश्लेषण लेबोरेटरी के लिए सुविधा मुहैय्या कराई।

**डीपीटी और डीपीटी-हेपेटाइटिस-बी सम्मिश्रण टीका :** मैसर्स शांता बायोटेक लि0, हैदराबाद ने दिसंबर, 2006 में डिप्थीरिया (डी), परटीसिस (पी), टीटनेस (टी) के लिए एक संयोजक के रूप में और डीपीटी- हेपेटाइटिस बी का यौगिक संयोजक के रूप में उत्पादन करने के लिए उत्पादन सुविधाओं को मुहैय्या कराया।

**माइक्रो आर्क ऑक्सीडेशन कोटिंग सुविधा :** मैसर्स एसएमएस कोटिंग (इंडिया) प्रा.लि., हैदराबाद ने दिसंबर, 2006 में हैदराबाद में अत्यधिक कठोर सिरेमिक कोटिंग के लिए माइक्रो आर्क ऑक्सीडेशन के लिए सुविधाएं मुहैय्या कराई।

**Detonation Spray Coating Technology:** M/s SVX Powder M. Surface Engg. Pvt. Ltd., Greater Noida has Commercialized Detonation Spray Coating Technology, developed by ARCI, Hyderabad, in North India in May 2006.

**Biologicals API manufacturing facility:** M/s Zenotech Laboratories Ltd., Hyderabad, established a state of the art US FDA approved API manufacturing facility and the general formulations facility. The company has launched two generic biological drugs during mid-2006, recombinant human G-CSF (NugrafTM) and recombinant human GM-CSF (MacrogenTM). These drugs were developed using in-house patented technologies. The project was completed in May 2006.

**Setting up pilots of automatic meter reading:** M/s Silgate Technologies Private Limited, Mumbai successfully completed its project in June 2006 to setup pilots of automatic meter reading using the software developed in-house by the company.

**Recombinant Human Platelet Derived Growth Factor:** M/s Virchow Biotech Pvt. Ltd., Hyderabad completed its project to commercialize Recombinant Human Platelet Derived Growth Factor for the healing of lower extremity diabetic ulcers in June 2006.

**Production of Bio-Control Agent:** M/s Haryana Biotech Private Limited, Gurgaon has completed its project in July 2006 to produce Rhizobium based bio-fertilizer and Trichoderma viride, a bio control agent by fermentation process for sustainable and increased crop production.

**Healthcare Information Delivery System:** M/s Karishma Software Limited, Secunderabad has developed Healthcare Information Delivery System software in October 2006 to extend the healthcare information delivery system from secondary to primary health center through handheld devices and developed software for healthcare support systems for various mission oriented programs / NGOs etc.

**Trace Analysis Laboratory:** M/s Vimta Labs Limited, Hyderabad has setup facility for Trace Analysis Laboratory in Contract Research and Testing in October 2006 for organic and inorganic constituents or impurities to support the Food, Agriculture and Pharma Sectors primarily at **S.P. Biotech Park in Hyderabad.**

**DPT and DPT-HepB Combination Vaccine:** M/s Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad has built a manufacturing facility for the production of Diphtheria (D), Pertussis (P), Tetanus (T) as monovalent and DPT-HepB combivalent vaccines in December 2006.

**Micro Arc Oxidation coating facility:** M/s SMS Coatings (India) Pvt. Ltd, Hyderabad successfully completed its project in December 2006 to by setting up facilities for Micro Arc Oxidation coating for ultra-hard ceramic coatings at Hyderabad.

**बहु-सेवाएं प्रावधान प्लेटफार्म (मल्टी सर्विस प्रोविजनिंग प्लेटफार्म-एमएसपीपी)** : मैसर्स ओरियन टेली-उपकरण प्रा.लि., बैंगलोर ने फरवरी, 2007 में टेलीफोन एक्सचेंजों को अन्य टेलीफोन एक्सचेंजों से आपस में जोड़ने तथा उपकरणों की सुगमता के लिए बहुत अधिक संख्या में टेलीफोन को लाने-ले जाने साथ ही साथ एकल ऑप्टिकल फाइबर से डाटा सिग्नल के लिए बहु-सेवाएं प्रावधान प्लेटफार्म के परिवार के एसडीएच (सिंक्रोनस डीजिटल हाईरेकी) को विकसित तथा वाणिज्यिक किया।

**गेंदे के फूलों से ल्यूटिन उत्पाद** : मैसर्स ओमनी एक्टिव हैल्थ टेक्नोलॉजिस प्रा.लि., मुंबई ने मार्च, 2007 में, लुटमैक्स के ब्रांड नाम से अपने व्यवसायिक प्लांट में ल्यूटिन का उत्पादन आरंभ कर दिया और मार्किट का विकास करने के लिए अपने उत्पाद को कुछ विदेशी उपभोक्ताओं को सप्लाई किया। कंपनी ने टेक्नोलॉजी और उत्पाद के लिए अमेरिकी पेटेंट अधिकार प्राप्त किया।

**अगली पीढ़ी सीडीआर (चार्जिंग डाटा रिकॉर्ड)** : मैसर्स आईएक्सिस लि., हैदराबाद ने टेलीकाम इंजीनियरिंग सेंटर (टीईसी) द्वारा प्रमाणित आई कलेक्ट-एक ऑनलाइन अगली पीढ़ी सीडीआर (चार्जिंग डाटा रिकार्ड) गेटवे का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण किया जिसे कि मार्च, 2007 में टेलीकम्यूनिकेशन नेटवर्क के लिए प्रयोग किया गया। यह भारत की पहली ऐसी कंपनी है जिसके पास बहु-प्रोटाकाल के लिए संग्रहण उपाय है।

**हेपेटाइटिस सी वाइरस (एचसीवी) डायगनोस्टिक किट्स** : मैसर्स सुदर्शन बायोटेक लि0, हैदराबाद ने मार्च, 2007 में पुनःसम्मिश्रण हेपटाइटिस -सी वायरस (एचसीवी) प्रतिजन के विकास एवं वाणिज्यीकरण के लिए अपनी परियोजना को पूर्ण किया। कंपनी ने कृंतक तथा अनुक्रमित एचसीवी का भारतीय आइसोलेट के अनुक्रम के आधार पर पुनःसम्मिश्रण डीएनए प्रौद्योगिकी द्वारा चार प्रोटीनों (कोर, एनएस3, एनएस4,एनएस5) का उत्पादन करने की प्रौद्योगिकी का विकास किया।

बैच किरणन ''गामा-रे स्टरलाइजेशन'' (जीआरएस) सुविधा : मैसर्स माइक्रोटॉल स्टरलाइजेशन सर्विस प्रा.लि., मुंबई ने मार्च, 2007 में खाद्य प्रसंस्करण, चिकित्सीय, भोज और पैकेजिंग उत्पादों इत्यादि की सुविधा के लिए बैच इराडीयेशन ''गामा रे स्टरलाइजेशन'' (जी आर एस) को स्थापित करने के लिए अपनी परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया।

## प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कारों का प्रस्तुतीकरण

11 मई, 2006 को नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार कार्यक्रम में डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग मुख्य अतिथि थे। उन्होंने भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि0, हैदराबाद तथा जिनोमिक्स एवं इंटीग्रेटिव संस्थान, दिल्ली को रिकाम्बिनेंट ह्यूमन एपीडरमल ग्रोथ फैक्टर (आरएचईजीएफ) को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से डायबिटिक फुट अल्सर के लिए आरईजीईएन-डीटीएम 150 तथा ज्वलन तथा चमड़ी रोपण के लिए आरईजीईएन-डी(टीएम)-60 ब्रांड नाम से विकसित एवं वाणिज्यिक करने के लिए 10 लाख रुपये का राट्रीय पुरस्कार दिया। यह उत्पाद उत्तमता में विश्वस्तर के हैं और यह आम आदमी को सहजता से सुलभ एवं सामर्थ्य के अंदर है।

**Multi-service provisioning platforms (MSPP):** M/s Orion Tele-Equipments Private Limited, Bangalore has developed and commercialized SDH (Synchronous Digital Hierarchy) family of multi-service provisioning platforms (MSPP) used for transporting a large number of telephone as well as data signals over a single optical fiber to interconnect telephone exchanges with other exchanges and with access equipments in February 2007.

**Lutein products from marigold flowers:** M/s OmniActive Health Technologies Private Ltd., Mumbai, has started manufacturing Lutein at its commercial plant, in March 2007 under its brand name Lutemax and is supplying the product to certain overseas customers to develop the market. The company has obtained US patent for the technology and the product.

**Next generation CDR (Charging Data Record):** M/s iAxis Limited, Hyderabad has successfully commercialized iCollecT- an online next generation CDR (Charging Data Record) Gateway certified by Telecom Engineering Centre (TEC), which is used for telecommunication networks in March 2007. The first Indian company to have a CDR collection solution for multiple protocols.

**Production of the Hepatitis C Virus (HCV) diagnostic kits:** M/s Sudershan Biotech Limited, Hyderabad has completed its project in March 2007 for development and commercialization of Recombinant Hepatitis C Viral (HCV) Antigens. The company has developed the technology to produce four proteins (Core, NS3, NS4, NS5) by recombinant DNA technology, based on the sequence of an Indian Isolate of HCV, which was cloned and sequenced.

**Batch Irradiation "Gamma Ray Sterilization" (GRS) facility:** M/s Microtrol Sterilization Services Private Limited, Mumbai successfully completed its project in March 2007 to by setting up Batch Irradiation "Gamma Ray Sterilization" (GRS) facility for processing of food, medical, pharma and packaging products etc.

## TECHNOLOGY DAY AND PRESENTATION OF NATIONAL AWARDS

Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, was the Chief Guest at the National Awards function on the Technology Day 2006 held in New Delhi on 11th May 2006. He presented the National Award of Rs. 10 lakhs to Bharat Biotech International Limited, Hyderabad, and Institute of Genomics and Integrative Biology, Delhi jointly for development and commercialisation of recombinant human Epidermal Growth Factor (rhEGF) through a Public-Private Partnership under the Brand name REGEN-D- 150 for diabetic foot ulcers and REGEN-D - 60 for burns and skin grafts. These products conform to global standards of quality and have a competitive advantage of both affordability and availability to meet the requirements of the common man.

मुख्य अतिथि ने प्रत्येक एसएसआई इकाई, मैसर्स एसईसी इंडस्ट्रीज प्रा.लि., हैदराबाद और मैसर्स ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स, चेन्नई को 2 लाख रुपए और ट्राफी भी प्रदान की। मैसर्स एसईसी इंडस्ट्रीज प्रा.लि., हैदराबाद को, मिसाइलों और विमानों में प्रयोग किए जाने वाले नोजकोण हिस्से का उत्पादन करने में प्रयोग की जाने वाली स्ट्रेम फार्मिंग मशीनों को डिजाइन करने और निर्माण करने के लिए पुरस्कृत किया। यह मशीन टाईटेनियम को साधित करने में सक्षम है जो कि संसाधित करने के लिए एक बहुत ही अधिक कठिन सामग्री है तथा यह विभिन्न आकारों का उत्पादन करने में भी सक्षम है। इनके उत्पाद सिलवटों रहित, खरोंचों रहित तथा सपाट सतह के होते हैं जो कि एयरोस्पेस मानकों को सुनिश्चित करते हैं। डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया ने मैसर्स ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स, चेन्नई को, कंधा, कुहनी, कलाई, घुटना, एड़ी और श्रोणि प्रदेश के संरचनात्मक क्षेत्र में हड्डी के ट्यूमर के लिए अंग बचाव सर्जरी के बाद हड्डियों की खराबी को प्रतिस्थापित करने वाली कस्टम मेगाटीएम प्रोसेथिसिस के निर्माण के लिए भी पुरस्कृत किया।

## अन्योन्यायक्रियात्मक प्रणाली

टीडीबी से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के बारे में उद्योग, उद्यमियों, आर एंड डी संस्थानों में जागरुकता लाने हेतु इसके द्वारा अन्य संगठनों की भागीदारी से कई क्रियाकलाप किए जा रहे है, उदाहरणस्वरूप- अन्य संगठनों के सहयोग से अन्योन्यक्रियात्मक बैठकों/प्रदर्शिनियों में भागीदारी की गई है। वर्ष के दौरान टीडीबी ने अहमदाबाद, बैंगलोर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुड़गांव, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, मुंबई और नौएडा में आयोजित प्रदर्शियों में अपनी सुविधाओं का प्रदर्शन किया। टीडीबी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन विदेशों में भी बीजिंग (चीन), साओपोलो (ब्राजील), हेनोवर (जर्मनी) और मेड्रिड (स्पेन) में विभिन्न प्रदर्शिनियों में भागीदारी की।

## चिदंबरम (तमिलनाडु) में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 94वां सत्र

टीडीबी ने 3 और 7 जनवरी, 2007 के दौरान अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर चिदंबरम (तमिलनाडु) में आयोजित ''94 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस'' में एक विशाल प्रदर्शनी ''प्राइड ऑफ इंडिया'' में हिस्सा लिया तथा अन्य स्टेक होल्डरों के बीच जागरुकता लाने के लिए अपनी क्षमताओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री डा0 मनमोहन सिंह द्वारा 3 जनवरी, 2007 को किया गया था।

## बोर्ड के सदस्य

बोर्ड, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में सदस्यों के रूप में की गई बहुमूल्य सेवाओं के प्रति प्रो.आर.ए.माशेलकर, महानिदेशक, सीएसआईआर तथा सचिव, डी एस आई आर 31.12.2006 तक, श्री आदर्श किशोर, सचिव, व्यय विभाग, 31.10.2006 तक और डॉ. (श्रीमती) रेणुका विश्वनाथन, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग 31.10.2006 तक का आभार व्यक्त करता है।

The Chief Guest also presented Rs. 2 lakhs and a trophy each to the SSI units, M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad and M/s Eagle Engineering Works, Chennai. M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad was awarded for designing and manufacturing Stretch Forming Machine which is used to produce nose cone sections of missiles and aircraft. The machine is capable of handling Titanium, an extremely difficult material to process and is capable of producing wide range of sizes. The products obtained are wrinkle free, scratch free and dent free surface conforming to aerospace standards. Dr. Montek Singh Ahluwalia also gave award to M/s Eagle Engineering Works, Chennai for manufacturing Custom MegaTM Prosthesis which replaces bone defects after limb salvage for bone tumors in the anatomical area of the shoulder, elbow, wrist, knee, ankle and pelvic region.

## Interactive Mode

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, it is undertaking diverse activities e.g. interactive meetings / participation in exhibitions in collaboration with other organizations. During the year, TDB demonstrated its facilities by participating in exhibitions at Ahmedabad, Bangalore, Chandigarh, Chennai, Delhi, Gurgaon, Hyderabad, Jaipur, Kolkata, Mumbai and Noida. TDB also participated in exhibitions abroad under the Ministry of Science & Technology at Beijing (China), Sau Paulo (Brazil), Hannover (Germany) and Madrid (Spain).

## 94th Session of the Indian Science Congress at Chidambaram (TN)

TDB participated in the mega exhibition 'Pride of India' organized at the 94th Indian Science Congress held in Annamalai University, Annamalai Nagar, Chidambaram (TN) during 3rd to 7th January 2007 and showcased its capability and achievements to generate awareness among other stake holders. The exhibition was inaugurated on 3rd January 2007 by Dr. Manmohan Singh, Hon'ble Prime Minister of India.

## Board Members

The Board places on record the valuable services rendered by Dr. R.A. Mashelkar, DG, CSIR and Secretary, DSIR upto **31.12.2006**, Shri Adarsh Kishore, Secretary, Department of Expenditure upto 31.10.2006 and Dr. (Mrs.) Renuka Vishwanathan, Secretary, Department of Rural Development upto 31.10.2006 as Members of the Technology Development Board.

डॉ. एम.के.भान, सचिव, डीएसआईआर एवं महानिदेशक, सीएसआईआर (अतिरिक्त प्रभार) श्री संजीव मिश्रा, सचिव, व्यय विभाग और श्री सुबास पाणी, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग को क्रमशः 31 दिसंबर, 2006, 1 नवंबर, 2006 और 30 नवंबर, 2006 से बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

## आभार

बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को अपना आभार प्रकट करता है जिसने टीडीबी के दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए अपने अधिकारियों की सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्य मुक्त किया।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक:

(डा. टी. रामसामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिक विकास बोर्ड

Dr. M.K. Bhan, Secretary DSIR & DG, CSIR (Additional Charge), Shri Sanjiv Misra, Secretary, Department of Expenditure and Shri Subas Pani, Secretary, Department of Rural Development have been nominated as members of Board w.e.f. 31st December, 2006, 1st November, 2006 and 30th November, 2006 respectively.

## ACKNOWLEDGEMENT

The Board is grateful to the Department of Science and Technology for sparing the services of their officers in the day to day operations of TDB.

**Place: New Delhi**
**Date:**

**(Dr. T. Ramasami)**
**Chairperson**
**Technology Development Board**

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का संगठन

*(31 मार्च, 2007)*

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **डा.टी.रामासामी**<br>सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग | पदेन अध्यक्ष |
| 2. | **डा.टी.रामासामी**<br>सचिव, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग<br>(अतिरिक्त प्रभार) | पदेन सदस्य |
| 3. | **डा. एम. नटराजन**<br>सचिव, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग | पदेन सदस्य |
| 4. | **श्री संजीव मिश्रा**<br>सचिव, व्यय विभाग | पदेन सदस्य |
| 5. | **डा. अजय दुआ**<br>सचिव, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग | पदेन सदस्य |
| 6. | **श्री सुबास पाणी**<br>सचिव, ग्रामीण विकास विभाग | पदेन सदस्य |
| 7. | **श्री सुबोध भार्गव**<br>अध्यक्ष, विदेश संचार निगम लिमिटेड ( वी एस एन एल) | सदस्य |
| 8. | **श्री एन. श्रीनिवासन**<br>अध्यक्ष के सलाहकार - सी आई आई, भारतीय उद्योग परिसंघ | सदस्य |
| 9. | **डा. ( श्रीमती) किरण मजुमदार - शॉ**<br>अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, मैसर्स बायोकोन लि0 | सदस्य |
| 10. | **श्री सतीश के. कौरा,**<br>अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, मैसर्स सेमटेल कलर लि. | सदस्य |
| 11. | **श्री दिनेश चन्द शर्मा**<br>सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | पदेन सदस्य |

# COMPOSITION OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

1. **Dr. T. Ramasami** — ex-officio Chairperson
   Secretary, Department of Science & Technology
2. **Dr. T. Ramasami** — ex-officio Member
   Secretary, Department of Scientific
   & Industrial Research (Additional Charge)
3. **Dr. M. Natarajan** — ex-officio Member
   Secretary, Department of Defence Research & Development
4. **Shri Sanjiv Misra** — ex-officio Member
   Secretary, Department of Expenditure
5. **Dr Ajay Dua** — ex-officio Member
   Secretary, Department of Industrial Policy and Promotion
6. **Shri Subas Pani** — ex-officio Member
   Secretary, Department of Rural Development
7. **Shri Subodh Bhargava** — Member
   Chairman Videsh Sanchar Nigam Limited (VSNL)
8. **Shri N. Srinivasan** — Member
   Advisor to President Confederation of Indian Industries (CII)
9. **Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar Shaw** — Member
   Chairman & Managing Director, M/s Biocon Limited
10. **Shri Satish K. Kaura,** — Member
    Chairman & Managing Director, M/s Samtel Color Ltd
11. **Shri Dinesh Chand Sharma** — ex-officio Member
    Secretary, Technology Development Board

# बोर्ड के सदस्यों के फोटोग्राफ

**Dr. T. Ramasami**
**Chairperson**
डा.टी.रामासामी
अध्यक्ष

**Dr. M. Natarajan**
डा. एम. नटराजन

**Shri Sanjiv Misra**
श्री संजीव मिश्रा

**Dr Ajay Dua**
डा. अजय दुआ

**Shri Subas Pani**
श्री सुबास पाणी

# PHOTOGRAPHS OF THE BOARD MEMBERS

**Shri Subodh Bhargava**
श्री सुबोध भार्गव

**Shri N. Srinivasan**
श्री एन. श्रीनिवासन

**Dr. (Smt.) Kiran Mazumdar Shaw**
डा ( श्रीमती) किरण मजुमदार - शॉ

**Shri Satish K. Kaura**
श्री सतीश के कौरा

**Shri Dinesh Chand Sharma**
श्री दिनेश चन्द शर्मा

# प्रस्तावना

व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए विकास को प्रोन्नत करने और सभी स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण तथा आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर 1996 में प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ( टी डी वी) का गठन किया।

टी डी वी प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम 1995 के तहत सृजित प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष को शासित करता है। कोष भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम भी टी डी बी को किसी अन्य स्त्रोत से टी डी वी द्वारा प्राप्त सभी धनराशियों को कोष के खाते में डालते हुए ; कोष से प्रदान धनराशियों से की गयी वसूलियों ; और कोष की धनराशि के निवेश से किसी आय द्वारा निधि बनाने का अधिकार देता है। वित्त अधिनियम, 1999 आयकर के प्रयोजनार्थ कोष के लिए दिये गये दानों हेतु पूर्ण कटौतियों का अधिकार देता है।

भारत सरकार टी डी बी को अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 ( 1995 में यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत औद्योगिक कंपनियों से किये गये समाहरण उपकर में से निधियां मुहैया कराती है। 1996 से 2007 के वर्षों के दौरान उपकर समाहरण 1,279.16 करोड़ रूपये का हुआ था और इसी अवधि के दौरान टी डी वी ने उपकर समाहरणों में से अनुदान के रूप में 482.42 (37.71%) करोड़ रूपये प्राप्त किये थे।

टी डी वी वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता रहता है। टी डी वी को औद्योगिक कंपनियों के लिए ऋण सहायता मुहैया कराने का अधिदेश प्राप्त है। ऋण के लिए 5% प्रति वर्ष का सरल ब्याज होता है ( 13 मई, 2002 से प्रभावी)। टी डी वी प्रशासनिक, संसाधन अथवा वचनवद्धता प्रभार आवेदनों से वसूल नहीं करता। टी डी वी किश्तों में ऋण धनराशि मुहैया कराता है जो ऋण करार की शर्तों और निबन्धनों के अनुसार कार्यान्वयन - सम्बद्ध मानकों से जुड़े होते हैं। कुछ मामलों में टी डी वी निदेशक मंडल से सहायता प्राप्त औद्योगिक इकाइयों के निदेशकों को भी नामित कर सकता है। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि साधारणतया तीन वर्षों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

ऋण की मात्रा सामान्यतः स्वीकृत परियोजना लागत के 50 प्रतिशत तक सीमित है। ऋण और ब्याज को ऋणाधारों और गारंटियों के माध्यम से सुरक्षित किया जाता है।

ऋण वापसी और ब्याज भुगतान परियोजना पूरी होने के एक वर्ष के पश्चात आरंभ होता है और तत्पश्चात पूर्ण ऋण धनराशि पांच वर्षों में वसूलीयोग्य होती है। पहली किस्त के पुनः भुगतान (वापसी) तक ही संचयी ब्याज की धनराशि को तीन वर्ष की अवधि में बांट दिया जाना चाहिए।

टी डी वी स्वदेशी रूप से प्रौद्योगिकी को विकसित करने में लगे औद्योगिक कंपनियों और आर एण्ड डी संस्थानों को अनुदानों और/ अथवा ऋणों के रूप में वित्तीय सहायता मुहैया कराता है। अनुदानों की स्वीकृति का निर्णय टी डी वी बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे विशेष मामलों में ही मुहैया किया जाता है। प्राप्तकर्ताओं को इनके द्वारा प्राप्त राजस्व में से टी

# INTRODUCTION

To promote development and commercialisation of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications, the Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996.

TDB administers the Fund for Technology Development and Application, created under the Technology Development Board Act, 1995. The Fund has been receiving grants from the Government of India. The Technology Development Board Act also enables TDB to build up Fund by crediting all sums received by TDB from any other source; recoveries made of the amounts granted from the Fund; and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

The Government of India provides funds to TDB out of the Cess collections made from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986 (as amended in 1995). During the years 1996-2007, the Cess collections were Rs. 1,279.16 crore and during the same period, TDB had received Rs. 482.42 crore (37.71%) as grants out of the Cess collections.

TDB receives applications seeking financial assistance throughout the year. TDB mandate provides for loan assistance to the industrial concerns. The loan carries a simple interest of five percent per annum (w.e.f. 13th May 2002). TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants. TDB provides the loan amount in instalments that are linked to implementation associated milestones in accordance with the terms and conditions of the loan agreement. In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should not generally exceed three years.

The quantum of loan is, normally, limited up to 50 percent of the approved project cost. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees.

The refund of the loan and payment of interest commences one year after the project is completed and the full loan amount is recoverable in five years thereafter. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment may be distributed over a period of three years.

TDB may also provide financial assistance by way of grants and/or loans to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the Board of TDB and is provided in exceptional cases. The recipient may be required

डी बी को (अनुदान के समतुल्य) अथवा सहभागी एजेंसियों द्वारा किये गये निवेशों के लाभांश में से आनुपातिक रूप में बराबर के भाग का टी डी बी को भुगतान करना अपेक्षित है।

टी डी बी, किसी औद्योगिक कंपनी में इसके आरंभ होने, चलाने और/अथवा टी डी बी द्वारा अपेक्षाओं के यथा मूल्यांकित किये गये अनुसार और संवृद्धि स्तरों पर ऋण - एक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए इक्विटी पूंजी के रूप में अंशदान कर सकता है। यह स्वीकृत परियोजना का 25% तक होगा बशर्ते किया गया। प्रोत्साहकों द्वारा चुकता पूंजी से अधिक न हो। औद्योगिक कंपनी को टी डी बी द्वारा अंशदान की धनराशि के समतुल्य पर टी डी बी को अपने शेयर प्रमाण पत्र जारी करने होंगे। अंशदान पूर्व स्थितियों में यह शामिल होगा कि प्रोत्साहकों को अपने हिस्से की शेयर पूंजी का अंशदान पूर्ण रूप से कर दिया जाना चाहिए और चुकता कर देना चाहिए। प्रोत्साहकों को टी डी बी से अपने शेयरों की वचनबद्धता करनी होगी। टी डी बी को अधिकार होगा कि ऐसी कंपनियों के निदेशकों को निदेशक मंडल में नामित कर सकती है। टी डी बी (इक्विटी पूंजी) विनियमनों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परियोजना पूरी हो जाने के तीन वर्षों के पश्चात अथवा अंशदान की तिथि से पांच वर्षों के पश्चात कंपनी में अपनी शेयर होल्डिंग्स को समाप्त कर सकती है। तथापि शेयरों को वापस लेने का पहला विकल्प प्रोत्साहकों के पास रहेगा।

टी डी बी, औद्योगिक कंपनियों के विद्यमान ऋण अथवा इक्विटी, ऐसा निधिकरण जो उन्होंने अन्य संस्थानों से प्राप्त किया है, के प्रतिस्थापन पर विचार नहीं करता।

वर्ष 2006 - 07 के दौरान बोर्ड की दो बैठकें हुई अर्थात 26 जुलाई, 2006 को (36वीं) 19 फरवरी, 2007 को (37 वीं)।

बोर्ड प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में सदस्यों के रूप में की गई बहुमूल्य सेवाओं के प्रति श्री आर.ए.मशेलकर, महानिदेशक, सीएसआईआर, एवं सचिव, डी.एस.आई.आर. श्री आदर्श किशोर, सचिव, क्रय विभाग और डॉ (श्रीमती) रेणुका विश्वनाथन, सचिव, ग्रामीण विकास विभाग का आभार प्रकट करता है।

to pay TDB (equivalent to grant) royalty received by it or share the profit with TDB proportionate to the investments made by participating agencies.

TDB may subscribe by way of equity capital in an industrial concern (incorporated under the Companies Act, 1956), on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB and keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of TDB. It is up to 25 percent of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters. The industrial concern is to issue, at par, its share certificates to TDB equivalent to the amount subscribed by TDB. The pre-subscription conditions include that the promoters should have subscribed and fully paid up their portion of the share capital. The promoters shall pledge their shares to TDB of a value equal to the equity subscription by TDB. TDB has a right to have nominee director(s) on the Board of Directors of such companies. TDB, in its discretion, may divest its shareholdings in the company after three years of completion of the project or after five years from the date of subscription in accordance with the procedure prescribed in the TDB (equity capital) Regulations. However, the first option to buy back the shares is given to the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

During the year 2006-07, the Board held 2 meetings i.e. on 26th July, 2006, (36th) and on 19th February, 2007 (37th).

The Board places on record the valuable services rendered by Dr. R.A. Mashelkar, DG, CSIR and Secretary, DSIR, Shri Adarsh Kishore, Secretary, Department of Expenditure and Dr. (Mrs.) Renuka Vishwanathan, Secretary, Department of Rural Development as Members of the Technology Development Board.

# 2006-07 में परियोजनाएँ और उत्पाद

## 2006 - 07 में स्वीकृतियां

वर्ष 2006-07 के दौरान टी डी बी ने 14 औद्योगिक कम्पनियों और उद्यम निवेश कंपनी के साथ 15 करारों पर हस्ताक्षर किए। 14 औद्योगिक कंपनियों के साथ टी डी बी 39.11 करोड़ रूपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में 113.82 करोड़ रूपये के ऋण मुहैया करने पर राजी हुआ है। इसके अतिरिक्त टी डी बी एक उद्यम निधि को 60 करोड़ रूपये के लिवरेजिंग के लिए 15 करोड़ रुपये के लिए बचनबद्ध है।

## 2006-07 में संवितरण

वर्ष 2006-07 के दौरान टी डी बी ने चालू और नयी परियोजनाओं के लिए 74.98 करोड़ रूपये की धनराशि संवितरित की है। इसमें 54.34 करोड़ रूपये ऋण के रूप में 1.86 करोड़ रूपये अनुदान के रूप में और 18.78 करोड़ रूपये यूटीआईवीएफ, एपीआईडीसी-बीसीएल और वेंचर ईस्ट टीनेट फंड-II को प्रारंभिक चरणों में निवेश के साथ ही साथ उनके वेंचर फंड के माध्यम से संवृद्धि उन्मुख परियोजनाओं के रूप में शामिल है।

## क्षेत्र- वार विस्तार

टी डी बी, सभी क्षेत्रों में प्रमुख सक्षमता विकसित करने के लिए प्रौद्योगिकी को कुंजी के रूप में पूर्ण रूप से मान्यता देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को सहायता प्रदान कर रहा है। नीचे दी गयी तालिका में 2006-2007 के दौरान टी डी बी द्वारा सम्पन्न किये गये करारों के विस्तार का क्षेत्र - वार उल्लेख किया गया है।

क्षेत्र - वार विस्तार (करोड़ रू. में)

| क्रं. सं. | क्षेत्र | करारों की संख्या | कुल लागत | टी डी बी द्वारा स्वीकृति |
|---|---|---|---|---|
| 1. | स्वास्थ्य और चिकित्सा | 03 | 24.11 | 8.72 |
| 2. | इंजीनियरी | 01 | 7.98 | 2.70 |
| 3. | केमिकल्स | 01 | 14.76 | 4.90 |
| 4. | कृषि | 01 | 13.00 | 4.50 |
| 5. | रक्षा एवं नागर विमानन | 01 | 8.00 | 2.20 |
| 6. | सूचना प्रौद्योगिकी | 05 | 35.59 | 12.41 |
| 7. | दूर संचार | 02 | 10.38 | 3.68 |
| 8. | अन्य एजेंसियां | 01 | 60.00 | 15.00 |
| | **कुल** | **15** | **173.82** | **54.11** |

# PROJECTS AND PRODUCTS IN 2006-07

## SANCTIONS IN 2006-07

During the year 2006-07, TDB signed 15 agreements with 14 industrial concerns and 1 with Venture Capital Company. For the 14 industrial concerns, TDB agreed to provide loan of Rs. 39.11 crore as against the total project cost of Rs.113.82 crore. Further, TDB committed Rs.15 crore for one venture fund for leveraging Rs. 60 crore.

## DISBURSEMENTS IN 2006-07

During the year 2006-07, TDB disbursed a sum of Rs. 74.98 crore towards on-going and new projects. This amount includes Rs. 54.34 crore towards loan, Rs. 1.86 crore towards grant and Rs. 18.78 crore to UTIVF, APIDC-VCL and Venture East TeNet Fund II for investment in early stage as well as growth oriented projects through their venture funds.

## SECTOR-WISE COVERAGE

TDB had been providing support to projects in various sectors fully recognizing that technology is the key to develop core competency in all sectors. The table below indicates sector-wise coverage of the agreements concluded by TDB during 2006-07.

**Sector-wise Coverage** (Rupees in crore)

| Sr. No. | Sector | Number of Agreements | Total cost | TDB's commitment |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Health & Medical | 03 | 24.11 | 8.72 |
| 2. | Engineering | 01 | 7.98 | 2.70 |
| 3. | Chemical | 01 | 14.76 | 4.90 |
| 4. | Agriculture | 01 | 13.00 | 4.50 |
| 5. | Defence & Civil Aviation | 01 | 8.00 | 2.20 |
| 6. | Information Technology | 05 | 35.59 | 12.41 |
| 7. | Telecommunication | 02 | 10.38 | 3.68 |
| 8. | Other Agencies | 01 | 60.00 | 15.00 |
| **9.** | **Total** | **15** | **173.82** | **54.11** |

## प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता

प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए औद्योगिक कंपनी को वित्तीय सहायता इस तथ्य पर ध्यान दिये बिना मुहैय्या कराई जाती है कि प्रौद्योगिकी, राष्ट्रीय संस्थान द्वारा अथवा उद्योग की यूनिट में आन्तरिक रूप में विकसित की गयी है। सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं के मामले में प्रौद्योगिकी सामान्य रूप में औद्योगिक कंपनी द्वारा विकसित की गयी हो। वर्ष 2006 - 07 के दौरान हस्ताक्षरित करारों के संबंध में प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ताओं का उल्लेख निम्नलिखित सारणी में है:-

प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता (करोड़ रू. में)

| प्रौद्योगिकी प्रदानकर्ता | संख्या | कुल लागत | टी डी बी द्वारा स्वीकृति |
|---|---|---|---|
| राष्ट्रीय प्रयोशालाएं | 03 | 24.52 | 8.47 |
| आन्तरिक आर एण्ड डी यूनिटें | 11 | 89.30 | 30.64 |
| वेंचर कैपिटल फंड | 01 | 60.00 | 15.00 |
| **योग** | **15** | **173.82** | **54.11** |

## करारों का राज्यवार वितरण

नीचे की सारणी में टीडीबी द्वारा वर्ष 2006-07 के दौरान हस्ताक्षरित 15 करारों को दर्शाया गया है।

करारों का राज्यवार वितरण (करोड़ रू. में)

| क्रं. सं. | राज्य/संघ राज्य क्षेत्र | करारों की संख्या | कुल लागत | टी डी बी द्वारा स्वीकृति |
|---|---|---|---|---|
| 1. | आंध्र पदेश | 04 | 34.98 | 14.50 |
| 2. | कर्नाटक | 02 | 4.20 | 2.26 |
| 3. | महाराष्ट्र | 04 | 46.09 | 14.65 |
| 4. | तमिलनाडु | 03 | 22.28 | 6.07 |
| 5. | पश्चिम बंगाल | 01 | 6.27 | 1.63 |
| 6. | उद्यम निधि | 05 | 35.59 | 12.41 |
| | **कुल** | **15** | **173.82** | **54.11** |

## वर्ष 2006-2007 में सम्पन्न करार

वर्ष 2006-2007 के दौरान टी.डी.बी ने 15 करार सम्पन्न किए जिसमे दो पूरक करार शामिल है ब्योरे इस प्रकार है :-

1. **ओमनीएक्टिहैल्थ टैक्नोलॉजीज प्राइवेट लि0, मुम्बई**

मै0 ओमनीएक्टिहैल्थ टैक्नोलॉजीज प्राइवेट लि0, मुम्बई को गेंदे के फूलों से ल्यूटिन उत्पादों के निष्कर्षण और केप्सुल

## TECHNOLOGY PROVIDERS

TDB provides financial assistance to industrial concerns for commercialisation of technologies irrespective of the fact whether the technology has been developed by the national institution or in-house R&D unit in the industry. In the case of projects pertaining to Information Technology, the technology may generally be developed by the industrial concern themselves. The technology providers in respect of agreements signed during the year 2006-07 are indicated in the following table:

**Technology Providers** (Rupees in crore)

| Technology Providers | Number | Total cost | Sanctioned by TDB |
|---|---|---|---|
| National laboratories | 03 | 24.52 | 8.47 |
| In-house R&D units | 11 | 89.30 | 30.64 |
| Venture Capital Fund | 1 | 60.00 | 15.00 |
| **Total** | **15** | **173.82** | **54.11** |

## STATE-WISE DISTRIBUTION OF AGREEMENTS

The table below indicates State-wise distribution of the 15 agreements signed by TDB during 2006-07.

**State-wise Distribution of Agreements** (Rupees in crore)

| Sr. No. | State/Union Territory | Number of Agreements | Total cost | TDB's commitment |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Andhra Pradesh | 04 | 34.98 | 14.50 |
| 2. | Karnataka | 02 | 4.20 | 2.26 |
| 3. | Maharashtra | 04 | 46.09 | 14.65 |
| 4. | Tamil Nadu | 03 | 22.28 | 6.07 |
| 5. | West Bengal | 01 | 6.27 | 1.63 |
| 6. | Venture Fund | 01 | 60.00 | 15.00 |
| | **Total** | **15** | **173.82** | **54.11** |

## AGREEMENTS CONCLUDED IN 2006-07

During the year TDB concluded 15 agreements including two supplementary agreements; the details are given below:-

### 1. OmniActive Health Technologies Pvt. Ltd., Mumbai

M/s OmniActive Health Technologies Private Ltd., Mumbai, was provided financial assistance

में भरने के लिए स्वदेशी विकसित तकनीक के वाणिज्यीकरण के लिए टी.डी.बी से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई। ल्यूटिन जो इन्सानों में विटामिन ए का एक प्रमुख आहारीय स्रोत है आँख, ब्लड सिरम,त्वचा और कार्डियोवासकुलर स्वास्थ्य पर लाभकारी और संरक्षात्मक प्रभावों वाला एक महत्वपूर्ण आहारीय-पोषक है। ओमन्नी एक्टिव ने अपने स्वंय के ब्रांड नाम के तहत बडे पैमाने पर ल्यूटिन का निर्माण करना आरम्भ किया और बाजार विकसित करने के लिए कुछ विदेशी ग्राहकों को आपूर्ति की है। कंपनी ने तकनीक और उत्पाद के लिए अमरीकी पेटेंट प्राप्त कर लिया है।

प्रोफेसर वी.एस.रामामूर्ति अध्यक्ष टी.डी.बी (दांए से तीसरे) के समक्ष श्री संजय मारीवाला, प्रबंध निदेशक, ओमनी एक्टिव हैल्थ टैक्नोलॉजीज प्राइवेट लि0, मुम्बई, द्वारा हस्ताक्षर किए गए

परियोजना की कुछ लागत 1300 लाख रू0 है। कंपनी ने 13 अप्रैल,2006 को टी.डी.बी के साथ ऋण करार पर हस्ताक्षर किए जिसके अन्तर्गत टी.डी.बी 450 लाख रू0 की ऋण सहायता उपलब्ध कराने को सहमत हो गई है। परियोजना मार्च 2007 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है।

## 2. सॉलिक्स टैक्नोलॉजीस लिमिटेड, मुम्बई

मै0 सॉलिक्स टैक्नोलॉजीस लि0, मुम्बई ने सॉलिक्स आकाइवजिनी इनफारमेशन लाइफ साइकल मेनेजमेंट



श्री साई गुंडावेल्ली, प्रमुख कार्यकारी अधिकारी, सॉलिक्स टैक्नोलॉजीज लिमिटेड, मुम्बई के साथ ऋण करार का आदान-प्रदान

from TDB for commercialization of in-house developed technology for extraction and encapsulation of Lutein products from marigold flowers. Lutein, a main dietary source of vitamin A in humans, is an important dietary nutrient with beneficial and protective effects on eye, blood serum, skin and cardiovascular health. Omni Active started manufacturing Lutein at pilot scale under its own brand name Lutemax and is supplying to certain overseas customers to develop the market. The company has obtained US patent for the technology and the product.

Professor V.S. Ramamurthy, Chairperson, TDB (3rd from right) witnessing the signing of the agreement by Shri Sanjay Mariwala, Managing Director, Omni Active Health Technologies Private Ltd., Mumbai

The total cost of the project is Rs.1300 lakhs. The company signed the loan agreement with TDB on 13th April, 2006 under which TDB had agreed to provide a loan assistance of Rs. 450 lakhs. The project has been completed successfully in March 2007.

**2. Solix Technologies Limited, Mumbai**

M/s Solix Technologies Limited, Mumbai had approached TDB seeking loan assistance for

Exchanging the loan agreement with Shri Sai Gundavelli, Chief Executive Officer, Solix Technologies Limited, Mumbai

सॉफटवेयर के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए टी.डी.बी से प्रस्ताव किया है।

कंपनी ने डाटा प्राप्त करने की एक अनूठी पद्धति विकसित की है, जिसे आकाइवजिनी नाम दिया गया है। इसमें समावेशन,एंटरप्राइसेस एप्लीकेशन, ई-मेल और दस्तावेजों, सैप, पीपल सॉफट, ओरेकल और कस्टमाइज्ड सॉल्यूशन्स जैसे पेकेजों के लिए अनुप्रयोग का व्यापक क्षेत्र शामिल है। यह ई.आर.पी अनुप्रयोग पैकेजों की व्यापक श्रेणी के लिए सभी डाटा खंडो, अनुप्रयोग, ई-मेल दस्तावेज से हटकर प्रबंधक डाटा के लिए एकीकरण और व्यापक वैब आधारित समाधान प्रस्तुत करता है।

परियोजना की कुल लागत 1495 लाख रु0 है। टी.डी.बी 3 मई 2006 को हस्ताक्षरित करार के तहत 495 लाख रु0 की ऋण सहायता उपलब्ध कराने को सहमत हुआ है। परियोजना 31 मार्च 2008 तक पूर्ण होनी है।

**3. विमतालैब्स लिमिटेड हैदराबाद**

मैं0 विमता लैब्स लि0, हैदराबाद में एस.पी. बायोअक पार्क में संविदा अनुसंधान और जाँच में ट्रेस विश्लेषण प्रयोगशाला के लिए उपकरणों की स्थापना के लिए ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। कंपनी संविदा अनुसंधान और जाँच सेवाओं में संलग्न है और आई.एस.ओ/आई.ई.सी 17025 मानकों जी.एल. पी. (गुड लेबोरेट्री प्रेक्टिस) और जी.सी.पी (गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस) के अनुसरण में खाध, भेषज, बायोटेक और अन्य उद्योगों तथा विनियामक ऐजेंसियों को सेवाएँ उपलब्ध करा रही है। ये सेवाएं भारत और विदेश में बाजार लीडरों को स्वतंत्र तीसरी पार्टी संगठन के रूप में प्रस्तुत की जा रही है।

कंपनी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव वाणिज्यिक इंटरप्राइसेज की वित्त व्यवस्था की श्रेणी में आते हैं जिसके लिए तकनीकी आधारित उत्पाद अथवा सेवा के विकास और आवेदन के लिए टी. डी. बी से सहायता की आवश्यकता है।

कंपनी ने 485 लाख रु0 की ऋण सहायता के लिए टी. बी. डी के साथ 5 जून 2006 को एक ऋण करार पर हस्ताक्षर

Development and Commercialization of SOLIX ARCHIVEjinni Information Life Cycle Management Software.

The company has developed a unique method of archiving data, which is named as ARCHIVEjinni. It covers wide area of applications for incorporation, enterprises applications, e-mail and documents, packages such as SAP, People Soft, Oracle and also customized solutions. It offers integrated and comprehensive web based solution for managing data across all data segments (Applications, E-mail, Documents) for wide range of ERP / Applications packages.

The total cost of the project is Rs. 1495 lakhs. TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 495 lakhs under an agreement signed on 3rd May 2006. The project is due for completion by 31st March 2008.

### 3. Vimta Labs Limited, Hyderabad

M/s Vimta Labs Limited, Hyderabad submitted an application, seeking loan assistance for setting up facility for Trace Analysis Laboratory in Contract Research and Testing at S.P. Biotech Park in Hyderabad. The company is engaged in contract research and testing services and provides services to food, pharma, biotech and other industries and regulatory agencies in accordance with ISO / IEC 17025 standards, GLP (Good Laboratory Practice) and GCP (Good Clinical Practice). The services are offered as an independent third party organization to market leaders in India and abroad.

The proposal submitted by the company falls under the category of funding to commercial enterprises which seek assistance from TDB for the development and application of technology based product or service.

The company signed a loan agreement on 5th June 2006 with TDB for a loan assistance of Rs.

किए हैं। परियोजना की कुल लागत 982.60 लाख रू0 है। परियोजना अक्टूबर 2006 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है।

**4. मैक कंट्रोल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बूटर**

मै0 मैक कंट्रोल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कोयम्बूटर को सिविल तथा डिफैंस एवीएशन क्षेत्रों में प्रयुक्त आग्जीलरी पावर यूनिटस (ए.पी.यू) एयरक्राफ्ट कार्गो लोडर्स (ए. सी. एल) और एयर कंडीशनर यूनिट्स (ए.सी.यू) के डिजाइन, विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी. डी. बी से ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई थी। कंपनी द्वारा विकसित एपीयू, ए. सी. एल, ए. सी. यू प्रोटोटाइप यूनिटों को रक्षा मंत्रालय और निजी एयरलाइनो द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।

युद्ध कार्यों के लिए डिजाइन की गई आग्जीलरी पावर यूनिट का इस्तेमाल ट्रक प्रचालन के लिए भी किया जा सकता है जिसकी काफी मांग है। कंपनी द्वारा विकसित एयरकार्गो लोडर जहाज के काफी भीतर पेलेट लोड करने के लिए विभिन्न प्रकार/आकार के हवाई जहाजों की जरूरतो को पूरा करते हैं। एयर कंडीशनर यूनिटों को हवाई जहाजों सहित स्थिर वाहनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया जाता है।

कंपनी ने 28 जून 2006 को एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत टी.डी.बी 220 लाख रू0 की ऋण सहायता उपलब्ध कराने को सहमत हो गई है। परियोजना की कुल लागत 800.10 लाख रू0 है। परियोजना 31 जनवरी 2008 तक पूर्ण होनी है।

**5. सेलेस्टियल लैब्स लि0 हैदराबाद**

मै0 सेलेस्टियल लैब्स लि0, हैदराबाद को इमटैक चंडीगढ द्वारा विकसित निमग्न किण्वन परिस्थितियों के अंतर्गत दो इन्जाइमों के उत्पादन के लिए रिकाम्बीनेंट डी. एन. ए तकनीक का प्रयोग करके अल्फा अमीलेस अल्केलाइन प्रोटीज इन्जाइमों के वाणिज्यीकरण के लिए सुविधाएं स्थापित करने के लिए टी. डी. बी द्वारा ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई है। इमटैक ने प्रौद्योगिकी की कार्यशैली विकसित की है और उसका प्रदर्शन किया है। ए-एमीलेस और अल्केलाइन प्रोटीज के विनिर्माण के लिए जरूरी बैक्टीरियल स्ट्रेन इमटैक द्वारा उपलब्ध कराए जाएगें।

कंपनी ने 27 जुलाई 2006 को एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत टी.डी.बी 490 लाख रू0 की ऋण सहायता उपलब्ध कराने को सहमत हो गई है। परियोजना की कुल लागत 1476 लाख रू0 है। परियोजना 31 अगस्त 2007 तक पूर्ण होनी है।

**6. माइक्रोट्रॉल स्टरलाइजेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई**

मै0 माइक्रोट्रॉल स्टरलाइजेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई ने डिस्ट्रिक्ट बैंगलोर रूरल, कर्नाटक में बैच इराडिएशन गामा स्टरलाइजेशन परियोजना की स्थापना के लिए टी.डी.बी से ऋण सहायता मांगी है।

बैच इराडिएशन गामा रे स्टरलाइजेशन (जी आर एस) सुविधा देश में पहली बार स्थापित की जा रही है। यह बहु-उद्देश्यीय जी.आर.एस सुविधा डिजाइन और संरचना में पूर्णतः देशीय है। इस उत्पाद को तत्काल परिवर्तित करने के लिए

485 lakhs. The total cost of the project is Rs. 982.60 lakhs. The project has been completed successfully in October 2006.

### 4. Mak Control Systems Private Limited, Coimbatore

M/s Mak Control Systems Private Limited, Coimbatore was provided loan assistance from TDB for "Design, Development and Commercialisation of Auxiliary Power Units (APU), Aircraft Cargo Loaders (ACL) and Air Conditioner Units (ACU)" used in civil and defence aviation sectors. The APU, ACL, ACU prototype units developed by the company have been approved by Ministry of Defence and private airlines.

The Auxiliary Power Unit, designed for battle tasks can also be used for truck operation which has good demand. The air cargo loaders developed by company meets the requirement of various types / sizes of airplanes for loading pellets deep inside the plane. The air conditioner units are designed to cater to meet requirement for stationery vehicles including airplanes.

The company signed a loan agreement on 28th June 2006 under which TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 220 lakhs. The total cost of the project is Rs. 800.10 lakhs. The project is due for completion by 31st January 2008.

### 5. Celestial Labs Limited, Hyderabad

M/s Celestial Labs Limited, Hyderabad, has been provided loan assistance by TDB for setting up facilities for commercialisation of Alpha Amylase, Alkaline Protease Enzymes using a recombinant DNA technology for the production of two enzymes under submerged fermentation conditions, developed by IMTECH, Chandigarh. IMTECH has developed and demonstrated the know-how of the technology. The bacterial strains needed for the manufacturing of α-Amylase and Alkaline Protease will be sourced from IMTECH.

The company signed a loan agreement on 27th July, 2006 under which TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs. 490 lakhs. The total cost of the project is Rs. 1476 lakhs. The project is due for completion by 31st August, 2007.

### 6. Microtrol Sterilization Services Private Limited, Mumbai

M/s Microtrol Sterilization Services Private Limited, Mumbai approached for loan assistance from TDB for setting up a Batch Irradiation Gamma Sterilization project at District Bangalore Rural, Karnataka.

Batch Irradiation "Gamma Ray Sterilization" (GRS) facility is being setup for the first time in the country. This multi purpose GRS facility is completely indigenous in design and fabrication. It has

ओवर हैड कन्वेयर्स का प्रयोग करने के बजाय नवोनमेष बैच इराडिएशन सिस्टम का प्रयोग करते हुए तत्काल घूमने तथा संसाधनों में लचीलेपन को प्राप्त करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। कंपनी का उददेश्य खाद्य स्वास्थ्य भेषज और पैकेजिंग उत्पाद आदि का प्रबंध करने का है और वह अपने बैच इराडिएशन सिस्टम में कम समय में विभिन्न उत्पाद बनाने की उम्मीद कर रही है। बोर्ड ऑफ रेडिएशन एंड आइसोटोप टैक्नोलौजी (बी.आर.आई.टी.) द्वारा स्रोत कोबाल्ट -60 उपलब्ध कराया गया है।

टी डी बी ने 11 अगस्त 2006 को कंपनी के साथ हस्ताक्षरित एक ऋण करार के तहत 798.07 लाख रू० की कुल परियोजना लागत में से 270 लाख रू० की राशि उपलब्ध कराई है। परियोजना मार्च 2007 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है।

### 7. ऑरिऑन टैली' इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता

मै0 ऑरिऑन टैली' इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता ने मल्टी' सर्विस प्रोविजनिंग प्लेटफार्म (एम.एस.वी.पी.) की एस.डी.एच (सिक्रोनस डिजिटल हाईरकी) फैमिली के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए एक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए है। एस.डी.एच मल्टीप्लेक्सेज का इस्तेमाल रिमोट लाइन यूनिटो और डिजिटल लूप केरियर (डी.एल.सी.) आदि जैसे पहुँच उपकरणो के साथ टेलिफोन एक्सचेंज को अन्य एक्सचेंजों से अंतसंयोजित करने के लिए एक एकल आप्टीकल फाइबर पर बड़ी संख्या में टेलिफोन और डाटा सिग्नलो के परिवहन के लिए किया जाता है। टी.डी.बी. द्वारा 28 मार्च 2005 को किए गए एक ऋण करार के अंतर्गत 855 लाख रू० की कुल परियोजना लागत में से 317 लाख रू० का ऋण प्रदान करने को सहमत हो गई है।

कंपनी बी.एस.एन.एल और एमटी.एन.एल को उत्पाद बेचने के लिए टेलिकॉम इंजीनियरिंग सेंटर (टी ई सी) द्वारा प्रकाशित विनिर्देशनों के अनुसार उत्पादों का विकास कर रही है क्योंकि ये पी.एस.यू.टी.ई.सी द्वारा जारी विनिर्देशनों का पालन करते हैं। परियोजना दिसम्बर 2005 अर्थात नियत तारीख तक पूर्ण नही हो सकी क्योकि टी.ई.सी ने सिक्रोनस ट्रांसफर मॉडयूल्स (एस.टी.एम) के लिए जुलाई 2005 में नए विनिर्देशन प्रकाशित कर दिए थे। कंपनी ने अद्यतन टी.ई.सी विनिर्देशनों को पूरा करने के लिए परियोजना में शामिल विभिन्न उत्पादों का विकास किया।

been designed with the objective of achieving quick turn around and flexibility of processing using, an innovative Batch Irradiation System for the facility instead of the use of overhead conveyers which allow the product to be changed quickly. The company aims to cater to the food, medical, pharma and packaging products etc. and expect to process different products with low downtime in its Batch Irradiation Plant. The source Cobalt-60 has been provided by Board of Radiation and Isotope Technology (BRIT).

TDB has provided a sum of Rs. 270 lakhs out of the total project cost of Rs. 798.07 lakhs under a loan agreement signed with the company on 11th August 2006. The project is due for completion in Sept. 2007.

## 7. Orion Tele-Equipments Private Limited, Kolkata

M/s Orion Tele-Equipments Private Limited, Kolkata had signed a loan agreement for the Development and Commercialization of SDH (Synchronous Digital Hierarchy) family of multi-service provisioning platforms (MSPP). SDH multiplexes are used for transporting a large number of telephone as well as data signals over a single optical fiber to interconnect telephone exchanges with other exchanges and with access equipments such as Remote Line Units and Digital Loop Carrier (DLC) etc. TDB had agreed to provide a loan of Rs. 317 lakhs, against the total project cost of Rs. 855 lakhs, under a loan agreement signed on 28th March, 2005.

The company had been developing the products as per the specifications published by Telecom Engineering Centre (TEC) to sell the products to BSNL and MTNL as these PSUs follow the specifications issued by TEC. The project could not be completed in December 2005 i.e. on due date, as TEC published new specifications in July 2005 for Synchronous Transfer Modules (STMs). The company undertook the development of different products envisaged under project to meet the latest TEC specifications.

टी.ई.सी द्वारा नए विनिर्देशनों के मद्देनजर परियोजना लागत 855 लाख रू0 से बढ़कर 1482 लाख रू0 हो गई। परियोजना को पूर्ण करने की अवधि 28 फरवरी 2007 तक संशोधित कर दी गई । टी डी बी ने 167 लाख रू0 का अतिरिक्त ऋण स्वीकृत किया और 17 अगस्त 2006 को करार पर हस्ताक्षर किए । इस प्रकार टी.डी.बी की ऋण राशि कुल मिलाकर 480 लाख रू0 हो गई है । परियोजना मार्च, 2007 में थार एस.डी.एच फैमिली अगली पीढ़ी आप्टीकल संचारण उत्पाद अर्थात एस.टी.एम-1 एस.टी.एम-1-एसी एस.टी.एम-4 और एस.टी.एम-16 पेश करके सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई ।

### 8. जेनेवा सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजीज लिमिटेड (जी.एस.टी.एल) बैंगलौर

मै0 जेनेवा सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजीज लिमिटेड, बैंगलौर को प्राकृतिक आपदा सूचना प्रणाली (एन.डी.आई.एस) संबंधी पायलेट परियोजना के लिए टी.डी.बी द्वारा 310 लाख रू0 का अनुदान उपलब्ध कराया गया था। कंपनी ने 14 अक्टूबर 2005 को करार पर हस्ताक्षर किए। एन.डी.आई.एस विश्व में अपनी तरह का पहला उत्पाद है जो क्षेत्रीय भाषाओं में चेतावनी सिग्नल भेजता है। परियोजना जनता के लाभ के लिए है और इसके प्रयोग की सफलता प्रभावी सार्वजनिक-निजी भागीदारी में है।

एन.डी.आई.एस मौजूदा पद्धति में 3 प्रकार की चेतावनी प्रणाली लगाकर क्षेत्रीय भाषाओं में चेतावनी सिग्नल भेजने का एक तंत्र है। परियोजना भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी) भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल) तमिलनाडु टेलिकॉम सर्कल (टी.टी.सी) चैन्नई तथा तकनीकी विकास बोर्ड (टी.डी.बी) के निकट सहयोग और निगरानी में जी.एस.टी.एल द्वारा कार्यान्वित की गई थी। पायलेट परियोजना का राष्ट्रीय महत्व और सामाजिक प्रासंगिकता है और इसलिए इसे टी.डी.बी द्वारा अनुदान के माध्यम से आंशिक रूप से वित्त पोषित किया गया।

यह उत्पाद सार्वजनिक स्वीकृति/सराहना प्राप्त करने के लिए श्री कपिल सिब्बल, माननीय केन्द्रीय मंत्री, विज्ञान एंव तकनीकी तथा महासागर विकास द्वारा 13 फरवरी 2006 को आरम्भ किया गया था।

उच्च सॉफ्टवेयर विकास लागत, प्रणाली कार्यान्वयन संबंधी व्यय और सार्वजनिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए व्यय के कारण इसकी लागत 165.64 लाख रू0 तक बढ़ गई।

परियोजना की सामाजिक प्रासंगिकता और सफलतापूर्वक पूर्णता के मद्देनजर टी.डी.बी ने 125.70 लाख रू0 की अतिरिक्त सहायता अनुमोदित की जिससे कुल सहायता 518.70 लाख रू0 की परियोजना लागत में से 435.70 लाख रू0 हो गई ।

टी.डी.बी ने 25 अगस्त 2006 को कंपनी के साथ पूरक ऋण करार पर हस्ताक्षर किए हैं। परियोजना समय पर अर्थात 31 मार्च 2006 को पूर्ण कर ली गई।

### 9. एस.आई.डी.डी.लाइफ सांइसेज प्राइवेट लिमिटेड, राईमलाईनगर, तमिलनाडु

मै0 एस.आई.डी.डी लाइफ सांइसेज प्राइवेट लिमिटेड मराईमलाईनगर, बैंगलोर को श्री चित्रा तिरूनाल इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल सांइस एंड टैक्नोलॉजी (एस.सी.टी.आई.एम.एस.टी) पूजापुरा, त्रिवेंद्रम के साथ संयुक्त रूप से विकसित प्रौधोगिकी पर आधारित हृदय सर्जरी के लिए सैंट्रिफ्युगल पंप के विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी.डी.बी द्वारा सहायता दी जा रही है।

In view of the new specifications by TEC, the project cost increased from Rs. 855 lakhs to Rs. 1482 lakhs. The project completion was revised to 28th February, 2007. TDB sanctioned additional loan of Rs. 167 lakhs and signed agreement on 17th August 2006. Thus, TDB's loan amount aggregates to Rs. 480 lakhs. The project has been completed successfully in March 2007 by bringing out four SDH family next generation optical transmission products viz. STM-1, STM-1-AC, STM-4 and STM-16.

### 8. Geneva Software Technologies Limited (GSTL), Bangalore

M/s Geneva Software Technologies Limited, Bangalore, was provided grant of Rs. 310 lakhs by TDB for the pilot project on "Natural Disaster Information System (NDIS)". The company signed the agreement on 14th October 2005. NDIS is the first of its kind product in the world to send warning signals in regional languages. The project is for benefit of masses and the success of its application lies in the effective public-private partnership.

NDIS is a mechanism of sending warning signals in regional languages employing 3 types of alert system in addition to the existing methods. The project was implemented by GSTL in close association and supervision / monitoring by India Meteorology Department (IMD), Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL), Tamil Nadu Telecom Circle (TTC), Chennai and Technology Development Board (TDB). The pilot project had national importance and societal relevance and hence was partly financed by way of grant by TDB.

The product was launched on Feb. 13, 2006 by Shri Kapil Sibal, Hon'ble Union Minister for Science & Technology and Ocean Development for securing public acceptance / appreciation.

There was cost overrun of Rs. 165.54 lakhs due to high software development cost, expenditure on implementing system and launch expenses for generating public awareness.

In view of societal relevance and successful completion of project, TDB sanctioned additional assistance of Rs. 125.70 lakhs taking total assistance to Rs. 435.70 lakhs out of project cost of Rs. 518.70 lakhs.

TDB signed the supplementary loan agreement with the company on 25th August, 2006. Project has been completed in time i.e. on 31st March, 2006.

### 9. SIDD Life Sciences Private Limited, Maraimalainagar, Tamilnadu

M/s SIDD Life Sciences Private Limited, Maraimalainagar, Bangalore, is being supported by TDB for "Development and Commercialization of Centrifugal Pump for Cardiac Surgery" based on technology developed jointly with Sree Chitra Tirunal Institute of Medical Science & Technology (SCTIMST), Poojapura, Trivandrum.

एस.सी.टी.आई.एम.एस.टी ने अतिरिक्त शारीरिक अनुप्रयोग विशेषकर हृदय सर्जरी के लिए प्रयोग में आने वाले पम्प के लिए डी.एस.टी द्वारा प्रायोजित आर.एंड.डी परियोजना के अंतर्गत अपकेन्द्री रक्त पम्प के प्रोटोटाइप कार्यकारी मॉडल को डिजाइन, विकसित किया और जांचा है। कंपनी द्वारा विकसित पम्प दबाव संवेदी है और पम्प अवरोध के मामले मे भी ट्यूब फटने को रोकने में सक्षम है। इसके अतिरिक्त, यह ऐसी वायु को पम्प नही करता है जो कि असावधानी से सर्किट मे प्रविष्ट हो सकती है। इन्हीं फायदों के कारण यह अपने आप में अनूठा है।

पीईसी ने एसआईडीडी लाइफ साइंसेज प्रा लि० चैनई का दौरा किया

टी.डी.बी 178.40 लाख रू0 की कुल लागत में 87 लाख रू0 की ऋण सहायता उपलब्ध कराने को सहमत हो गई है। कंपनी ने 25 सितम्बर 2006 को ऋण करार पर हस्ताक्षर किए और परियोजना जून 2008 तक पूर्ण हो जाएगी।

## 10. टेलिओन्टो टैक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

मै0 टेलिओन्टो टैक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, (टेलिओन्टो),हैदराबाद टैलिकॉम उद्योग में अनुभव वाली प्रथम उत्पादन तकनीकी द्वारा समर्थित प्रारंभिक कंपनी ने टेलिकॉम विश्लेषक सेवाओं जैसे राजस्व प्रत्याभूति विश्लेषण, रेडियो संसाधन विश्लेषक विश्लेषण और विपणन आसूचना के लिए ए.पी.टी (टेलिकॉम के लिए एनेलिटिक प्लेटफार्म) साफ्टवेयर उत्पाद के वाणिज्यीकरण के लिए टी.डी.बी को एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

कंपनी ने लागत प्रभावी तरीके व्यापारिक अनुप्रयोगों के लिए देश मे पहली बार सत्तामीमांसा/ कृत्रिम आसुचना अवधारण मॉडलों का प्रयोग करके टेलिकॉम विश्लेषण के लिए एक विलक्षण एकीकृत विश्लेणात्मक प्लेटफार्म (एपीटी) विकसित किया है। यद्यपि प्रस्तावित प्रौधोगिकी टेलिकॉम कंपनियों को कृत्रिम आसूचना तकनीकें और वस्तु हार्डवेयर का प्रयोग करके लागत प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। ये उत्पाद (1). राजस्व प्रत्याभूति विश्लेाण (2). रेडियो संसाधन विश्लेाण (3). रोमिंग विश्लेाण के लिए लगाए जाएंगे।

कुछ परियोजना लागत 628.22 लाख रू0 की है। टी.डी.बी ने 5 अक्टूबर 2006 को किए गए एक करार के अंतर्गत 270 लाख रू0 की ऋण सहायता स्वीकृत की है। परियोजना 31 दिसम्बर 2007 तक पूर्ण होनी है।

SCTIMST has designed, developed and tested prototypes working model of centrifugal blood pump under a DST sponsored R&D Project for extra corporal application, more specifically the pump used for cardiac surgery. The pump developed by the company is pressure sensitive and enables avoiding tube rupture even in the case of pump occlusion. Further, it does not pump air that may be inadvertently induced into the circuit. These advantages make it a unique one of its kind.

PEC VISIT OF SIDD LIFE SCIENCES PVT. LTD., CHENNAI

TDB has agreed to provide a loan assistance of Rs.87 lakhs against a total cost of Rs.178.40 lakhs. The company signed a loan agreement on 25th September, 2006 and the project would be completed by June 2008.

**10. Teleonto Technologies Private Limited, Hyderabad**

M/s Teleonto Technologies Private Limited (Teleonto), Hyderabad, a startup company promoted by first generation technopreneurs with experience in telecom industry submitted a project proposal to TDB for Commercialization of ApT (Analytic platform for Telecom) software product for Telecom Analytic Services, such as Revenue Assurance Analytics, Radio Resource Analytics, Roaming Analytics and Marketing Intelligence.

The company has developed a unique integrated Analytics platform (ApT) for telecom analytics using ontology / artificial intelligence concepts / models for the first time in the country for commercial applications in a cost effective manner. The proposed technology however, enables to offer a cost effective solution by using Artificial Intelligence Techniques and commodity hardware to the telecom companies. The products will be deployed for (i) Revenue Assurance Analytics (ii) Radio Resource Analytics (iii) Roaming Analytics .

The total project cost is Rs. 628.22 lakhs. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 270 lakhs under an agreement signed on 5th October, 2006. The project is due for completion on 31st December, 2007.

## 11. बेंचरईस्ट फंड एडवाइजर्स प्रा0 लि0, चैन्नई

मैं0 बेंचरईस्ट फंड एडवाइजर्स प्रा0 लि0, चैन्नई ने बेंचरईस्ट टीनेट फंड II, एक प्रारंभिक चरण की सूचना प्रौद्योगिकी टेलिकॉम फंड में 30 करोड रू0 की भागीदारी के लिए टी.डी.बी के पास प्रस्ताव किया है। निधि का निवेश 3-5 वर्षों की अवधि में लगभग 20 प्रारंभिक चरण की आई.टी./आई.टी.ई.एस /टेलिकॉम प्रौद्योगिकी परियोजनाओं में किया जाएगा। निधि का प्रबंधन आई.आई.टी मद्रास के टी नेट समूह के सहयोग से बेंचरईस्ट (एपी.आई.डी.सी वेंचर केपिटल के प्रबंधक भागीदार) द्वारा किया जा रहा है। समर्थन/उद्भवन सहायता आई.आई.टी मद्रास और निधि प्रबंधक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। बोर्ड ने अगले 3 वर्षों के लिए प्रति वर्ष 5 करोड रू0 की राशि प्रदान करने का अनुमोदन दिया है जो कुल 15.00 करोड रू0 है। हर्डल रेट (न्यूनतम प्राप्ति) निधि प्रबंधन के साथ लाभ बांटने के लिए 15S प्रति वर्ष पर निर्धारित की गई है।

वेचंरईस्ट फंड एडवाइजर्स प्रा0लि0 चेन्नई के साथ बैठक।

टी.डी.बी ने प्रारंभिक उद्यमों के वित्त पोषण में अंतर को पूरा करने के लिए निधियों में निवेश किया है जो बाद में परिपक्व हो जाएगा और बाद की स्थिति में टी.डी.बी से ऋण सहायता प्राप्त कर सकता है। टी.डी.बी ने 12 अक्टूबर 2006 को करार पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त यह वेंचरईस्ट द्वारा प्राप्त आवेदनों में से प्रस्तावित कई स्कीमों को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगा।

## 12. जिश्नु कम्युनिकेशन्स लि0, हैदराबाद

मै0 जिश्नु कम्युनिकेशन्स लि0, हैदराबाद ने ट्रैकिंग कंट्रोल सिस्टम्स, टेलिमीट्री रिसीवर्स, इंटीग्रेटेड डीमोड, बिट सिंक एंड स्टीमुलेटर और रियल टाइम डाटा एक्युजिशन सिस्टम्स, जो डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस एंड डिफेंस में संवेदनशील अनुप्रयोगों की निर्धारित घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, जैसे'विशिष्ट इलैक्ट्रॉनिक संचारण, डाटा प्राप्ति एंव नियंत्रण प्रणाली उत्पादों के विकास और वाणिज्यिक उत्पादन' के लिए परियोजना प्रस्ताव के साथ टी.डी.बी से प्रस्ताव किया है।

प्रस्तावित उत्पाद अन्तर्राष्ट्रीय मानकों और गुणवत्ता के साथ भारत मे विकसित होने वाला अपनी तरह का पहला उत्पाद है और यह एकल प्रणाली के रूप में एक संयुक्त समाधान उपलब्ध कराता है जिसमें उच्च डाटा दर क्षमता इस्तेमाल में आसान स्टोरेज उपकरण वास्तविक डिस्पले और ब्राउसिंग कार्यों के साथ सर्वर आधार और अन्तर-निर्मित जी पी एस

### 11.Ventureast Fund Advisers Private Limited, Chennai

M/s Ventureast Fund Advisers Pvt. Ltd., Chennai approached TDB for participation of Rs. 30 crore in Ventureast TeNet Fund II, an early stage Information Technology / Telecom Fund. The fund would invest in about 20 early stage IT/ITES / Telecom Technology projects over a period of 3-5 years. The fund is being managed by Ventureast (the managing partner of APIDC Venture Capital) in association with the TeNet Group of IIT Madras. The handholding / incubation support will be provided by IIT Madras as well as the fund manager. The Board approved a commitment up to Rs. 5 crore per year for the next 3 years, aggregating to Rs. 15.00 crore. The hurdle rate (minimum return) has been fixed at 15% p.a. for sharing profits with the fund manager.

Meeting with Ventureast Fund Advisers Pvt. Ltd., Chennai

TDB has invested in the fund to meet the gap in funding of early stage ventures which would subsequently mature and may avail debt assistance from TDB in later stage. TDB signed the agreement on 12th October, 2006. Further, it would give an opportunity to access large number of schemes proposed out of the applications received by Ventureeast.

### 12.Jisnu Communications Ltd, Hyderabad

M/s Jisnu Communications Ltd, Hyderabad has approached TDB with the project proposal for the "Development and Commercial Production of Specialized Electronics Communication, Data Acquisition and Control System Products" like Tracking Control Systems, Telemetry Receivers, Integrated Demod, Bit sync & Simulator and Real Time Data Acquisition Systems, capable of meeting the customized domestic requirements of sensitive applications in the Department of Space & Defense.

The proposed products are first of their kind to be developed in India with International Standard and Quality and provide a composite solution in the form of a single system having all the features like high data rate capability, easy to use storage devices, server base with real time

सहित ऑर्बिट संसाधन क्षमता जैसी सभी मुख्य विशेषताएं है। इन उत्पादों में केवल एल बैंड तक की उपयुक्तता वाले मौजूदा आयातित उत्पादों की तुलना में केयू बैंड तक की उच्च बारम्बारता उपयुक्तता मौजूद है।

श्री.पी.श्रीनिवास राजू , प्रबंध निदेशक जिश्नु कम्युनिकेशन्स लि0, हैदराबाद के साथ करार का आदान-प्रदान

इस तथ्य के बावजूद कि लागत लाभ के लिए घटिया उत्पादों का आयात किया जाता है कंपनी डिफेंस और स्पेस के संवेदनशील अनुप्रयोग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सुरक्षा कायम रखने के लिए प्रभावी पोस्ट स्केल सेवा उपलब्ध कराएगी। टी.डी.बी ने 5 जनवरी 2007 को हस्ताक्षरित एक करार के तहत कंपनी को 205 लाख रू0 की ऋण सहायता स्वीकृत की है। कुल परियोजना लागत 411.40 लाख रू0 की है। परियोजना 30 सितम्बर 2007 तक पूर्ण होनी है।

## 13. एक्सलट्री सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, पुणे

मैं0 एक्सलट्री सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, पुणे आई एस ओ 9001: 2000 प्रमाणन प्राप्त एक कंपनी ने 'मोबाइल इंटरप्राइस सोल्यूशन्स (सॉफ्टवेयर)' के वाणिज्यीकरण के लिए सुविधांए स्थापित करने का प्रस्ताव किया है।

सॉफ्टवेयर उत्पाद और सहायता प्रणाली डिजाइन करने में लगभग 3 दशकों का अनुभव रखने वाले प्रोत्साहक ब्राउजर आधारित अनुप्रयोगों के लिए फ्रंट एंड एप्लीकेशन डेवलपर (फ्रेड) नाम का एक घरेलू मोबाइल फ्रेम वर्क उत्पादकता उपकरण विकसित करने के इच्छुक हैं जो अनुप्रयोगों के कस्टमाइजेशन को सक्षम बनाएगा और कम समयावधि अर्थात उस आधे समय में जो सामान्यत सामान्य विकास परियोजना में लगता है में एंटरप्राइज प्रणालियों के लिए संयोजक तैयार करेगा।

इस उत्पाद का उपयोग बैंकिंग, बीमा, वितरण आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है। फ्रेड रास्ते में कार्यशील कर्मचारियों को एक मोबाइल फोन के 'रीयल टाइम' उपयोग का अधिकार प्रदान करता है जो कंपनी की केन्द्रीय कम्प्यूटिंग प्रणाली से जुड़ा हुआ है।

टीडीबी ने 10 जनवरी, 2007 को हस्ताक्षरित किए गए एक समझौते के तहत 1016 लाख रु0 की परियोजना लागत में से 250 लाख रु0 का एक ऋण मुहैय्या कराने की सहमति दी है। परियोजना मार्च, 2009 में पूरी की जाएगी।

display and browsing functions and orbit processing capabilities with built-in GPS are key features. The products have high frequency suitability up to **Ku** Band in comparison to present imported products having suitability up to L Band only.

Exchange of agreement with Shri P. Srinivas Raju, Managing Director, Jisnu Communications Ltd., Hyderabad

The company would provide effective post scale service leading to self reliance, maintaining security & safety in sensitive application area of Defense and Space apart from the fact that products are import substitute with cost benefit. TDB has sanctioned a loan assistance of Rs. 205 lakhs to the company under an agreement signed on 5th January 2007. The total project cost is Rs.411.40 lakhs. The project is due for completion on 30th September, 2007.

### 13. AccelTree Software Private Limited, Pune

M/s AccelTree Software Private Limited, Pune, a company having ISO 9001:2000 certification, proposed to set up facilities for commercialization of "Mobile Enterprise Solutions (Software)".

The promoters having over 3 decades of experience in designing software products and support system, intend to develop an in house Mobile Frame Work productivity tool named as Front End Application Developer (FRED) for browser based applications, which enables customization of applications and build connectors to enterprise systems in short span of time i.e. in half the time that normal development project will generally take.

The product finds application in different sectors including banking, insurance, distribution etc. The FRED empowers the employees on the move a 'real time' use of a mobile phone which interact with the company's central computing systems.

TDB has agreed to provide a loan of Rs. 250 lakhs out of project cost of Rs. 1016 lakhs under an agreement signed on 10th January, 2007. The project would be completed in March 2009.

## 14. फरन्टीयर लाईफलाइन प्राइवेट लि0, चेन्नई

मैसर्स फरन्टीयर लाईफलाइन प्रा.लि. चेन्नई ने ''डिवेलपिंग एमनीओटीक मेमब्रेन, ब्रोवाइन पैरीकार्डियम, कोर्ड ब्लड स्टेम सैल बैंकिंग इत्यादि टिशु आधारित उत्पादों'' के क्लिनीकल प्रयोग के लिए सुविधा शुरू करने के लिए टीडीबी से ऋण सहायता लेने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

यह कंपनी डॉ.के.एम.चेरियन, एक विख्यात कार्डिओ वासकुलर सर्जन जिन्हें आर्टरिज की स्टेम सैल ग्राफटिंग, ऑर्गन ट्रांसप्लेटेशन तथा ट्रांसपोजिशन के अन्य कार्डिओ वासकुलर सुधार के क्षेत्र में 37 वर्ष से अधिक का अनुभव है द्वारा संवर्द्धित थी। कंपनी ने आईएसओ : 9000 प्रमाणीकरण और एन.ए.बी.एल. वाला उच्च विशिष्ट कार्डिक हस्पताल चला रही है।

एक भारतीय कपंनी द्वारा व्यापारिक पैमाने पर अपने इन-हाऊस आर एंड डी प्रयासों से कार्डिओ वासकुलर तथा अन्य सर्जीकल अनुप्रयोगों के लिए बायो-इंजीनियर्ड टिशू प्रोडेक्ट तथा पैचों को बनाना एक अग्रगामी प्रयास है। कंपनी ने लगभग 245 ब्रोवाइन पेरी-कार्डियम का विकास किया है जिसमें से लगभग 113 पायलट अध्ययन के तहत प्रयोग किए गए हैं।

टीडीबी ने 22 फरवरी, 2007 को इस कंपनी के साथ 300 लाख रु0 की ऋण सहायता के लिए ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना की कुल लागत 1250 लाख रु0 है। यह परियोजना सितंबर, 2008 में पूरी होने वाली है।

## 15. रेन्च सल्यूशन (प्रा.) लि., बैंगलोर

इंजीनियरिंग तथा अन्य उद्योग वर्टीकल में प्रयोग किए जानेवाली रेन्च सूट ''ट्रेडमार्क'' के रूप में एक वेब आधारित देशी रूप से विकसित प्रोडेक्ट लाइफसाइकल मैनेजमेंट (पीएलएम) सॉफ्टवेयर पैकेज के विकास तथा वाणिज्यीकरण'' के लिए टीडीबी से मैसर्स रेंच सल्यूशन (प्रा.) लि., बैंगलोर को ऋण सहायता मुहैय्या कराई गई थी।

## 14. Frontier Lifeline Private Limited, Chennai

M/s Frontier Lifeline Private Limited, Chennai, submitted an application seeking loan assistance from TDB for setting up a facility for "Developing Amniotic Membrane, Brovine Pericardium, Cord Blood Stem Cell Banking etc. tissue based products" for clinical use.

The company was promoted by Dr. K.M. Cherian, a renowned Cardio Vascular Surgeon having an experience of over 37 years in the field of Stem Cell Grafting of Arteries, organ transplantation and other Cardio Vascular corrections of transposition. The company is running a 120 bedded super specialty cardiac hospital having ISO 9000 certification and NABL accreditation.

Exchange of agreement with Dr. K.M. Cherian, Chief Managing Director, Frontier Lifeline Pvt. Ltd., Chennai

It is a pioneering effort by an Indian company to produce bio-engineered tissue products and patches for cardiovascular and other surgical applications out of its own in-house R&D efforts on a commercial scale. The company has developed around 245 Bovine Pericardium out of which about 113 have been used under pilot study.

TDB has signed the loan agreement for a loan assistance of Rs. 300 lakhs with the company on 22nd February 2007. The total cost of the project is Rs.1250 lakhs. The project is due for completion in September 2008.

## 15. Wrench Solutions (P) Ltd., Bangalore

M/s Wrench Solutions (P) Ltd., Bangalore, was provided loan assistance from TDB for "Development and Commercialization of a web based indigenously developed Product Lifecycle Management (PLM) software package" trade marked as WRENCH Suite used in engineering and other industry verticals.

कपंनी ने विजुअल बेसिक प्रोग्राम टूल के प्रयोग से क्लाईन्ट सरवर वास्तुकला के तीन मापदण्डों पर आधारित प्रोडक्ट लाइफसाइकल मैनेजमेंट (पीएलएम) सूट का विकास किया है तथा एमएस नेट का प्रयोग करते हुए इसे वेब आधारित टेक्नोलॉजी पर अपग्रेड करने का प्रस्ताव दिया है जिसका विदेशी एवं घरेलू मार्किट में बहुत बड़ा महत्व है। कंपनी द्वारा विकसित सुट ज्ञान प्रबंधन की आवश्यकता के लिए परियोजना प्रबंधन तथा परियोजना प्रबोधन के साथ क्वालिटी प्रबंधन, बिजनेस प्रक्रिया आवश्यकता डाटा केपचर एवं पुनः प्रयोग का संगठन करता है।

रेन्च मापदण्ड लाभदायक है-

(i) अभियांत्रिकी, प्रापण तथा निर्माण उद्योग

(ii) आर एंड डी गहन वर्टीकल जैसे एरोस्पेज तथा डिफेंस, आटोमोटीव, आटोसंघटकों, इलेक्ट्रोनिक उत्पाद तथा

(iii) औद्योगिक मशीनरी, विशेष प्रयोजन मशीन तथा उपकरण निर्माता

टीडीबी ने 14 मार्च, 2007 को हस्ताक्षरित एक करार के तहत 100 लाख रु0 की ऋण सहायता की स्वीकृति दी। परियोजना की कुल लागत 272 लाख रु0 है। परियोजना 31 दिसंबर, 2007 तक पूर्ण की जाएगी।

The company has developed the Product Life Cycle Management (PLM) Suite consisting of three modules on a client server architecture using visual basic programme tool and proposed to upgrade the same to the web based technology using MS.NET technology which has got huge potential in both domestic and overseas market. The Suite developed by the company integrates project management and project monitoring requirements, with quality management, business process requirements, data capture and reuse for knowledge management requirements.

The WRENCH modules are useful for:-

I) engineering, procurement and construction industry.

ii) R&D intensive verticals like aerospace and defence, automotive, auto components, electronic products.

iii) Industrial machinery, special purpose machine and equipment manufacturers.

TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 100 lakhs under an agreement signed on 14th March 2007. The total project cost is Rs. 272 lakhs. The project is due for completion on 31st December 2007.

Enabling Commercialisation

# वर्ष 2006-07 के दौरान जारी उत्पाद/पूर्ण परियोजनाएं

वर्ष 2006-07 के दौरान टीडीबी से वित्तीय सहायता के साथ शुरू किए गए प्रोडक्ट/संपूर्ण परियोजनाएं नीचे दर्शाई गई हैं-

## एलर्जी रिहनाइटिस के लिए सोल्यूशन

NR-A2 / Aller7

मैसर्स नेचुरल रेमेडीज प्रा.लि., बैंगलोर ने एनआर-ए-2/एलर-7 का विकास किया है जो विभिन्न भारतीय जड़ी-बूटियों से बना एक नया सिनरजिस्टिक पोलीहर्बल प्रतिपादन है जो एलर्जिक रहिनाइटिस का प्रभावित सोल्यूशन है। यह प्रोडक्ट यूएसए और कनाडा में विभिन्न विदेशी कंपनियों को अनुज्ञ किया गया है तथा यह पाया है कि स्नीजिंग, रिहनोरिआ, नासल कन्जेशन तथा इनफ्लेनेशन के प्रभावी नियंत्रण के द्वारा स्वस्थ रिस्पीरेटरी प्रणाली को प्रोत्साहित करता है। प्राकृतिक रूप से एलर्जी प्रतिक्रिया को अभिभूत करने में शारीरिक प्रतिरक्षक प्रणाली की भी सहायता करता है। टीडीबी ने दिनांक 17.02.2004 के ऋण करार के तहत 795 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 275 लाख रु0 की ऋण सहायता मुहैय्या की थी। परियोजना अप्रैल, 2006 में पूरी हुई थी।

## बहुप्रयोजन प्रदीपन संयंत्र

मैसर्स वरदान एग्रोटेक प्रा.लि., दिल्ली ने खा एवं चिकित्सा उत्पादों, फल एवं सब्जियों, मांस तथा मछली इत्यादि के प्रसंस्करण के लिए बोर्ड ऑफ रेडिएशन तथा आइसोटाप टेक्नोलॉजी (बीआरआईटी), मुंबई टेक्नोलॉजी पर आधारित बहु प्रयोजन प्रदीपन संयंत्र स्थापित किया है। यह संयंत्र प्रदीपन के कारण उनकी मितव्ययी कीमत को बढ़ाने के संबंध में उपरोक्त सामग्री की स्टोरेज के लिए किसानों, निर्यातकों, उपभोक्ताओं, स्टॉकिस्ट तथा होलसेलरों के लिए लाभदायक है। टीडीबी ने 26.6.2002 को हस्ताक्षरित एक करार के तहत 1150 लाख रु0 कुल परियोजना लागत की तुलना में 495 लाख रु0 की ऋण सहायता मुहैय्या कराई। परियोजना मई, 2006 में पूर्ण की गई थी।

## प्रस्फोटन स्प्रे कोटिंग टेक्नोलॉजी

मैसर्स एसवीएक्स पाउडर एम सरफेस इंजीनियरिंग प्रा.लि., ग्रेटर नौएडा ने उत्तरी भारत में एआरसीआई, हैदराबाद द्वारा विकसित प्रस्फोटन स्प्रे कोटिंग (डीएससी) टेक्नोलॉजी को कौशलपूर्वक व्यापारिक बनाया है। उन्होंने वर्टिकल डिस्प्लेसमेंट पम्पों के रोटर शैफ्ट के लिए कोटिंग विकसित की है जिसका सेरामित तथा अन्य अपकर्षी खोल के लिए प्रयोग किया गया है। यह सुधार घटकों के जीवन काल को कई गुणा बढ़ाएगा। डीएससी का प्रयोग गैस विद्युत संयंत्रों में विभिन्न कोटिंग अनुप्रयोगों के लिए किया जाएगा जो मुख्य आयात स्थानापन्न के रूप में कार्य करेगा। टीडीबी ने दिनांक 19.11.2004 के ऋण करार के तहत 172 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 70 लाख रु0 का ऋण मुहैय्या कराया। कंपनी ने मई, 2006 में परियोजना पूरी की।

## PRODUCTS RELEASED / PROJECTS COMPLETED DURING 2006-07

The products released / projects completed during the year 2006-07 with the financial assistance from TDB are indicated below.

## SOLUTION FOR ALLERGIC RHINITIS

M/s Natural Remedies Pvt. Ltd., Bangalore has developed NR-A2 / Aller7, a novel synergistic polyherbal formulation consisting different Indian herbs as an effective solution for allergic rhinitis. The product has been licensed to various international companies in USA and Canada and has been found to prevent the onset of the symptoms like sneezing, rhinorrhoea, nasal congestion and effective control of inflammation thereby promoting healthy respiratory system. It also supports the body immune system to overcome the allergic reponse naturally. TDB had provided a loan assistance of Rs. 275 lakhs against the total project cost of Rs. 795 lakhs under loan agreement dated 17.02.2004. The project was completed in April 2006.

NR-A2 / Aller7

## MULTIPURPOSE IRRADIATION PLANT

M/s Vardaan Agrotech Private Limited, Delhi has installed multipurpose irradiation plant based on Board of Radiation & Isotope Technology (BRIT) Mumbai technology for processing of food & medical products, fruits & vegetables, meat & fish etc. The plant is useful for farmers, exporters, consumers, stockist and wholesalers for storage of the above material thereby enhancing their economical value due to irradiation. TDB provided a loan assistance of Rs. 495 lakhs against the total project cost of Rs.1150 lakhs under an agreement signed on 26.06.2002. The project was completed in May 2006.

## DETONATION SPRAY COATING TECHNOLOGY

M/s SVX Powder M Surface Engg. P. Ltd., Greater Noida has ably commercialized Detonation Spray Coating (DSC) Technology, developed by ARCI, Hyderabad, in North India. They have developed coating for Rotor Shafts of Vertical Displacement Pumps, which is used for carrying ceramic and other abrasive slurries. The improvement will increase the life of the components many fold. DSC will be used for various coating applications in Gas Power Plants acting as major import substitute. TDB had provided a loan assistance of Rs. 70 lakhs against the total project cost of Rs.172 lakhs under loan agreement dated 19.11.2004. The company completed the project in May 2006.

## बोयोलॉजिकल एपीआई निर्माण सुविधा

मैसर्स जीनोटेक लेबोटरीज लि., हैदराबाद ने बायोलॉजीकल एपीआई के निर्माण सुविधा तथा सामान्य प्रतिपादन सुविधा के निर्माण के लिए कुल 3505 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 600 लाख रु0 की एक ऋण सहायता का लाभ उठाया। वर्ष 2006 मध्य के दौरान कंपनी ने 2 जेनरिक बायोलॉजीकल औषधियां रीकंबिएंट-ह्यूमन जीएम-सीएसएफ (नूगराफटीएम) और रीकंबिएंट-ह्यूमन जीएम-सीएसएफ (मैक्रोजनटीएम)) को मार्किट में पेश किया। नूगराफटीएम की 30 एमआईओयू तीव्रता की 0.5 एमएल के प्री-फील्ड सरीजिंस के रूप में आपूर्ति की जाती है। यह न्यूअरोपेनिया के इलाज में तथा एएमएल के साथ इन्डक्शन/कन्सॉलीडेशन कीमोथेरेपी वाले रोगियों, माईलोस्प्रोसिव कीमोथेरेपी प्राप्त कर रहे रोगियों में न्यूटरोपेनिया संबंधित क्लीनिकल परिणामों में तथा न्यूटरोफिल रिकवरी के लिए दी जाती है। माईक्रोजन टीएम एक की 4.4 X 106 यूनिट सहित एक बार इस्तेमाल किए जाने वाली लाइफीलाइज्ड शीशीयों में सप्लाई की जाती है। यह कैंसर कीमोथेरेपी तथा बोनमैरो ट्रांसप्लांटेशन के दौरान प्रयोग की जाती है। इन दवाइयों को इन-हाऊस प्रौद्योगिकी तथा निर्माण सुविधाओं का प्रयोग करते हुए विकसित किया गया। परियोजना 31 मई, 2006 में पूरी हुई थी। यह उत्पाद वर्ष 2007 के प्रौद्योगिकी दिवस पर पेश किया गया।

## आटामेटिक मीटर रीडिंग के पायलटों की स्थापना

आटोमेटिक मीटरों के लिए सुविधा देने पर परियोजना के क्रियान्वयन के लिए टीडीबी से मैसर्स सिलगेट टेक्नोलॉजी प्रा.लि., मुंबई को वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य कंपनी द्वारा इन-हाऊस विकसित किए गए साफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए रिमोट के विकास तथा प्रतिष्ठापन तथा आनलाइन ऊर्जा मीटरिंग, ऊर्जा प्रबंधन तथा आडिट प्रणाली है। इस प्रणाली में संकेन्द्रक को रेडियो फ्रिक्वेंसी अथवा विद्युत लाइनों के माध्यम से मीटर डाटा हस्तांतर करने की बहुप्रयोजन कनेक्शन की क्षमताएं हैं। टीडीबी ने दिनांक 25 जुलाई, 2003 के ऋण करार द्वारा 390 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 170 लाख रु0 की वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई। यह परियोजना जून, 2006 में पूर्ण की गई।

## रि-कंबिएंट ह्यूमन प्लेटलेट जनित वृद्धि गुणक

मैसर्स वीरशो बायोटेक प्रा.लि., हैदराबाद को रि-कंबिएंट ह्यूमन प्लेटलेट जनित वृद्धि गुणक के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई गई थी। यह उत्पाद एक टोपीकल जेल है जो लोअर एक्सट्रिमिटी डायबिटिक अल्सर को स्वस्थ करने में प्रयोग किया जाता है। यह उत्पाद नाभि इन्डोथैलियल सैलों से कृन्तक किया जाता है जो

## BIOLOGICALS API MANUFACTURING FACILITY

M/s Zenotech Laboratories Ltd., Hyderabad availed a loan assistance of Rs. 600 lakhs against total project cost of Rs.3505 lakhs for construction of the biologicals API manufacturing facility and the general formulations facility. The company has launched two generic biological drugs during mid-2006, recombinant human G-CSF (NugrafTM) and recombinant human GM-CSF (MacrogenTM). NugrafTM is supplied as pre-filled syringes of 0.5ml, of 30MioU strength. It is indicated in the treatment of neutropenia and in neutropenia-related clinical sequelae in patients receiving myelosuppressive chemotherapy, induction/consolidation chemotherapy for patients with AML and other indications for neutrophil recovery. MacrogenTM is supplied as single use lyophilized vials containing 4.4x106 units of activity. It is indicated for use during cancer chemotherapy and bone marrow transplantation. These drugs were developed using in-house technologies and manufacturing facilities. Project was completed on 31st May 2006.

## SETTING UP PILOTS OF AUTOMATIC METER READING

M/s Silgate Technologies Private Limited, Mumbai was provided financial assistance from TDB for implementation of the project on setting up facility for automatic meters. The project aims at development and installation of remote and online energy metering, energy management and audit system using the software developed in-house by the company. The system has multiple connection capabilities to transfer meter data via radio frequency or power lines to the concentrator. TDB provided financial assistance of Rs. 170 lakhs against the total project cost of Rs. 390 lakhs vide loan agreement dated 25th July 2003. The project was completed in June 2006.

## RECOMBINANT HUMAN PLATELET DERIVED GROWTH FACTOR

M/s Virchow Biotech Private Limited, Hyderabad was provided financial assistance from TDB for commercialization of Recombinant Human Platelet Derived Growth Factor. The product is a topical gel meant for the healing of lower extremity diabetic ulcers. The product is cloned from umbilical endothelial cells which are commercially available. The product is being marketed in India by Dr. Reddy's Laboratories under the brand name Plermin. TDB provided financial

व्यापारिक रूप से उपलब्ध है। यह उत्पाद भारत में प्लेरमिन ब्रांड नाम से डा. रेड्डी लेबोरेट्रीज द्वारा बेचा जाता है। टीडीबी ने दिनांक 30 जुलाई, 2004 के ऋण करार द्वारा 500 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 250 लाख रु0 की वित्तीय सहायता प्रदान की। यह परियोजना जून, 2006 में पूर्ण की गई।

## बायो कंट्रोल एजेंट प्रोडक्शन

मैसर्स हरियाणा बायोटेक प्रा.लि., गुड़गांव ने राइजोबियम आधारित बायो-फर्टिलाइजर तथा संपोषित तथा अधिक फसल उत्पादन के लिए किण्वण प्रक्रिया द्वारा एक बायो-कंट्रोल एजेंट-ट्राईकोडरमा वीरडी के उत्पादन के लिए अपनी परियोजना को जुलाई, 2006 में पूर्ण कर लिया।

मैसर्स हरियाणा बायोटेक प्रा.लि., गुड़गांव को राइजोबियम आधारित बायो-फर्टीलाइजर तथा ट्राईकोडर्मा विरडी, एक बायो-कंट्रोल एजेंट के व्यापारिक उत्पादन के लिए टीडीबी द्वारा ऋण सहायता मुहैय्या कराई गई। बायोफर्टीलाइजर्स तथा बायो-कंट्रोल एजेंट संपोषित तथा अधिक फसल उत्पादन के लिए योगदान दे सकते हैं। इसके लिए औद्योगिकी सीएसआईआर की एक घटक इकाई क्षेत्रीय अनुसंधान लैबोरेटरी जम्मू द्वारा मुहैय्या कराई जा रही है जिसने इंटेग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट कार्यक्रम के तहत किफायती फसलों पर मिट्टी जनित बीमारियों के बायोलॉजिकल कंट्रोल पर बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा प्रायोजित परियोजना के तहत प्रौद्योगिकी को विकसित किया है। टीडीबी ने 30 मार्च, 2005 के ऋण करार के तहत 140 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 48 लाख रु0 की एक ऋण सहायता मुहैय्या कराई। कंपनी ने यह परियोजना जुलाई, 2006 में पूर्ण की।

## स्वास्थ्य सूचना डिलीवरी प्रणाली

मैसर्स करिश्मा सॉफ्टवेयर लि., हैदराबाद को हेल्थवेयर सूचना डिलीवरी प्रणाली के विकास तथा वाणिज्यीकरण पर परियोजना के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई गई। इस कंपनी ने सॉफ्टवेयर प्रणाली विकसित की है जहां मेडिकल डायग्नोस्टिक्स जैसे-सी.टी.स्कैन, इको कार्डियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड, ई.सी.जी. इत्यादि नित्यक्रम डायग्नोस्टिक तत्वों के अतिरिक्त एक सेकन्ड्री केयर सेंटर तथा एक टरटयरी केयर सेंटर के बीच हस्तांतरित किए जाते हैं। इस कंपनी ने पहले से ही हैदराबाद के आस-पास पीएचसी (पब्लिक हैल्थ केन्द्र) पर इस प्रणाली के फैलाव को शुरू कर दिया है। टीडीबी ने परियोजना की 140 लाख रु0 की कुल लागत की तुलना में 69 लाख रु0 की वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई। यह परियोजना अक्टूबर, 2006 में पूर्ण की गई थी।

## ट्रेस विश्लेषण लेबोरेटरी

मैसर्स विमता लैब्स लि., हैदराबाद ने अनुबंध अनुसंधान तथा जांच में ट्रेस विश्लेषण लेबोरेटरी के लिए सुविधाएं शुरू करने के लिए इस परियोजना को क्रियान्वित किया है। यह कंपनी अनुबंध अनुसंधान तथा जांच सेवाओं के कार्य करता है तथा आईएसओ/आईईसी 17025 मानदंडों, जीएलपी (गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिस) तथा जीसीपी (गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस) के अनुसार खाद्य, भेषज, बायोटेक तथा अन्य उद्योगों तथा रेगुलेटरी एजेंसियों को सेवाएं मुहैय्या करती है। यह सेवाएं भारत तथा अन्य देशों में मार्किट लीडरों को एक स्वतंत्र थर्ड पार्टी संगठन के रूप में प्रस्तावित की जाती हैं। इस कंपनी ने मुख्यतः अक्टूबर, 2006 में खाद्य, कृषि तथा भेषज क्षेत्रों को सहायता देने के लिए ऑरगेनिक तथा इनऑरगेनिक घटकों

assistance of Rs. 250 lakhs against the total project cost of Rs. 500 lakhs vide loan agreement dated 30th July 2004. The project was completed in June 2006.

## Production of Bio-Control Agent

M/s Haryana Biotech Private Limited, Gurgaon, has been provided loan assistance by TDB for the commercial production of Rhizobium based bio-fertilizer and Trichoderma Viride, a bio-control agent. Biofertilisers and bio-control agents can contribute to sustainable and increased crop production. The technology is being provided by Regional Research Laboratory, Jammu, a constituent unit of the CSIR, which has developed the technology under a project sponsored by the Department of Biotechnology on biological control of soil bound diseases on economic crops under the Integrated Pest Management Programme. TDB had provided a loan assistance of Rs. 48 lakhs against the total project cost of Rs.140 lakhs under loan agreement dated 30th March 2005. The company completed the project in July 2006.

## Health Information Delivery System

M/s Karishma Software Limited, Hyderabad was provided financial assistance from TDB for the project on Development and Commercialization of Healthcare Information Delivery System. The company developed the software system where medical diagnostics, such as CT Scan, ECHO Cardiography, Ultrasound, ECG etc., in addition to routine diagnostic elements, are transferred between a secondary care center and a tertiary care center. It has already started the deployment of the system at PHCs around Hyderabad. TDB provided financial assistance of Rs. 69 lakhs against the total project cost of Rs. 140 lakhs. The project was completed in October 2006.

## Trace Analysis Laboratory

M/s Vimta Labs Limited, Hyderabad has implemented project to set up facilities for Trace Analysis Laboratory in Contract Research and Testing. The company is engaged in contract research and testing services and provides services to food, pharma, biotech and other industries and regulatory agencies in accordance with ISO / IEC 17025 standards, GLP (Good Laboratory Practice) and GCP (Good Clinical Practice). The services are offered as an independent third party organization to market leaders in India and abroad. The company has started facility for Trace Analysis Laboratory in Contract Research and Testing at S.P. Biotech Park in Hyderabad for organic and inorganic constituents or impurities to support the Food, Agriculture and Pharma Sectors primarily in October 2006. The proposal submitted by the company falls under the category of funding to commercial enterprises which seek assistance from TDB for the

अथवा अशुद्धता के लिए हैदराबाद में एसपी बायोटेक पार्क में अनुबंध अनुसंधान तथा जांच में ट्रेस विश्लेषण लेबोरेटरी के लिए सुविधाएं शुरू की। कंपनी द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रस्ताव व्यापारिक उद्यमों को निधिकरण करने की श्रेणी के तहत आता है जो औद्योगिक आधारित उत्पाद अथवा सेवा के विकास तथा उपयोग के लिए टीडीबी से सहायता प्राप्त करना चाहते हैं। टीडीबी ने दिनांक 5 जून, 2006 को ऋण करार के द्वारा 982.60 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 485 लाख रु0 की वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई।

## डीपीटी तथा डीपीटी-हेपेटाइटिस-बी कंबीनेशन टीका

मैसर्स शान्था बायोटेक्निक्स लि0, हैदराबाद के डीपीटी तथा डीपीटी+हेपेटाइटिस बी (कंबीनेशन टीका) के विकास तथा वाणिज्यीकरण पर परियोजना के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई गई थी। डीपीटी तथा कंबीनेशन टीके के लिए फिलिंग लाइन की क्षमता 240 शीशी प्रति मिनट भरने की है। इस कंपनी ने अगस्त, 2005 में मार्किट में कंबीनेशन टीका लांच किया तथा इसे "शानटेटरा" ब्रांड नाम से मार्किट में शुरू किया। यह टीके इस कंपनी के अपनी भारतीय मार्किटिंग नेटवर्क द्वारा भारतीय बाजार के अतिरिक्त यूनीसेफ, पैन अमेरिकन हैल्थ संगठन (पीएएचओ) रूस, इजिप्ट इत्यादि में बेचे जा रहे हैं। टीडीबी ने 23 जुलाई, 2004 को एक करार के तहत 3885 लाख रुपये की कुल परियोजना लागत की तुलना में 900 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई है।

विशेष रूप से तैयार किया गया नियंत्रण पैनल

प्रतिक्रिया चैंबर

कोटिड पुलीज

कोटिड टेक्सटाइल अवयव

## माइक्रो आर्क ऑक्सिडेशन कोटिंग सुविधा

मैसर्स एसएमएस कोटिंग्स (भारत) प्रा.लि., हैदराबाद में पाउडर मैटलर्जी के लिए अंतर्राष्ट्रीय एडवांस रिसर्च सेंटर द्वारा माइक्रो आर्क ऑक्सिडेशन कोटिंग सुविधा तथा अल्ट्रा-हार्ड सिरेमिक कोटिंग्स के लिए नई सामग्री (एआरसीआइ) के लिए प्रौद्योगिकी पर आधारित परियोजना को क्रियान्वित किया है जो संक्षारण विशेषताओं तथा बेहतर उपयोग करने के लिए एल्यूमिनियम तथा इसके मिश्रित अवयव सतहों पर सिरेमिक संयुक्त कोटिंग प्रदान करती है। यह प्रक्रिया खराब हो चुके चैनलों में प्लाज्मा वातावरण उत्पन्न करते हुए एक इको-फ्रैन्डली अल्कालाइन, इलेक्ट्रोलेटिक माध्यम में अवयव सतहों के इलेक्ट्रो-केमिकल तथा इलैक्ट्रो-थर्मल आक्सिडेशन से बनी हुई है।

किसी भी एल्यूमिनियम मिश्रित सबट्रेट्स पर जमा हुई परंपरागत कोटिंग्स की तुलना में कोटिंग्स पूर्णरूप से रवेदार तथा कठोर होती है। टीडीबी ने दिनांक 15.2.2006 को हस्ताक्षरित करार के तहत 196 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 98 लाख रु0 की ऋण सहायता मुहैय्या कराई। यह परियोजना दिसम्बर, 2006 में पूर्ण हुई।

development and application of technology based product or service. TDB provided financial assistance of Rs.485 lakhs against the total project cost of Rs. 982.60 lakhs vide loan agreement dated 5th June 2006. The project was completed in October 2006.

## DPT and DPT-HepB Combination Vaccine

M/s Shantha Biotechnics Limited, Hyderabad was provided financial assistance from TDB for the project on Development and Commercialization of DPT and DPT + Hepatitis-B (Combination Vaccine). The filling line for DPT and combination vaccine has a capacity for filling 240 vials per minute. The company launched the combination vaccine in the market in August 2005 and started marketing under the brand name "Shantetra". The vaccines are being marketed to UNICEF, Pan American Health Organisation (PAHO), Russia, Egypt etc. besides Indian market through its own marketing network. TDB provided financial assistance of Rs. 900 lakhs against total project cost of Rs. 3885 lakhs under an agreement signed on 23rd July, 2004. The project was completed successfully in December 2006.

Specially designed control panel

Reaction chamber

Coated Pulleys

Coated Textile Components

## Micro Arc Oxidation coating facility

M/s SMS Coatings (India) Pvt. Ltd, Hyderabad has implemented project based on technology for Micro Arc Oxidation coating facility by International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Materials (ARCI) for ultra-hard ceramic coatings at Hyderabad that provides ceramic composite coatings on Aluminum and its alloy component surfaces to impart superior wear and corrosion properties. The process consists of electro-chemical and electro-thermal oxidation of component surfaces in an eco-friendly alkaline electrolytic medium by creating plasma environment in the breakdown channels. The coatings are completely crystalline and hard compared to the conventional coatings deposited on any Aluminum alloy substrates. TDB has provided a loan assistance of Rs. 98 lakhs against the total project cost of Rs.196 lakhs under an agreement signed on 15.02.2006. The project is completed in December 2006.

## मल्टी-सर्विस प्रोविजनिंग प्लेटफार्म (एमएसपीपी)

मैसर्स ओरियन टेलि-इक्विपमेंट्स प्रा.लि., कोलकाता को बैंगलोर में फैमिली ऑफ मल्टी-सर्विस प्रोविजनिंग प्लेटफार्म (एमएसपीपी) के एसडी एच (सिंक्रोनस डिजिटल हिरारकी) जाति के विकास तथा वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता प्रदान कराई गई। एसडीएच मल्टीप्लैक्सों का एक बड़ी संख्या में टेलिफोनों का तथा टेलीफोन एक्सचेंजों को अन्य टेलीफोन एक्सचेंजों के साथ तथा पहुँच उपस्करों जैसे रिमोट लाईन, इकाईयों तथा डिजिटल लूप कैरियर (डीएलसी) इत्यादि परस्पर जोड़ने के लिए एकल आप्टीकल फाईबर में डाटा-सिग्नल्स को ले जाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस परियोजना की 1482 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में टीडीबी ने 480 लाख रु0 का ऋण प्रदान किया। यह परियोजना एसडी एच फैमिली के 4 अगली पीढ़ी ऑप्टीकल संचारण उत्पाद अर्थात् एसटीएम-1, एसटीएम-1 एसी, एसटीएम-4 तथा एसटीएम-16 पेश करते हुए फरवरी, 2007 में सफलतापुर्वक पूरी हुई। इन उत्पादों को वर्ष 2007 के औद्योगिक दिवस पर पेश किया गया।

STM-1 | STM-1-AC | STM-4 | STM-16

## गेंदे के फूलों से ल्यूटिन उत्पादन

मैसर्स ओमनी एक्टिव हैल्थ टेक्नोलॉजिस प्रा.लि., मुंबई को मेरीगोल्ड फूलों से लूटिन उत्पादों के निकर्षण तथा एनकेप्सुलेशन के लिए वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई। लूटिन मानव जाति विटामिन ए का एक मुख्य पथ्य स्रोत है जो आंखें, ब्लड सीरम, त्वचा तथा कार्डियों वस्क्यूलर तंदुरस्ती के लिए लाभदायक तथा संरक्षण प्रभावों सहित एक महत्वपूर्ण पुष्टिकारक दैनिक आहार है। इस कंपनी ने लूटिन का निर्माण अपने ब्रांड नाम ल्यूटमैक्स पथप्रदर्शी पैमाने पर शुरू कर दिया है तथा बाजार विकसित करने के लिए कुछेक विदेशी ग्राहकों को उपलब्ध करा रही है। इस कंपनी ने उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी के लिए यूएस पेटेंट प्राप्त कर लिया है। टीडीबी ने दिनांक 13 अप्रैल, 2006 को हस्ताक्षरित एक समझौते के तहत 1300 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 450 लाख रु0 की ऋण सहायता उपलब्ध कराई। कंपनी ने मार्च, 2007 में इस परियोजना को पूरा किया। ये उत्पाद वर्ष 2007 के प्रौद्योगिकी दिवस पर प्रदर्शित किए गए।

प्रौद्योगिकी दिवस 2007 में पेश किए गए ल्यूटिन उत्पाद

## MULTI-SERVICE PROVISIONING PLATFORMS (MSPP)

M/s Orion Tele-Equipments Private Limited, Kolkata was provided financial assistance from TDB for the Development and Commercialization of SDH (Synchronous Digital Hierarchy) family of multi-service provisioning platforms (MSPP) at Bangalore. SDH multiplexes are used for transporting a large number of telephone as well as data signals over a single optical fiber to interconnect telephone exchanges with other exchanges and with access equipments such as Remote Line Units and Digital Loop Carrier (DLC) etc. TDB had provided a loan of Rs. 480 lakhs, against the total project cost of Rs. 1482 lakhs. The project completed successfully in February 2007 by bringing out four SDH family next generation optical transmission products viz. STM-1, STM-1-AC, STM-4 and STM-16. The products were released on Technology Day 2007.

STM-1

STM-1-AC

STM-4

STM-16

## LUTEIN PRODUCTS FROM MARIGOLD FLOWERS

M/s Omni Active Health Technologies Private Ltd., Mumbai, was provided financial assistance for the extraction and encapsulation of Lutein products from marigold flowers. Lutein, a main dietary source of vitamin A in humans, is an important dietary nutrient with beneficial and protective effects on eye, blood serum, skin and cardiovascular health. The company has started manufacturing Lutein at pilot scale under its own brand name Lutemax and is supplying to certain overseas customers to develop the market. The company has obtained US patent for the technology and the product. TDB has provided a loan assistance of Rs. 450 lakhs against the total project cost of Rs.1300 lakhs under an agreement signed on 13th April, 2006. The company completed the project in March 2007. The products were released on Technology Day 2007.

## अगली पीढ़ी सीडीआर (चार्जिंग डाटा रिकार्ड )

मैसर्स आई एक्सिस लि., हैदराबाद को टेलिकॉम कम्यूनिकेशन्स नेटवर्क में प्रयोग किए जाने वाले टेलिकॉम इजीनियरिंग केन्द्र (टीईसी) द्वारा प्रमाणित एक ऑनलाइन अगली पीढ़ी सीडीआर (चार्जिंग डाटा रिकार्डिंग) गेटवे आईकलेक्ट के व्यापारिकण के लिए टीडीबी द्वारा ऋण मुहैय्या कराया गया । यह एक आईएसओ 9000 प्रमाणित कंपनी है तथा टीएल-9000 के लिए प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया में है । इस कंपनी ने टेलिकम्यूनिकेशंस नेटवर्कों से सीडीआर इकट्ठा करने की एक वेजोड़ पद्धति का आविष्कार किया है । आईकलेक्ट टी स्यूट परतदार मॉडल के आधार पर विकसित की गई है । आईकोलेक्ट टी स्यूट में (i) आईकोलेक्ट टीसीएस-सर्किट स्विच्ड नेटवर्कों के लिए- (ii) आइकोलेक्ट टी - 3 जी तीसरी पीढ़ी नेटवर्क शामिल है । आईकलेक्ट एक्सचेंजों तथा सेवा उपलब्धकर्ता के अनुप्रवाह उपयोग के बीच उसके परिसर में स्थित है । टीडीबी ने दिनांक 19 दिसंबर, 2005 को हस्ताक्षरित समझौते के तहत 990 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना 410 लाख रु0 की वित्तीय सहायता प्रदान की । यह परियोजना मार्च, 2007 में सफलतापूर्वक पूर्ण हुई ।

## हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) डायग्नोस्टिक किट्स का उत्पादन

मैसर्स सुदर्शन बायोटेक लि., हैदराबाद को, रिकांबिएंट हेपेटाइटिस सी वाइरल (एचसीवी) एंटीजंस के वाणिज्यीकरण पर परियोजना के लिए टीडीबी से वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई गई । हेपेटाइटिस सी वायरस (एचसीवी) डायग्नोस्टिक्स किट के उत्पादन में कम से कम 4 एचसीवी एंटीजंस शामिल है । यह कोर, एनएस 3, एनएस4 तथा एनएस 5 ऐन्टिजंस हैं । आजकल ये सभी एंटीजंस भारत में आयात किए जाते हैं । कंपनी ने एचसीवी की एक भारतीय आइसोलेट के अनुक्रम पर आधारित रिकाम्बिएंट डीएनए प्रौद्योगिकी द्वारा सभी चारों प्रोटीनों (कोर, एनएस 3, एनएस4 एनएस 5) का उत्पादन करने के लिए औद्योगिकी को विकसित किया है जो कुन्तक तथा अनुक्रमित की गई थी । एचसीवी की यह जेनोटाइप भारतीय महाद्वीप में प्रचलित है तथा इस अनुक्रम पर आधारित विकसित किए गए एंटीजंस मरीजों के सेरा में एंटीबाडीज को अन्य जेनोटाइप पर आधारित विकसित किए गए एंटीजंस से अधिक विशुद्धता तथा दक्षता से पता लगा सकती है । इस कंपनी ने चारों एचसीवी एंटीजंस (कोर, एनएस 3, एनएस4 एनएस 5) का परीक्षण उत्पादन फरवरी, 2007 से शुरू किया । टीडीबी ने दिनांक 25 जुलाई, 2005 को हस्ताक्षरित समझौते के तहत 500 लाख रु0 की कुल परियोजना लागत की तुलना में 250 लाख रु0 की वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई । यह परियोजना मार्च, 2007 में सफलतापूर्वक पूर्ण की गई।

## बैच इराडिएशन ''गामा रे स्टरलाइजेशन'' सुविधा

मैसर्स माइक्रोट्रॉल स्टरलाइजेशन सर्विसेज प्रा.लि., मुंबई ने ओवरहैड कनवेयर्स के प्रयोग के स्थान पर सुविधा के लिए इनोवेटिव बैच इरीडेशन सिस्टम का प्रयोग करते हुए संसाधन के शीघ्र टर्न-अराउंड तथा लचीलापन के उद्देश्य से डिस्ट्रिक्ट बैंगलोर ग्रामीण, कर्नाटक में बैच इरीडेशन गामा-रे स्टरलाइजेशन (जीआरएस) सुविधा शुरू की है । यह कंपनी भोजन,

## NEXT GENERATION CDR (CHARGING DATA RECORD)

M/s iAxis Limited, Hyderabad, has been provided loan assistance from TDB for Commercialisation of iCollecT an online next generation CDR (Charging Data Record) Gateway certified by Telecom Engineering Centre (TEC), used in telecommunications network. It is an ISO 9000 certified company and is in the process of obtaining certification for TL-9000. The company has invented a unique method of collecting CDRs from telecommunication networks. The iCollecT suite is developed based on a layered model. The iCollecT suite consists of (i) iCollecT CS for circuit switched networks and (ii) iCollecT 3G for the 3rd generation networks. ICollecT is located between the exchanges and the downstream applications of the service provider in its premises. TDB provided financial assistance of Rs. 410 lakhs against total project cost of Rs. 990 lakhs under an agreement signed on 19th December 2005. The project was completed successfully in March 2007.

## PRODUCTION OF THE HEPATITIS C VIRUS (HCV) DIAGNOSTIC KITS

M/s Sudershan Biotech Limited, Hyderabad was provided financial assistance from TDB for the project on Commercialization of Recombinant Hepatitis C Viral (HCV) Antigens. The production of the Hepatitis C Virus (HCV) diagnostic kits involves at least 4 HCV antigens. These are Core, NS3, NS4 and NS5 antigens. Currently all these antigens are imported in India. The company has developed the technology to produce all these four proteins (Core, NS3, NS4, NS5) by recombinant DNA technology, based on the sequence of an Indian Isolate of HCV, which was cloned and sequenced. This genotype of HCV is prevalent in Indian subcontinent and the antigens developed based on this sequence can detect the antibodies in the patient's sera with more efficiency and accuracy than the antigens developed based on other genotypes. The company started the trial production of four HCV antigens (Core, NS3, NS4, and NS5) from February 2007. TDB provided financial assistance of Rs. 250 lakhs against total project cost of Rs. 500 lakhs under an agreement signed on 25th July, 2005. The project was completed successfully in March 2007.

## BATCH IRRADIATION "GAMMA RAY STERILIZATION" FACILITY

M/s Microtrol Sterilization Services Private Limited, Mumbai has set up Batch Irradiation "Gamma Ray Sterilization" (GRS) facility in District Bangalore Rural, Karnataka with the objective of achieving quick turn around and flexibility of processing, using an innovative Batch Irradiation System for the facility instead of the use of overhead conveyers. The company aims to cater to the food, medical, pharma and packaging products etc. and expect to process different products with some facilities with low downtime. The source Cobalt-60 has been provided by Board of

चिकित्सा, भेषज तथा पैकिंग उत्पादों इत्यादि के प्रबंध कराने का प्रयत्न करती है तथा कम समय में कुछ सुविधाओं सहित विभिन्न उत्पादों को संसाधित करने की अपेक्षा करती है। कोबाल्ट-60 स्रोत रेडिएशन एवं आईसोटोप टेक्नोलॉजी बोर्ड (बीआरआईटी) द्वारा मुहैय्या कराया गया है जबकि रेडिएशन स्रोत को प्रयोग करने का लाइसेंस एक टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करार के तहत एटोमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) द्वारा दिया गया है। दिनांक 11.8.2006 को हस्ताक्षरित किए गए एक करार के तहत 798 लाख रु० की कुल परियोजना लागत की तुलना में टीडीबी ने 270 लाख रु० की ऋण सहायता प्रदान की है। यह परियोजना मार्च, 2007 में पूर्ण की गई है।

बैच इराडीयेटर

स्रोत लोडिंग

Radiation and Isotope Technology (BRIT) whereas the license for using radiation source has been given by Atomic Energy Regulatory Board (AERB) under a technology transfer agreement. TDB has provided a loan assistance of Rs. 270 lakhs against the total project cost of Rs. 798 lakhs under an agreement signed on 11.08.2006. The project is due for completion in sept. 2007.

The Batch Irradiator

Source loading

# परियोजना प्रस्तावों को संसाधित करना

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड से वित्तीय सहायता चाहने वाली औद्योगिक कंपनी को निर्धारित प्रपत्र में आवेदन प्रस्तुत करना चाहिए। टी डी बी पूरे वर्ष आवेदन प्राप्त करता है। टी डी बी से वित्तीय सहायता चाहने के लिए आवेदन प्रपत्र और अन्य विवरण 'परियोजना वित्त व्यवस्था दिशानिर्देशों' नामक विवरणिका में उपलब्ध हैं जो टी डी बी द्वारा मुफ्त उपलब्ध करायी जाती है। औद्योगिक कंपनी अथवा प्रर्वतक टी डी बी की वैब साइट अर्थात tdbindia.org से आवेदन प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं।

## 2006 - 07 में प्राप्त आवेदन

2006 - 07 के दौरान प्राप्त आवेदनों का विवरण इस प्रकार है:

**2006 - 07 में प्राप्त आवेदन** ( करोड़ रू. में)

| क्रं. सं. | राज्य/संघ राज्य | आवेदनों की संख्या | कुल लागत | टी डी बी से मांगी गयी सहायता |
|---|---|---|---|---|
| 1. | आंध्र प्रदेश | 4 | 28.66 | 8.98 |
| 2. | दिल्ली | 5 | 30.92 | 11.24 |
| 3. | गुजरात | 2 | 36.92 | 15.25 |
| 4. | कर्नाटक | 4 | 73.17 | 24.85 |
| 5. | महाराष्ट्र | 10 | 921.16 | 75.59 |
| 6. | पंजाब | 3 | 77.44 | 22.8 |
| 7. | तमिलनाडु | 6 | 38.94 | 11.55 |
| 8. | उत्तर प्रदेश | 2 | 27.57 | 26.00 |
| 9. | पश्चिम बंगाल | 3 | 11.72 | 3.41 |
| | **योग** | **39** | **1246.50** | **199.67** |

## क्षेत्र - वार प्राप्त आवेदन

टीडीबी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुकों से आवेदन प्राप्त करता है। आवेदनों की प्राप्ति का क्षेत्र - वार ब्यौरा इस प्रकार है:

## आवेदकों की रूपरेखा

टी डी बी ने प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों आदि से आवेदन प्राप्त किए जैसा कि नीचे दी गई तालिक से देखा जा सकता है:

# PROCESSING OF PROJECT PROPOSALS

An industrial concern seeking financial assistance from the Technology Development Board should submit the application in a prescribed format. TDB receives the application throughout the year. The format of application seeking financial assistance from Technology Development Board and other details are available in a brochure titled 'Project Funding Guidelines' which is made available free of cost by TDB. The industrial concern or the entrepreneur / promoter can also obtain the format of application from website of TDB i.e. www.tdb.gov.in.

## APPLICATIONS RECEIVED IN 2006-07

The details of applications received during 2006-07 are given below:

**Applications Received in 2006-07** (Rupees in crore)

| No. | State, Union /Territory | No. of Applications | Total cost | Assistance sought from TDB |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Andhra Pradesh | 4 | 28.66 | 8.98 |
| 2. | Delhi | 5 | 30.92 | 11.24 |
| 3. | Gujarat | 2 | 36.92 | 15.25 |
| 4. | Karnataka | 4 | 73.17 | 24.85 |
| 5. | Maharashtra | 10 | 921.16 | 75.59 |
| 6. | Punjab | 3 | 77.44 | 22.8 |
| 7. | Tamil Nadu | 6 | 38.94 | 11.55 |
| 8. | Uttar Pradesh | 2 | 27.57 | 26.00 |
| 9. | West Bengal | 3 | 11.72 | 3.41 |
| | **Total** | **39** | **1246.50** | **199.67** |

## APPLICATIONS RECEIVED SECTOR-WISE

TDB receives applications seeking financial assistance in all the sectors of economy. The sector-wise details of receipt of applications are given in the table below.

## PROFILE OF APPLICANTS

TDB received applications from private limited companies, public limited companies, etc., during the year 2006-07, as may be seen from the table given below.

| 2006 - 07 में क्षेत्रवार प्राप्त आवेदन | | | ( करोड़ रू. में) |
|---|---|---|---|
| | आवेदनों की संख्या | कुल अनुमानित लागत | टी डी बी से मांगी गयी सहायता |
| इंजीनियरी | 05 | 78.11 | 20.85 |
| स्वास्थ्य एवं चिकित्सा | 06 | 57.59 | 20.39 |
| उर्जा और अपशिट उपयोग | 05 | 797.29 | 38.2 |
| कृषि | 04 | 59.00 | 19.37 |
| सूचना प्रौद्योगिकी | 07 | 85.65 | 45.20 |
| सड़क यातायात | 01 | 1.04 | 0.52 |
| रसाय | 03 | 4.12 | 2.03 |
| इलैक्ट्रानिक | 02 | 15.35 | 6.21 |
| भेषज | 03 | 59.00 | 26.71 |
| दूर-संचार | 01 | 13.85 | 4.94 |
| अन्य | 02 | 75.50 | 15.25 |
| **योग** | **39** | **1246.50** | **199.67** |

| आवेदकों की रूपरेखा 2006 - 07 | | | ( करोड़ रू. में) |
|---|---|---|---|
| श्रेणी | आवेदनों की संख्या | अनुमानित कुल लागत | टी डी बी से अपेक्षित सहायता |
| प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां | 27 | 1039.19 | 116.30 |
| पब्लिक लिमिटेड कंपनियां | 9 | 201.64 | 80.53 |
| व्यक्तिगत | 2 | 5.17 | 2.59 |
| रजिस्टर आर्गे. | 1 | 0.50 | 0.25 |
| **योग** | **39** | **1246.50** | **199.67** |

## आवेदनों की प्रारंभिक जांच पड़ताल

प्रारंभिक जांच समिति ( आई एस सी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को उसकी पूर्णता के दृष्टिकोण से, परियोजना के उद्देश्य, प्रौद्यागिकी के स्तर आदि की जांच - पड़ताल करती है। ऐसी जांच - पड़ताल में आवेदक और प्रवर्तक के साथ विचार - विमर्श के अतिरिक्त अपेक्षित सूचना/ विस्तृत विवरण मंगाना अथवा परियोजना में सम्मिलित संक्षिप्त प्रस्तुतिकरण शामिल है। यदि टी डी बी की वित्तीय सहायता हेतु निर्धारित मानदण्डों को आवेदन पूरा नहीं करता तो आवेदक को तदनुसार सलाह दी जाती है।

**Applications Received Sector-wise in 2006-07** (Rupees in crore)

| | Number of Applications | Estimated Total Cost | Assistance sought from TDB |
|---|---|---|---|
| Engineering | 05 | 78.11 | 20.85 |
| Health & Medical | 06 | 57.59 | 20.39 |
| Energy & Waste Utilisation | 05 | 797.29 | 38.2 |
| Agriculture | 04 | 59.00 | 19.37 |
| Information Technology | 07 | 85.65 | 45.20 |
| Road Transport | 01 | 1.04 | 0.52 |
| Chemical | 03 | 4.12 | 2.03 |
| Electronics | 02 | 15.35 | 6.21 |
| Pharma | 03 | 59.00 | 26.71 |
| Telecommunication | 01 | 13.85 | 4.94 |
| Others | 02 | 75.50 | 15.25 |
| **Total** | **39** | **1246.50** | **199.67** |

**Profile of Applicants 2006-07** (Rupees in crore)

| Category | Number of Applications | Estimated Total Cost | Assistance sought from TDB |
|---|---|---|---|
| Private Limited Companies | 27 | 1039.19 | 116.30 |
| Public Limited Companies | 9 | 201.64 | 80.53 |
| Individual | 2 | 5.17 | 2.59 |
| Register Org. | 1 | 0.50 | 0.25 |
| **Total** | **39** | **1246.50** | **199.67** |

## Initial Screening of Applications

The Initial Screening Committee (ISC) examines the application received for financial assistance, from the point of view of completeness of the application, objective of the project, status of the technology, etc. Such screening may include preliminary discussions with the applicant and technology provider besides calling additional information/details or a brief presentation covering the project. If the application is not meeting the criteria prescribed for TDB's financial assistance, the applicant is advised accordingly.

आवेदनों की प्रारंभिक जांच से संबद्ध वैज्ञानिकों की सूची इस रिपोर्ट के परि ष्ट में है। टी डी बी उनका धन्यवाद करता है।

## परियोजना मूल्यांकन

आई एस सी की सिफारिशों के आधार पर आवेदन को परियोजना मूल्यां समिति ( पी ई सी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए, परियोजना की प्रकृति और उत्पाद को ध्यान में र हुए एक पी ई सी का गठन किया गया है तथा उसमें परियोजना के स्वतंत्र मूल्यांकन हेतु टी डी बी से बाहर के संगत ्र से (वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय) विशेषज्ञ होते हैं।

विशेषज्ञ ( सेवा में अथवा सेवानिवृत) सरकारी विभागों, आर एंड डी गठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग, उद्योग एसोसिएशनों, वित्तीय संस्थान तथा वाणिज्यिक बैंकों से सम्बद्ध होते हैं। पी सी परियाजना साइट का दौरा करती है। आवेदक को वैज्ञानिक, तकनीकी, विपणन, वाणिज्यिक और वित्तीय ब्यौरे दे के साथ - साथ प्रौद्योगिकी प्रवर्तक के लिए पूर्ण अवसर दिया जाता है।

## मूल्यांकन पद्धति

आवेदन को इसके वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी, वाणिज्यिक और वित्तीय योग्यता पर मूल्यांकित किया जाता है। मूल्यांकन प्रक्रिया में शामिल है:

- प्रस्ताव की विलक्षणता और नवीन विषय
- समर्थता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी योग्यता
- व्यापक अनुप्रयोग की संभाव्यता और वाणिज्यीकरण से मिलने वाले प्रत शित लाभ
- प्रस्तावित प्रयास की उपयुक्तता
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में आर एंड डी संस्थानों की क्षमता
- आन्तरिक प्राप्तियों सहित उद्यम की संगठनात्मक और वाणिज्यिक क्षम
- प्रस्तावित लागत और वित्त व्यवस्था प्रणाली का औचित्य
- मापन योग्य उद्देश्य, लक्ष्य और सफलताएं
- उद्यमी का पूर्णवृत

## गोपनीयता और पारदर्शिता

टी डी बी मानता है कि गोपनीयता बनाये रखना महत्वपूर्ण है चूंकि प्रत्येक प्र ाव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव होता है और उसमें एक नया उत्पाद अथवा प्रक्रिया शामिल होती है। जहां आवेदक उल्लेख रता है कि टी डी बी को उपलब्ध करायी

A list of scientists, who assisted in the initial screening of applications, is appended to this report. TDB is thankful to them.

## Project Evaluation

Based on the recommendations of the ISC, the application is referred to the Project Evaluation Committee (PEC). For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project and the product and consists of experts (scientific, technical and financial) in the relevant field from outside TDB for an independent evaluation of the project.

The experts (serving or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks. The PEC visits the project site. The applicant is given full opportunity to give a detailed scientific, technical, marketing, commercial and financial presentation along with the technology provider.

## Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- The uniqueness and innovative content of the proposal
- Soundness, scientific quality and technological merit potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialisation
- Adequacy of the proposed effort
- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network
- Organisational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern
- Measurable objectives, targets and milestones.
- Track record of the entrepreneur or an independent evaluation of the project.

## Confidentiality and Transparency

TDB recognizes that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. Where the applicant mentions that

गयी सूचना को एकदम गोपनीय माना जाये तो इसे परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाता है। पी ई सी प्रक्रिया के दौरान कुछ अनिवार्य सूचना देते समय आवेदक की शंकाओं की संवेदना का आदर किया जाता है।

आवेदक से पूर्ण विचार - विमर्श के पश्चात पी ई सी को गठित करने वाले विशेषज्ञों द्वारा प्रेक्षणों और सिफारिशों को अन्तिम रूप दिया जाता है। पी ई सी के प्रेक्षणों और सुझावों को बैठक के अंत में आवेदक को मौखिक रूप से बता दिया जाता है। यदि पी ई सी द्वारा परियोजना प्रस्ताव को अनुशंसित नहीं किया जाता है तो आवेदक को सूचना के तहत टी डी बी द्वारा आवेदन को फाइल (बंद) कर दिया जाता है।

## पी ई सी की बैठक

परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ई सी) की वर्ष 2006 - 07 में 18 बैठकें हुई।

## वित्तीय सहायता की स्वीकृति

वित्तीय सहायता हेतु पी ई सी द्वारा अनुशंसित परियोजना प्रस्तावों पर बोर्ड की एक उप समिति अथवा स्वयं बोर्ड द्वारा आगे विचार किया जाता है। बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार बोर्ड के विचारार्थ प्रस्ताव भेजने से पूर्व सम्पदा प्रबंधकों की मदद से कुछ विशेष प्रस्तावों पर विधिवत रूप से अध्यवसाय कराया जाता है।

## प्रबोधन और पुनरीक्षा

टी डी बी लाभार्थियों को स्वीकृत सहायता किस्तों में, जोखिम सम्बद्ध मानकों पर जारी करता है। द्वितीय और परवर्ती किस्तों को जारी करना स्वीकृत प्रत्येक परियोजना के लिए गठित परियोजना प्रबोधन समिति (पी एम सी) की सिफारिशों पर निर्भर करता है। पी एम बी साधारणतया वैज्ञानिक/ तकनीकी विशेषज्ञों वाली होती है जो परियोजना के मूल्यांकन के समय पी ई सी का सदस्य होता है।

वर्ष 2006 - 07 के दौरान टी डी बी ने परियोजना प्रबोधन समिति, पुनरीक्षा बैठकों और निरीक्षणों के माध्यम से 30 बैठकें आयोजित कीं।

## विशेषज्ञों की सूची जिन्होंने पी ई सी और पी एम सी की सहायता की

वर्ष 2006-07 के दौरान टी डी बी को परियोजना प्रस्तावों, प्रबोधन और परियोजना पुनरीक्षा के मूल्यांकन में संगत फील्ड से 114 विशेषज्ञों ने मदद की। विशेषज्ञों की सूची रिपोर्ट के परिशिष्ट पर है। उनके द्वारा दिये गये अमूल्य योगदानों के लिए टी डी बी उनका आभारी है।

some of the information provided to TDB has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the experts of the Project Evaluation Committee. The PEC respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information on the processes.

After a full discussion with the applicant, the observations and recommendations are finalised by the experts constituting the PEC. The observations and suggestions of the PEC are communicated orally to the applicant at the end of the meeting. If the project proposal is not recommended by PEC, the application is closed by TDB under intimation to the applicant.

## Meetings of the PEC

The Project Evaluation Committees (PEC) had held 18 meetings in the year 2006-07.

## Approval of Financial Assistance

The project proposals recommended by PEC for financial assistance are further considered by a sub-committee of the Board or by the Board itself. In accordance with the guidelines of the Board, due diligence is conducted on certain specific proposals with the help of asset managers before the proposal is referred to the Board for its consideration.

## Monitoring and Review

TDB releases the approved assistance to the beneficiaries in instalments, based on risk associated milestones. The second and subsequent release of instalments depends on the recommendations of a Project Monitoring Committee (PMC) constituted for each of the approved project. The PMC invariably consists of a scientific/technical expert who was a member of the PEC at the time of evaluation of the project.

During the year 2006-07, TDB organised 39 meetings through Project Monitoring Committees, review meetings and inspections.

## List of Experts who assisted the PEC and PMC

TDB has been helped by 88 experts from the relevant fields in evaluating the project proposals, monitoring and reviewing the projects during 2006-07. The list of experts is appended to this report. TDB gratefully acknowledges the valuable contributions made by them.

# आवेदनों की संक्षिप्त स्थिति

2006 - 07 के दौरान टी डी बी द्वारा प्राप्त आवेदनों की संख्या के संबंध में सूचना और 31 मार्च, 2007 तक आवेदनों की स्थिति इस प्रकार थी: 2006 - 07 में प्राप्त आवेदनों की सारांश में स्थिति इस प्रकार है

आवेदनों की संक्षिप्त स्थिति (करोड़ रू. में)

| स्थिति | संख्या | अनुमानित कुल लागत | टी डी बी से मांगी गयी सहायता |
|---|---|---|---|
| प्राप्त आवेदन | 39 | 1246.50 | 199.67 |
| 31/3/2007 को बंद | 17 | 808.93 | 59.86 |
| शेष | 22 | 437.57 | 139.81 |
| 2006 - 07 में हस्ताक्षरित करार | 4 | 35.21 | 9.83 |
| 31/3/2007 को शेष | 18 | 402.36 | 129.98 |
| पी ई सी को अग्रेषित अथवा पी ई सी बैठक के पश्चात पृष्ठांकित | 11 | 177.32 | 49.98 |
| प्रारंभिक जांच के तहत आवेदन | 7 | 225.04 | 80.00 |

नोट: इसमें वर्ष 2006 - 07 के दौरान हस्ताक्षरित 11 करार शामिल नहीं हैं चूंकि ये 11 आवेदन वर्ष 2006 - 07 में प्राप्त हुए थे।

## Summary Status of Applications

The information regarding the number of applications received by TDB during 2006-07 and the status of applications as on 31st March 2007 are indicated in the table given below:

**Applications Received Sector-wise in 2006-07** (Rupees in crore)

| Status | Number Applications | Estimated Total Cost | Assistance sought from TDB |
|---|---|---|---|
| Applications received | 39 | 1246.50 | 199.67 |
| Closed as on 31-3-2007 | 17 | 808.93 | 59.86 |
| Balance | 22 | 437.57 | 139.81 |
| Agreements signed in 2006-07 | 4 | 35.21 | 9.83 |
| Balance as on 31-3-2007 | 18 | 402.36 | 129.98 |
| Referred to PEC or processed after PEC | 11 | 177.32 | 49.98 |
| Applications under initial screening | 7 | 225.04 | 80.00 |

Note: This excludes 11 agreements signed during the year 2006-07 as 11 applications were received in the year 2005-06.

Enabling Commercialisation

# सकारात्मक भूमिका

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड औद्योगिक संस्थाओं और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों का उत्तर देने के अलावा एक सकारात्मक भूमिका भी निभाता है। विचार यह है कि प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण के लिए टी.डी.बी का समर्थन व्यापक होगा जो अगस्त 1998 में बोर्ड द्वारा अनुमोदित टी डी बी के विजन डॉक्यूमेंट का थ्रस्ट रहा है।

अपने आदेशपत्र के तत्वाधान के तहत टी डी बी ने देशीय प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यीकरण को प्रोत्साहित किया है और बोर्ड ने वर्ष 2006-2007 के दौरान निम्नलिखित पहलों को अनुमोदित किया है :-

**(क) वेंचरईस्ट टीनेट फंड II**

मैं0 वेचरईस्ट फंड एडवाइजर्स प्रा0 लि0 चैन्नई ने वेचरईस्ट टीनेट फंड II, एक प्रारंभिक चरण की सूचना प्रौद्योगिकी/ टेलिकॉम फंड में 30 करोड रू0 की भागीदारी के लिए टी डी बी के पास प्रस्ताव किया है। निधि का निवेश 3-5 वर्षों की अवधि में लगभग 20 प्रारंभिक चरण की प्रौद्योगिकी परियोजनाओं में किया जाएगा। निधियों का निवेश एस एम ई, आई सी टी, पर्यावरणोन्मुखी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिक समाधान उपलब्ध कराने मे लगी प्रारंभिक चरण की कंपनियों के लिए किया जाएगा। निधि का प्रबंधन आई आई टी मद्रास के टीनेट समूह के सहयोग से वेंचरईस्ट (ए पी आई डी सी वेंचर केपिटल के प्रबंधक भागीदार) द्वारा किया जा रहा है।

यह पाया गया है कि पिछले 2 वर्षों के दौरान वेंचरईस्ट कैपिटेलिस्ट द्वारा निवेश की गई राशि का 3 प्रतिशत से कम प्रारंभिक चरण के उद्यमों को दिया गया अतः बोर्ड महसूस करता है कि नवीन प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए प्रारंभिक चरण की प्रौद्योगिक उद्यम पूंजी की अत्यधिक जरूरत है। बोर्ड ने 6 मार्च 2006 को हुई अपनी 35 वीं बोर्ड बैठक में अगले 3 वर्षों के लिए 5 करोड रू0 प्रति वर्ष जो कि कुल 15.00 करोड रू0 बनता है की राशि देने की स्वीकृति दी है। हर्डल रेट (न्यूनतम प्राप्ति) निधि प्रबंधक के साथ लाभ बाटने के लिए 15% प्र0 वर्ष पर निर्धारित की गई है। टी डी बी ने प्रारंभिक उद्यमों के वित्त पोषण में अंतर को पूरा करने के लिए निधियों में निवेश किया है जो बाद में परिपक्व हो जाएगा और बाद की स्थिति में टी डी बी से ऋण सहायता प्राप्त कर सकता है। समर्थन/उद्भवन सहायता आईआईटी मद्रास और निधि प्रबंधक द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। यह वेंचरईस्ट द्वारा प्राप्त आवेदनों में प्रस्तावित कई स्कीमों को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगा। निधि में निवेश करने वाले अन्य संभावित निवेशक गूगल,सिडबी,आर्गोनोट आदि हैं।

**(ख) एस टी ई पी/टी बी आई के लिए मूल सहायता**

टी डी बी ने 2005-2006 के दौरान तकनीकी विचारों के उद्भवन के लिए इनक्यूबेटरों में प्रारंभ के लिए प्रारंभिक सहायता प्रणाली के अंतर्गत पांच टेक्नोलॉजी विजनेस इनक्यूबेटर्स (टी बी आई) और साइन्स एंड टैक्नोलॉजी इंटरप्रन्योर पार्क (एस टी ई पी) में प्रत्येक को 100 लाख रू0 की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई है। यह सहायता प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यीकरण के बीच सेतु के रूप में काम करने के अलावा तकनीकी-उद्यमियों का सृजन करने के लिए दी

# PRO-ACTIVE ROLE

The Technology Development Board takes a pro-active role besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies. The idea is that TDB's support for technology development and commercialisation should be comprehensive which has been the thrust of TDB's 'Vision Document' approved by the Board in August 1998.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies and the Board approved the following initiatives during the year 2006-07.

**(a) Ventureast TeNet Fund II**

M/s Ventureast Fund Advisers Pvt. Ltd., Chennai approached TDB for participation to the extent of Rs.30 crore in Ventureast TeNet Fund II, an early stage Information Technology / Telecom Fund. The fund would be invested in about 20 early stage technology projects over a period of 3-5 years. The fund invests in early stage companies engaged in providing technology solutions for addressing the needs of SMEs, ICT, environment oriented technology sectors. The fund is being managed by Ventureast (the managing partner of APIDC Venture Capital) in association with the TeNet Group of IIT Madras.

It has been observed that less than 3 percent of the sums invested by Venture Capitalists during the last 2 years went to early stage ventures, the Board felt that there is a critical need for early stage technology venture capital to support innovative technologies. The Board in its 35th Board Meeting held on 6th March, 2006, had approved a commitment up to Rs. 5 crore per year for the next 3 years, aggregating to Rs. 15.00 crore. The hurdle rate (minimum return) has been fixed at 15% p.a. for sharing profits with the fund manager. TDB has invested in the fund to meet the gap in funding of early stage ventures which would subsequently mature and may avail debt assistance from TDB in later stage. The handholding / incubation support will be provided by IIT Madras as well as the fund manager. It would give an opportunity to access large number of schemes proposed out of the applications received by Ventureast. The other likely investors in the fund are Google, SIDBI, Argonaut etc.

**(b) Seed Support for STEP/ TBIs**

TDB has provided financial assistance of Rs. 100 lakhs each to five Technology Business Incubators (TBIs) and Science & Technology Entrepreneurs Parks (STEPs) under Seed Support System for Start-ups in Incubators to incubate technological ideas during 2005-06. The assistance is positioned to create techno-entrepreneurs apart from acting as a bridge between

जा रही है। इस परियोजना ने काफी प्रगति की है। टी डी बी ने स्कीम को बढा दिया है और 2007-2008 में दूसरे दौर में प्रत्येक 100 लाख रु0 के लिए और पांच इन्क्यूबेटर्स चुनने का प्रस्ताव है।

**(ग) सी डी टी आई, स्पेन के साथ समझौता ज्ञापन**

उद्योग, पर्यटन और व्यापार मंत्रालय,स्पेन सरकार के अंतर्गत सेंटर फॉर द डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल टैक्नोलॉजी (सी डी टी आई), मेडरिड,स्पेन एक सार्वजनिक संगठन है, जिसका उद्देश्य अपनी तकनीकी रूपरेखा को बढाने के लिए स्पेनिश कंपनियों की मदद करना है। सी.डी.टी.आई 1977 मे स्थापित की गई थी और इसने अभी तक 3500 से अधिक तकनीकी विकास परियोजनाओं का वित्त पोषण किया है। सी डी टी आई स्पेनिश उद्योग में परिवर्तन को बढावा दे रही है और उसका वित्तपोषण कर रही है। सी डी टी आई परिवर्तन सहायता वित्तपोषण का प्रावधान करती है जो एक कंपनी, एक अनुसंधान संगठन, एक संघ अथवा एक व्यावसायिक संस्था के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी भागीदारी के निर्माण का वित्त पोषण करती है। सी डी टी आई के कनाडा,चीन,कोरिया में कार्यालय हैं और इसने अपने अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी क्रियाकलापों में सहायता देने के लिए इन देशों में एक प्रतिनिधि का नामांकन किया है। सी डी टी आई कंपनियों के कार्य क्षेत्र और आकार पर ध्यान दिए बिना उनके द्वारा विकसित आर एंड डी परियोजनाओं का मूल्यांकन और वित्त प्रबंधन करती है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सी.डी.टी.आई द्वारा प्रबधित बजट लगभग यूरो 240 मिलियन का है। सी.डी.टी.आई ने तकनीकी हस्तान्तरण और वाणिज्यीकरण से संबधित क्रियाकलापों सहित तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी इच्छा के लिए डी.एस.टी के जरिये टी.डी.बी. से अनुरोध किया है। उन्होने भारतीय उद्यमियों और तकनीकीविदों को सहायता उपलब्ध कराने मे टी.डी.बी. के साथ भागीदारी की अपनी इच्छा व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के परामर्श से टी.डी.बी. और सी. डी.टी.आई के बीच एक समझौता ज्ञापन को अन्तिम रूप दिया गया है।

भारत के प्रधानमंत्री और स्पेन के प्रधानमंत्री की मौजूदगी में 3 जुलाई 2006 को टी.डी.बी और सी.डी.टी.आई के बीच नई दिल्ली में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए थे। समझौता ज्ञापन तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। समझौता ज्ञापन के समाप्त होने का इस समझौता ज्ञापन के तहत समर्थित किसी संयुक्त सहयोग की आर.एण्ड.डी परियोजना के पूरे होने पर कोई प्रभाव नहीं पडेगा।

भारत के प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह एंव स्पेन के प्रधानमंत्री श्री जोस लुईस रोड्रीग्ज जपाटेरो की उपस्थिति में टी.डी.बी के सचिव श्री दिनेश शर्मा एंव सी.डी.टी.आई. के अध्यक्ष श्री जॉन डुलेन ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

development & commercialization of the technologies. This scheme has progressed well. TDB has extended the scheme and proposes to select another five incubators for Rs.100 lakhs each in the second round in 2007-08.

### (c) MoU with CDTI, Spain

The Centre for the Development of Industrial Technology (CDTI), Madrid, Spain under the Ministry of Industry, Tourism and Trade, Government of Spain, is the public organization, whose objective is to help Spanish companies to increase their technological profile. CDTI was established in 1977 and has financed more than 3,500 technology development projects so far. CDTI is promoting and financing innovation in Spanish industry. CDTI provides innovation support funding which finances the construction of a transnational technological partnership by a company, a research organization, a federation or a professional association. CDTI has office in Canada, China, Korea and nominated a representative in these countries to give support in its international technological activities. CDTI evaluates and finances R&D projects developed by companies regardless of their activity sector and size. The budget managed by CDTI in national and international programmes is about € 240 million.CDTI approached TDB through DST for its willingness to work together to foster technological cooperation including activities pertaining to technology transfer and commercialization. They conveyed their willingness to partner with TDB in providing support to the Indian entrepreneurs and technologists. A Memorandum of Understanding between TDB and CDTI was finalized in consultation with Ministry of External Affairs, Govt. of India.

The MoU was signed in New Delhi between TDB and CDTI on 3rd July 2006 in the presence of Hon'ble Prime Minister of India and Prime Minister of Spain. The MoU will remain in force for a period upto three years. The termination of MoU will not affect the completion of any joint collaborative R&D project facilitated / supported under this MoU.

Shri Dinesh Sharma, Secretary, TDB & Shri Joan Trullen, Chairman, CDTI signing the MOU in the august presence of Hon'ble Prime Minister of India, Dr. Manmohan Singh & Prime Minister of Spain, Shri Jose Luis Rodriguez Zapatero

समझौता ज्ञापन मे दायरे में शामिल है कि सी.डी.टी.आई और टी.डी.बी दोनो सहयोग के ढांचे के तहत मिलकर कार्य करेंगे जिसमे निम्नलिखित कार्यकलाप शामिल होंगे:-

**(क) निम्न के विशिष्ट कार्यों के जरिए सहयोग को बढाना और प्रोत्साहित करना:-**

(क) प्रत्येक पक्ष के देश में नवीन कंपनियों का पता लगाना जो इस तकनीकी भागीदारी कार्यनीति में भागीदारी से लाभान्वित होगा।

(ख) भारत और स्पेन दोनों में सयुंक्त रूप से तकनीकी सहयोग और संयुक्त वाणिज्यीकरण परियोजनाओं का विकास करने में कंपनियों को सहायता देना।

(ग) दूसरे देश के अनुसंधान तकनीकी और नवीन पद्धतियों से सुपरिचितता और उनके बारे में जानकारी को बढाना।

**(ख) निम्नलिखित कार्यकलापों में से कुछ अथवा सभी के जरीए सहयोग:-**

(क) मिलान सत्रों के माध्यम से भारत और स्पेन की कंपनियों के बीच तकनीकी-आधारित संयुक्त उद्यमों अथवा कार्यनीतिगत सहयोग का सरलीकरण।

(ख) एक द्विपक्षीय भारत-स्पेन औद्योगिक तकनीकी सहयोग कार्यक्रम की स्थापना।

(ग) टी.डी.बी और सी.डी.टी.आई के बीच समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) के उक्त द्विपक्षीय कार्यक्रम के लिए संबंधित प्रबंधकीय कार्मिकों का आदान प्रदान।

(घ) उनके कार्यक्रलापों से संबंधित सूचना का आदान-प्रदान ताकि दोनों पक्ष अपने संबंधित ग्राहक समुदायों के संबंध में अपने निष्पादन का मूल्यांकन कर सकें।

(ड़) अन्य प्रकार के सहयोग, सहयोजन और सयुंक्त उद्यम, जो प्रत्येक पक्ष के देश में कंपनियों को निरन्तर तकनीकी-आधारित भागीदारी करने में मदद कर सकते हैं।

दोनों पक्ष "भागीदारी के द्विपक्षीय कार्यक्रम नियमों" से संबंधित एक अलग दस्तावेज का पत्रों के आदान-प्रदान द्वारा विकास करेंगे और सहमत होंगे जो दूसरों के बीच दोनों देशों की सत्ताओं के बीच सहयोग और तकनीकी मूल्यांकन और वित्त व्यवस्था के लिए पद्धतियों की रूपात्मकता स्थापित करेंगे। इसमें "पात्रता लेबलें" शामिल होगा जिसका उपयोग संघों द्वारा किए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी सहयोग की आधिकारिक मान्यता के लिए किया जाएगा और यह पक्षों के बीच पत्रों के आदान-प्रदान के द्वारा प्रत्येक विशिष्ट परियोजना के लिए सहमत शर्तों के लिए सार्वजनिक समर्थन की प्राप्ति करेगा।

- दोनों पक्षों की और से कोई वित्तीय वचनबद्धता नही है।
- समझौता ज्ञापन की अवधि को नवीकरण के अधिकार सहित उन्ही शर्तों के साथ परस्पर सहमति द्वारा बढ़ाया जा सकता है।
- समझौता ज्ञापन को दोनों पक्षों की परस्पर सहमति से किसी भी समय संशोधित तथा संपूरित किया जा सकता है।

The scope of the MoU covers that both CDTI and TDB shall work together under the framework of cooperation that will include the following activities:

**A) Encourage and promote cooperation through the specific actions of:**

(a) Identifying innovative companies in each Party's country that might benefit from participating in this technology partnering strategy.

(b) Assisting companies in both India and Spain to jointly develop technology collaborations and joint commercialisation projects.

(c) Promoting familiarity of, and knowledge about, the research, technology and innovation systems of the other country.

**B) Collaboration through some or all of the following activities:**

(a) Facilitation of technology-based joint ventures or strategic alliances between companies from India and Spain by means of matchmaking sessions.

(b) Establishment of a Bilateral India - Spain Industrial Technology Cooperation Program.

(c) Exchange of related management personnel for the said Bilateral Programme in Memorandum of Understanding (MoU) between TDB and CDTI.

(d) Exchange of information concerning their activities to allow both Parties to assess their performance with relation to their respective client communities.

(e) Other forms of collaboration, co-operation and joint ventures that might help companies in each Party's country form sustainable technology based partnerships.

The Parties will develop and agree by exchange of letters a separate document concerning the "Bilateral Program Rules of Participation" that will establish, among others, the modalities of cooperation between entities of both countries and the methodologies for technical evaluation and financing. It will include the "Eligibility Label" that will be used for the official recognition of the international technological cooperation carried out by the consortia and that will confirm the public support to the conditions agreed for each specific project, via exchange of letters between the Parties.

- There is no financial commitment from both the sides.
- The MoU may be extended by mutual agreement with the same terms, including the right of renewal.
- MoU may be amended and supplemented at any time by mutual consent of both parties.

# संवर्धात्मक क्रियाकलाप

## प्रौद्योगिकी दिवस पर राट्रीय पुरस्कार

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने औद्योगिक संस्थाओं के द्वारा देशीय प्रौद्योगिकी के सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' आरम्भ किए हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार में दो संघटक शामिल हैं : (1)उन औद्योगिक संस्थाओं को, जिन्होंने सफलता-पूर्वक देशीय प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण कर लिया है और (2)ऐसी प्रौद्योगिकी के विकासकर्ता/प्रबंधकों को। प्रत्येक संघटक में पांच लाख रु0 का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी शामिल है। राष्ट्रीय पुरस्कार पहली बार प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर 11 मई 1999 को प्रदान किए गए थे। वर्ष 2005 में बोर्ड ने निर्णय लिया कि यदि प्रौद्योगिकी विकासकर्ता/प्रबंधक और प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरणकर्ता दो विभिन्न संगठन हैं तो प्रत्येक 10 लाख रु0 और एक ट्राफी के पुरस्कार के लिए पात्र होगा।

## एस.एस.आई यूनिटों के लिए पुरस्कार

अगस्त 2000 में टी.डी.बी ने उस एस.एस.आई यूनिट को 2 लाख रु0 का नकद पुरस्कार आरम्भ किया है जिसने एक प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद का सफलतापूर्वक वाणिज्यीकरण कर लिया है। पहला एस.एस.आई पुरस्कार 11 मई, 2001 को प्रदान किया गया था।

## राष्ट्रीय पुरस्कार 2006

वे औद्योगिक संस्थाएं, जिन्होंने अप्रैल 1999 के पश्चात देशीय प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण कर लिया है, प्रौद्योगिकी दिवस,11 मई 2006 को प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों के लिए आवेदन करने की पात्र थीं। विज्ञापन के जवाब मे टी.डी.बी. को 62 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 31 आवेदन-पत्र 10 लाख के पुरस्कार के लिए और 9 आवेदन-पत्र 2 लाख के पुरस्कार के लिए और 22 आवेदन दोनों पुरस्कारों के लिए थे।

राट्रीय पुरस्कार 2006 के लिए गठित चयन समिति में अध्यक्ष के पद पर डा0 आर.चिदम्बरम, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार, डा0लालजी सिंह, निदेशक, सेंटर फॉर सेलुलर एंड मोल्यूकुलर बायोलॉजी (सी.एस.आई आर) हैदराबाद और श्री एन.के.शर्मा, भूतपूर्व प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम, नई दिल्ली शामिल थे।

चयन समिति ने डायबिटिक फुट अल्सर के लिए रीजेन-डीटीएम - 150 और जलने और त्वचा ग्राफ्ट के लिए रीजेन-डीटीएम-60 ब्रांड नाम के अंतर्गत सार्वजनिक-निजी भागीदारी के जरिए रिकाम्बीनेंट ह्यूमन एपीडर्मल ग्रोथ फैक्टर (आर.एच.ई.जी.एफ) के वाणिज्यीकरण के लिए प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए भारत बायोटैक इंटरनेशनल लि0, हैदराबाद और इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, दिल्ली का चयन किया।

मै0 भारत बायोटैक इंटरनेशनल लिमि0,हैदराबाद को वर्ष 1996 में शमिल किया गया था। कंपनी के पास श्रेष्ठ

# PROMOTIONAL ACTIVITIES

## NATIONAL AWARDS ON TECHNOLOGY DAY

The Technology Development Board instituted a 'National Award for successful commercialization of indigenous technology' by an industrial concern. The National Award consists of two components: (i) to the industrial concern that has successfully commercialised the indigenous technology and (ii) to the developer/provider of such technology. Each component carries a cash award of five lakh rupees and a trophy. The National Award was given for the first time on the occasion of the Technology Day on 11th May 1999. In 2005, Board decided that in case, the technology developer / provider and technology commercializer are two different organizations, each one would be eligible for award of Rs. 10 lakhs and a trophy.

## AWARD FOR SSI UNIT

In August 2000, TDB introduced a cash award of Rs. 2 lakhs to a SSI unit that has successfully commercialised a technology-based product. The first SSI award was given on 11th May, 2001.

## NATIONAL AWARD 2006

The industrial concerns that have commercialised indigenous technologies after April 1999 were eligible to apply for the awards to be presented on Technology Day, 11th May 2006. In response to the advertisements, TDB received 62 applications 31 applications for the award of Rs. 10 lakhs and 9 applications for the award of Rs. 2 lakhs and 22 applications for both awards.

The Selection Committee, constituted for the National Award 2006, consisted of Dr. R. Chidambaram, Principal Scientific Advisor to Govt. of India as Chairman, Dr. Lalji Singh, Director, Centre for Cellular & Molecular Biology (CSIR.), Hyderabad and Shri N.K. Sharma, Former Managing Director, National Research Development Corporation, New Delhi

The Selection Committee selected Bharat Biotech International Limited, Hyderabad, and Institute of Genomics and Integrative Biology, Delhi for developing the technology for the commercialization of recombinant human Epidermal Growth Factor (rhEGF) through a Public-Private Partnership under the Brand name REGEN-D-150 for diabetic foot ulcers and REGEN-D-60 for burns and skin grafts.

M/s Bharat Biotech International Limited, Hyderabad was incorporated in the year 1996. The Company has a group of eminent scientists, clinicians and technocrats. The in-house R&D is

वैज्ञानिकों, चिकित्साविदो और तकनीकीविदों का समूह है । घरेलू आर.एंड.डी वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विकास,विज्ञान एंव तकनीकी मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है ।

ये पुरस्कार डायबिटिक फुट अल्सर, जलने तथा त्वचा ग्राफ्ट के लिए वैक्सिन विकसित करने के लिए दिए गए थे ।

कंपनी ने यह वैक्सिन एक वहनीय कीमत पर तैयार की हैं जो भारतीय जनसाधारण और शेष विकासशील विश्व की जरूरतों को पूरा करेगी ।

एस.एस.आई यूनिट के लिए पुरस्कार-2006

चयन समिति ने एस.एस.आई यूनिट के लिए पुरस्कार के लिए मै0 एस.ई.सी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद और मै0 ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स,चेन्नई को चुना है ।

मै0 एस.ई.सी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमि0,हैदराबाद को देशी रूप से स्ट्रेच फार्मिंग मशीन डिजाइन करने और विनिर्माण करने के लिए चुना गया है । कंपनी ने नवीन तकनीकों और उपकरणों का विकास करने की अपनी खोज में यह पता लगाया कि कोंटूर स्ट्रेच फॉर्मिंग टैक्नोलॉजी की आवश्यकता मिसाइल और एयरक्राफ्ट के नोज़ कोन खंडों, जो देश में उपलब्ध नहीं है, में प्रयुक्त ओजाइव शेप्ड प्रोफाइल्स (एरोफॉयल्स) के विनिर्माण के लिए होती है । एकमात्र आयातित मशीन हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिकल्स लि0(एच.ए.एल),बैंगलोर के पास उपलब्ध है । यह मशीन टाइटेनियम को हैंडल करने में सक्षम है जो कि प्रक्रिया करने के लिए एक अत्यंत ही कठिन सामग्री है और 300 से 1200 मिमी0 लम्बाई और 30 से 1000मिमी0 व्यास तक की व्यापक श्रेणी का उत्पादन करने में सक्षम है । इससे प्राप्त उत्पाद रिंकल फ्री, स्क्रेच फ्री और डेंट फ्री सर्फेस के होते हैं जो इसे एरोस्पेस मानकों के अनुकूल बनाते हैं ।

मै0 ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स चेन्नई को कस्टम मेगाटी.एम प्रोसथीसिस के विकास और विनिर्माण के लिए चुना गया था, जो कंधे, कोहनी, कलाई, घुटने, टखने और पेल्विक क्षेत्र के शारिरिक क्षेत्र में बोन ट्यूमर के लिए लिम्ब साल्वेज सर्जरी के पश्चात हड्डी की खराबी को दूर करता है ।

बोर्ड ने चयन समिति को पुरस्कार विजेताओं का चयन करने के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया ।

## पुरस्कारों का प्रस्तुतिकरण

डॉ. मोंटेक सिंह आहलुवालिया, उपाध्यक्ष, योजना आयोग नई दिल्ली में 11 मई, 2006 को आयोजित प्रौद्योगिकी दिवस 2006 के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि थे । उपाध्यक्ष, योजना आयोग ने भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि0, हैदराबाद और इंस्टीट्यूट ऑफ जेनामिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, दिल्ली को 10 लाख रुपये और एक ट्राफी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया । उन्होंने मैसर्स एसईसी इंडस्ट्रीज प्रा.लि., हैदराबाद और मैसर्स ईगल इंजीनियरिंग वर्क्स, चैन्नई प्रत्येक को 2 लाख रुपये और ट्राफी प्रदान की ।

श्री कपिल सिब्बल, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और महासागर विकास ने स्वागत

recognized by the Department of Scientific and Industrial Research, Ministry of Science and Technology.

The award was given for developing vaccines for Diabetic Foot Ulcers, Burns and Skin Grafts.

The company has developed vaccines at an affordable price which can address to needs of the Indian populace as well as the rest of the developing world.

## AWARD FOR SSI UNIT 2006

The Selection Committee selected M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad and M/s Eagle Engineering Works, Chennai for the award for SSI Unit.

M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad was selected for designing and manufacturing Stretch Forming Machine indigenously. The company in its quest for developing innovative technologies and equipments identified that Contour Stretch Forming Technology is required to manufacture Ogive shaped profiles (Aerofoils) used in nose cone sections of missiles and aircrafts which is not available in the country. The only imported machine is available with Hindustan Aeronauticals Limited (HAL) Bangalore. The machine is capable of handling Titanium, an extremely difficult material to process and is capable of producing wide range of sizes from 300 to 1200mm length and 30 to 1000 mm diameter. The products obtained are wrinckle free, scratch free and dent free surface conforming to aerospace standards.

M/s Eagle Engineering Works, Chennai, was selected for developing and manufacturing Custom MEGATM Prosthesis which replaces bone defects after limb salvage Surgery for bone tumors in the anatomical area of the shoulder, elbow, wrist, knee, ankle and pelvic region.

The Board expresses its grateful appreciation to the members of the Selection Committee for selecting the award winners.

## PRESENTATION OF THE AWARDS

Dr. Montek Singh Ahluwalia, Vice Chairman, Planning Commission, was the Chief Guest at the National Awards Function of the Technology Day 2006 held on 11th May, 2006 at New Delhi. The Vice Chairman, Planning Commission presented the National Award of Rs. 10 lakhs and a trophy to Bharat Biotech International Limited, Hyderabad, and Institute of Genomics and Integrative Biology, Delhi. He also presented Rs. 2 lakhs and a trophy each to the SSI units, M/s SEC Industries Private Limited, Hyderabad and M/s Eagle Engineering Works, Chennai.

Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of State (Independent Charge) for Science and Technology

भाषण दिया। प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान डॉ. वी.सुमंतरन ने दिया। समारोह में बहुत अधिक संख्या में लोगों ने भाग लिया ।

इस अवसर पर टी डी बी ने एक प्रदर्शनी लगायी जिसमें टी डी बी द्वारा समर्थित वित्तीय परियोजनाओं को चित्रित करते हुए पोस्टर लगाये थे और टी डी बी की सहायता के साथ वाणिज्यिक उद्यमों द्वारा लाये गये उत्पाद थे। टी डी बी ने इस अवसर पर विवरणिका और पंफलेट निकाले। इस अवसर का टीडीबी द्वारा सहायता प्रदत्त नये उत्पादों को भी जारी करने के लिए उपयोग किया गया।

## उद्योग के साथ सहक्रिया बैठकें

टी डी बी ने उद्योग एसोसिएशनों, आर एण्ड डी संगठनों आदि के माध्यम से उद्योग, संभावित उद्यमियों और प्रौद्योगिकी प्रवर्तकों के साथ सहक्रिया बैठकों की श्रृंखला आयोजित की है। टी डी बी विभिन्न प्रदर्शनियों में भी सहभागिता करता है।

इन बहुकार्यात्मक प्लेटफार्म के माध्यम से टी डी बी का उद्देश्य उद्योगों, आर एण्ड डी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योग के आन्तरिक आर एंड डी यूनिटों में, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संगठनों आदि में स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों के लिए विशेष रूप से उनके वाणिज्यीकरण के प्रयासों हेतु आसान शर्तों पर वित्तीय सहायता की उपलब्धता पर जानकारी का सृजन करना है। संभावित निवेशकों को प्रौद्योगिकीय और नवीन परियोजनाएं प्रस्तुत की गयी।

सितंबर, 1996 से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन इस प्रकार की बैठकें भारत और विदेश में जैसे- अहमदाबाद, बंगलौर, बीजिंग (चीन), भोपाल, भुवनेश्वर, बीकानेर, चण्डीगढ़, चेन्नई, चिदंबरम, कोयम्बटूर, देहरादून, दिल्ली, देवांगिरि, गंगटोक, गुजरात, गुड़गांव, हैनोवर, (जर्मनी) हैदराबाद, हुबली, इम्फाल, इन्दौर, जयपुर, जम्मु, जोहान्सवर्ग (दक्षिण अफ्रीका), कानपुर, कोच्चि, कोलकाता, लखनऊ, लुधियाना, मैड्रिड (स्पेन), मदुरै, मुम्बई, मैसूर, नौएडा, नागपुर, ऑक्सफोर्ड (यू.के.), पुणे, राजमुंदरी, राजापलायम, राजकोट, रुड़की रूड़पुर,, साओ पालो (ब्राजील), शिमला, तिरूवन्तपुरम, तिरूचिरापल्ली, उदयपुर, वापी, वेल्लौर, विजयवाड़ा में आयोजित की गई।

टी डी बी द्वारा अब तक हस्ताक्षरित करारों के राज्य - वार संवितरण का एक विश्लेषण उल्लेख करता है कि स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए वाणिज्यिक उद्यमों को प्रोत्साहित करने तथा उन अन्य राज्यों और संघ राज्यों में, जिनको अभी शामिल नहीं किया गया है, संयंत्र स्थापित किये जाने की आवश्यकता है।

टी डी बी की पुनरीक्षा समिति ने सिफारिश की है कि टी डी बी द्वारा वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त सफल उद्यमियों को ऐसी पारस्परिक सहक्रिया बैठकों में सम्बद्ध किया जाये। इसके अतिरिक्त, टीडीबी ने चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, व्यापार संघों और देश भर में फैले संस्थानों के घनिष्ठ समन्वय में कार्यशालाओं में भाग लिया तथा इन्हें आयोजित किया।

टी डी बी के अधिकारियों ने 2006-07 के दौरान प्रदर्शनियों तथा उद्योग तथा संस्थानों के साथ हुई आपसी विचार-विमर्श बैठकों में भी सहभागिता की। इनकी सूची निम्नवत् है:

and Ocean Development gave the welcome address. The Technology Day Lecture was given by Dr. V. Sumantaran. The function was very well attended.

On this occasion, TDB organized an exhibition consisting of posters depicting projects financially assisted by TDB and products brought out by commercial enterprises with TDB's assistance. TDB also brought out a brochure and pamphlets on this occasion. The occasion was also used for release of new products assisted by TDB.

## INTERACTIVE MEETINGS WITH INDUSTRY

TDB organises a series of interactive meetings with industry, potential entrepreneurs and technology providers through the industry associations, R&D organizations, etc. TDB also participates in various exhibitions.

Through these multifunctional platforms, TDB aims at creating an awareness amongst the industries, R&D organisations, academic institutions, in-house R&D units in the industry, Scientific and Industrial Research Organisations, etc., on the availability of financial assistance on soft terms for their commercialisation efforts especially for indigenously developed technologies. Potential investors were presented with technological and innovative projects.

Such meetings have been held in India and abroad under the Ministry of Science & Technology at Ahmedabad, Bangalore, Beijing (China), Bhopal, Bhubaneswar, Bikaner, Chandigarh, Chennai, Chidambaram, Coimbatore, Dehradun, Delhi, Devangere, Gangtok, Gujarat, Gurgaon, Hannover (Germany), Hyderabad, Hubli, Imphal, Indore, Jaipur, Jammu, Johannesburg (South Africa), Kanpur, Kochi, Kolkata, Lucknow, Ludhiana, Madrid (Spain), Madurai, Mumbai, Mysore, Noida, Nagpur, Oxford (U.K.), Pune, Rajahmundry, Rajapalayam, Rajkot, Roorkee, Rudrapur, Sao Paulo (Brazil), Shimla, Thiruvananthapuram, Tiruchirappalli, Udaipur, Vapi, Vellore, Vijayawada since September 1996.

An analysis of the state-wise distribution of agreements signed so far by TDB indicates that more efforts are needed to encourage commercial enterprises to adopt indigenous technologies and set up plants in other States and Union Territories that have not been covered so far.

TDB has associated with the successful entrepreneurs, assisted by TDB, in such interactive meetings as recommended by Review Committee. Further, TDB participated and organized workshops in close co-ordination with chambers of commerce, trade associations and institutions spread all over the country.

TDB officers participated in exhibitions and interactive meetings held with industry and institutions during 2006-07. These are listed below.

**अप्रैल 19, 2006 :** भारत-क्रोएशियन संयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी समिति की बैठक 19 अप्रैल, 2006 को कुतुब होटल, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली में आयोजित की गई। श्री दिनेश शर्मा, सचिव, टीडीबी ने बैठक में भाग लिया और प्रौद्योगिकी विकास और इनके वाणिज्यीकरण के लिए वित्त-पोषण उपलब्ध कराने के अवसरों पर टीडीबी की भूमिका पर एक प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया।

**अप्रैल 24-28, 2006 :** 24 से 28 अप्रैल, 2006 में हैनोवर, जर्मनी में प्रदर्शनी मैदान में हैनोवर व्यापार मेला आयोजित किया गया। 24 अप्रैल, 2006 को भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तथा जर्मन चांसलर डॉ. एंजेला मारकेल ने मेले का उद्घाटन किया। टीडीबी के श्री एम.एल. गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' और श्री महेन्द्र पाल, वैज्ञानिक 'एफ' ने भाग लिया। उन्होंने टीडीबी द्वारा प्रारंभ की गई वित्तपोषण पहल का और नई प्रौद्योगिकियों में इसकी विशिष्ट भूमिका का उल्लेख किया।

**मई, 11-13, 2006 :** टीडीबी ने विजनाना भारती को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में भारतीय धरोहर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने और 11 से 13 मई, 2006 में आईआईएससी, बैंगलोर में प्रौद्योगिकी दिवस मनाने के लिए वित्तीय सहायता मुहैय्या कराई। प्रो.वी.एस.राममूर्ति, पूर्व अध्यक्ष, श्री दिनेश शर्मा, सचिव और डॉ. रेणु बापना, वैज्ञानिक 'एफ' टीडीबी ने इस सेमिनार में भाग लिया। नवीन प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता लेने के लिए टीडीबी वित्तपाषण दिशा-निर्देशों पर एक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

**जून 7-9, 2006 :** टीडीबी ने 7-9 जून, 2006 के दौरान बैंगलोर में बैंगलोर बायो, 2006 इवेंट की प्रदर्शनी में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोटैक्नोलॉजी, भेषजस्यूटिकल और वित्तीय क्षेत्रों की एकजुट भागीदारी, उत्पादों एवं सेवाओं का नवीन प्रदर्शन, संकल्पनाओं का बाजारों में परिवर्तन, निवेश की खोज और नए संबंध स्थापित करना था। प्रदर्शनी में 70 से भी अधिक संगठनों/एजेंसियों ने भाग लिया। टीडीबी की स्टॉल पर पिछले 10 वर्षों में टीडीबी द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों को दर्शाया गया था। टीडीबी को उद्यमियों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी।

**जून 13, 2006 :** 13 जून, 2006 को मै. जैक्सन क्लेयर कंसलटेंट्स इंटरनेशनल, यूएसए और मै. सिंहानिया एंड कंपनी, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से "अमेरिका में व्यापार करना : चुनौतियां एवं अवसर" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। श्री एच. पुरुषोत्तम वैज्ञानिक 'जी', टीडीबी ने "प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) की भूमिका - आंतरिक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण" पर विधि फर्मों, आईपीआर परामर्शदाताओं और उद्योगों से आए 40 प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया।

**जुलाई 3-5, 2006 :** जुलाई 3-5, 2006 को फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स और इंडस्ट्रीज (फिक्की) ने समुद्री जोखिम और अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगों जैसे- दूरसंचार, ऊर्जा एवं कूड़ा कचरा उपयोगिता, कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, रसायन एवं जल उपचार ने सेमिनार में भाग लिया। डॉ. रेणु बापना, वैज्ञानिक 'एफ' ने "प्राकृतिक आपदा सूचना प्रणाली (एनडीआईएस) : जीवन बचाने के लिए एक पीपीपी

**April 19, 2006:** A meeting of the Indo-Croatian Joint Science and Technology Committee was held on 19th April 2006 at Qutab Hotel, New Mehrauli Road, New Delhi. Shri Dinesh Sharma, Secretary, TDB attended the meeting and made a presentation on the role of TDB for providing funding opportunities for Technology Development and its commercialisation

**April 24-28, 2006:** Hannover Trade Fair 2006 was held during 24th to 28th April, 2006 at Exhibition Ground, Hannover, Germany. Prime Minister of India Dr. Manmohan Singh along with the German Chancellor Dr. Angela Merkel inaugurated the fair on April 24, 2006. Shri M.L Gupta, Scientist 'G' and Dr. Mahendra Pal, Scientist 'F' participated from TDB. They highlighted the funding initiatives undertaken by TDB and specific role played by it in commercializing new technologies.

**May 11-13, 2006:** Technology Development Board provided financial assistance to Vijanana Bharati for organizing a National Seminar on Bharatiya Heritage in Engineering and Technology and Technology Day Celebration at IISc., Bangalore from 11th 13th May 2006. Prof. V.S. Ramamurthy, Former Chairperson, Shri Dinesh Sharma, Secretary and Dr. Renu Bapna, Scientist 'F', TDB attended the Seminar. A presentation was made on TDB Funding Guidelines for seeking financial assistance for an innovative commercial project.

**June 7 -9, 2006:** TDB participated in the exhibition at the Bangalore Bio 2006 event held during 7th 9th June 2006 at Bangalore. The event aimed to bring together participation from the biotechnology, pharmaceutical and financial sectors, offering a platform to showcase innovations in products and services, transform concepts into markets, explore investment and forge new alliances. More than 70 organizations/ agencies participated in the exhibition. The achievements made by TDB during the last 10 years were displayed at the stall of TDB. TDB received a good response from entrepreneurs.

**June 13, 2006:** A conference on "Doing Business in USA: Challenges & Opportunities" was organized on 13th June 2006 jointly by M/s Jackson Blair Consultants International, USA and M/s Singhania & Co., New Delhi. Shri H. Purushotham Scientist 'G', TDB delivered a lecture on "Role of Technology Development Board (TDB) Inward Technology Transfer" to 40 participants from Law Firms, IPR Consultants and Industry.

**July 3-5, 2006:** Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) organized International Conference on Marine Hazards and Opportunity during July 3-5, 2006 at Chennai. Industries from various sectors including Telecommunications, Energy and Waste Utilization, Agriculture, Information Technology, Chemicals and Water Treatment participated in the conference. Dr. Renu Bapna, Scientist 'F' presented a talk on 'Natural Disaster Information System (NDIS) : A PPP Effort to save Lives' and appraised about the TDB funded NDIS pilot project

प्रयास'' पर एक व्याख्यान दिया और चेन्नई और नागापट्टनम समुद्री क्षेत्रों में मानसून से पूर्व तूफानों इत्यादि के लिए चेतावनी-संदेश भेजने के लिए टीडीबी द्वारा वित्तपोषित एनडीआईएस पायलट परियोजना से अवगत कराया। उन्होंने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के वित्तपोषण दिशा-निर्देशों की भी चर्चा की।

**जुलाई 27, 2006 :** 27 जुलाई, 2006 को नवीन प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण के लिए टीडीबी के वित्तपोषण अवसर पर श्री एच.पुरुषोत्तम वैज्ञानिक 'जी' द्वारा इंडस्ट्रीज प्लाज्मा टेक्नोलॉजी, गुजरात एसएमईएस के लिए सुविधा केन्द्र द्वारा आयोजित प्लाज्मा प्रोसेसिंग-इंडस्ट्रीज इंटरएक्शन मीट पर एक सेमिनार के दौरान एक प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने उद्यमियों के साथ बातचीत की तथा उन्हें टीडीबी के वित्तपोषण दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से बताया।

**अगस्त 29, 2006 :** 29 अगस्त, 2006 को डॉ. रेणु बापना, वैज्ञानिक 'एफ' ने वेंचर इंटेलीजेंस इंडिया हैदराबाद द्वारा आयोजित ''लाइफ साइंस कनक्ट'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी के दौरान भारतीय प्राणी जगत क्षेत्र में वाणिज्यीकरण के अवसरों पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। भारतीय कंपनियों को अपने शोधों को व्यवसायिक उत्पादों में परिवर्तित करने के लिए टीडीबी द्वारा विभिन्न वित्तपोषण सहायता पर एक पूर्वावलोकन दिया गया।

**सितंबर,2-3, 2006 :** आईआईटी, रुड़की के बायोटेक्नोलॉजी विभाग ने 2-3 सितंबर, 2006 को नेशनल बायोटेक कांफ्रेंस आयोजित की। डॉ. महेन्द्रपाल, वैज्ञानिक 'एफ' ने सहायक बायोटेक परियोजनाओं में इसकी भूमिका के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। आईआईटी, रुड़की तथा उत्तरांचल के आसपास के शहरों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने सेमिनार में भाग लिया।

**सितंबर 8-11, 2006 :** कॉनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) ने बीजिंग में भारतीय दूतावास के सहयोग से बीजिंग (चीन) में 8-11 सितंबर, 2006 के दौरान चौथे ''मेड इन इंडिया शो'' का आयोजन किया। टीडीबी ने विभिन्न भारतीय उद्योगों और नवीन प्रौद्योगिकियों की अन्य 50 कंपनियों के साथ शो में भाग लिया जिसका भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री कपिल सिब्बल ने 8 सितंबर, 2006 को उद्घाटन किया। डॉ. रेणु बापना, वैज्ञानिक 'एफ' और श्री अशोक चौहान, लेखा अधिकारी ने प्रदर्शनी में भाग लिया और रेडियो चीन द्वारा प्रसारित किए गए आपसी विचार-विमर्श लाइव शो में भी भाग लिया।

implemented at Chennai and Nagapattinam coastal areas during preceding monsoon for sending alert messages for cyclones, etc. She also deliberated on Funding Guidelines of Technology Development Board.

**July 27, 2006:** A presentation was made on "TDB's Funding Opportunities for Commercialization of Innovative Technologies" by Shri H. Purushotham Scientist 'G', at a conference on Plasma Processing Industry Interaction Meet organized by Facilitation Centre for Industrial Plasma Technologies, Gujarat, for SMEs on 27th July 2006. He also interacted with the entrepreneurs and gave them details about funding guidelines of TDB.

**August 29, 2006:** Dr. Renu Bapna, Scientist 'F', made a presentation on 'Opportunities for commercialization in the Indian Life Sciences Sector' during a one-day conference on 'Life Science Connect' organized by Venture Intelligence India, Hyderabad on 29th August, 2006. An overview of the kinds of funding support given by TDB to help Indian companies translate their research into commercial products or services was provided.

**September 2-3, 2006:** The Biotechnology Department of IIT Roorkee organized the National Biotech Conference on 2-3rd September 2006. Dr. Mahendra Pal, Scientist 'F', presented about TDB funding guidelines and its role in supporting biotech projects. About 100 delegates from IIT Roorkee and nearby cities of Uttaranchal attended the conference.

**September 8-11, 2006:** Confederation of Indian Industries (CII) in cooperation with the Embassy of India in Beijing, organized 4th 'Made in India Show' from 8th11th September, 2006 at Beijing, China. TDB alongwith 50 other companies representing a cross section of Indian Industries & Innovative Technologies participated in the show that was inaugurated by Union Science & Technology Minister, Govt. of India, Shri Kapil Sibal on 8th September, 2006. Dr. Renu Bapna, Scientist 'F' and Shri Ashok Chauhan, Accounts Officer, participated in the exhibition and also participated in an interactive live show telecasted by Radio China.

**सितंबर 18-20, 2006** : श्री पुरुषोत्तम, वैज्ञानिक 'जी' को खनन एवं ऊर्जा मंत्रालय, ब्रासीलिया, ब्राजील सरकार द्वारा आमंत्रित किया गया कि वे ऊर्जा शोध के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत् सात ऊर्जा विशेषज्ञों के एक भारतीय दल का नेतृत्व करें। भारतीय दल ने 18-20 सितंबर, 2006 को ब्राजील का दौरा किया और ऑफ ग्रिड पावर जेनरेशन जिसमें नवीकरण ऊर्जा पर भारतीय आर एंड डी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ऊर्जा प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण के लिए भारत में अपनाई गई नवीन वित्तपोषित प्रणाली शामिल है। नवीन प्रौद्योगिकियों के व्यवसायिकरण के लिए टीडीबी द्वारा अपनाई गई वित्तीय प्रणालियों का कार्यशालाओं की सिफारिशों में एक उदाहरण के रूप में उल्लेख किया गया ताकि सदस्य देश भी शोध की गतिविधियों में वृद्धि कर सकें।

**अक्तूबर 7, 2006** : डॉ. महेन्द्रपाल ने 7 अक्टूबर, 2006 को कोयम्बटूर में वीआईटी-टीबीआई द्वारा आयोजित ''इनोवेटर आइडेंटिफिकेशन कैंप'' में भाग लिया। कैंप का उद्देश्य कोयम्बटूर के नए उद्यमियों की पहचान करना था जो कि वीआईटी-टीबीआई द्वारा इनक्यूबेटिड हों और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए मूल सहायता प्रणाली प्रदान करना था। डॉ. पाल ने लगभग 100 प्रतिनिधियों के साथ आपसी विचार-विमर्श किया जिन्होंने कैंप में भाग लिया तथा उन्हें टीडीबी के वित्त-पोषण दिशा-निर्देशों से अवगत कराया।

**अक्तूबर 17, 2006** : 17 अक्टूबर, 2006 को डॉ. रेणु बापना वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा उदयपुर मे, उदयपुर चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (यूसीसीआई) द्वारा चैम्बर के सदस्य उद्योगपतियों और उदयपुर के आस-पास के मुख्य उद्योगों के प्रौद्योगिकी उद्यमियों और वरिष्ठ कार्यकारियों के लिए आयोजित एक परस्पर विचार-विमर्श सत्र में ''नवीन प्रौद्योगिकी के व्यवसायिकरण के लिए वित्त-पोषण अवसरों'' पर एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। परस्पर विचार-विमर्श सत्र को आयोजित करने का उद्देश्य देशीय प्रौद्योगिकियों के व्यवसायिकरण के लिए वित्त-पोषण से अवगत कराना तथा सदस्यों के लाभ के लिए टीडीबी की सहायता लेने वालों के लिए दिशा-निर्देश देना था।

**अक्तूबर 23-28, 2006** : श्री दिनेश शर्मा और श्री आनंद एस. खाटी, निदेशक टीडीबी ने 23-28 अक्तूबर, 2006 को सीडीटीआई के मुख्यालय स्पेन का दौरा किया। टीडीबी के अधिकारियों ने सीडीटीआई प्रबंधन, इसके हितधारियों और उद्योग संघों से परस्पर बातचीत की। उन्होंने 27 अक्तूबर, 2006 को आयोजित इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी को-ऑपरेशन विषय पर दूसरी सीडीटीआई वार्षिक संगोष्ठी में भी भाग लिया। श्री आनंद ने भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षमताओं तथा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड विषय पर एक प्रस्तुतीकरण दिया जिसमें उनकी संबंधित उपलब्धियों और द्विपक्षीय कार्यक्रम- संयुक्त सीडीटीआई-टीडीबी प्रारंभ की विशेषताओं को दर्शाया गया है। सचिव, टीडीबी ने महत्वपूर्ण ''चर्चा पैनल'' में भाग लिया और टीडीबी द्वारा अपने लिए और भविष्य की क्षमताओं के साथ-साथ भारतीय वैज्ञानिक तकनीकी और आर्थिक उपलब्धियों के लिए गढ़े गए महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

**नवंबर 6-10, 2006** : डॉ. महेन्द्रपाल ने 6-10 नवंबर, 2006 को हैदराबाद में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित बिजनेस इनक्यूबेशन विषय पर दूसरे ग्लोबल फोरम में भाग लिया। डॉ. पाल ने प्रतिनिधियों के साथ परस्पर बातचीत की और इंटरनेशनल इनक्यूबेशन फंड विषय पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और नई कंपनियों/उद्यमियों को टीडीबी की वित्तीय सहायता दिए जाने विषय पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया।

**September 18-20, 2006:** Shri H. Purushotham, Scientist 'G', was invited by Ministry of Mines and Energy, Brasilia, Brazil Govt. to bring and lead an Indian Delegation consisting of seven energy experts working in different areas energy research. The Indian delegation visited Brazil on 18th to 20th September 2006 and compiled a country status paper on Off-Grid Power Generation including Indian R&D on renewable energy, international collaborations and innovative funding mechanisms adopted in India to commercialize energy technologies. The financial mechanisms followed by TDB for commercialization of innovative technologies has been mentioned in the workshop recommendations as an example to be followed by the member countries to accelerate the movement of research to deployment.

**October 7, 2006:** Dr. Mahendra Pal attended "Innovator Identification Camp" organized by VIT-TBI on 7th October, 2006 at Coimbatore. The camp was aimed to identifying new entrepreneurs from Coimbatore who could be incubated by VIT-TBI and provided Seed Support fund for development of technology. Dr. Pal interacted with about 100 delegates who attended the camp and apprised them about the funding guidelines of TDB.

**October 17, 2006:** A presentation was made on 17th October, 2006 on 'Funding opportunities for commercialization of innovative technologies' by Dr. Renu Bapna, Scientist 'F' at interactive session organized by Udaipur Chamber of Commerce & Industry (UCCI) for member industrialists of Chamber, Techno-Entrepreneurs and Senior Executives of the leading industries around Udaipur. The interactive session was organized to apprise about the funding opportunities for commercialization of indigenous technologies and guidelines for seeking TDB assistance for the benefit of the members.

October 23-28, 2006: Shri Dinesh Sharma, Secretary & Shri Anand S. Khati, Director, TDB visited CDTI Headquarters in Spain during 23rd -28th October, 2006. TDB officers interacted with CDTI management, its beneficiaries and industry associations. They also participated in 2nd CDTI Annual Conference on International Technology Co-operation which was held on 27th October, 2006. Shri Anand S. Khati gave a presentation on Indian Science and Technology capabilities and Technology Development Board highlighting their respective achievements and on the prospects of Bilateral Program- a joint CDTI-TDB initiative. Secretary, TDB participated in the significant 'Discussion Panel' and deliberated on special role TDB has carved for itself and its future capabilities vis-à-vis Indian Scientific, Technical and Economical achievements.

**November 6-10, 2006:** Dr. Mahendra Pal attended the Second Global Forum on Business Incubation organized by Department of Science and Technology at Hyderabad during 6th-10th November 2006. Dr. Pal interacted with the delegates and exchanged views on the international incubation funds and shared the views on TDB's financial assistance to the new companies / entrepreneurs.

**नवंबर 18, 2006 :** श्री एस.पुरुषोत्तम, वैज्ञानिक 'जी' ने 18 नवंबर, 2006 को मुंबई में भारतीय बायोटेक क्षेत्र के लिए एसोसिएशन ऑफ बायोटेक्नोलॉजी लेड इंटरप्राइजेज (एबीएलई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में 'द पैनल डिस्कशन ऑन इनोवेशन फंडिंग' विषय में भाग लिया। टीडीबी की योजनाओं और नवीन प्रौद्योगिकियों के वित्त पोषण में टीडीबी की भूमिका पर एक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

**जनवरी 3-7, 2007 :** टीडीबी ने 3 से 7 जनवरी, 2007 को चिदंबरम (तमिलनाडु) में 94वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में भाग लिया।

**फरवरी 9, 2007 :** 9 फरवरी, 2007 को सीआईआई और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) द्वारा कॉनफीडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई), चंडीगढ़ में प्रौद्योगिकी और नवीनीकरण वित्तपोषण विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. महेन्द्र पाल ने कार्यशाला में एक प्रस्तुतीकरण दिया और 40 प्रतिनिधियों से परस्पर बातचीत की तथा उन्हें टीडीबी की योजनाओं से अवगत कराया।

**मार्च 9-11, 2007 :** डॉ. महेन्द्रपाल ने 9-11 मार्च, 2007 तक मैसूर में श्री जयाचामाराजेन्द्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (एसजेसीई) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संगोठी में टीडीबी द्वारा नवीन उद्यमों के लिए वित्तीय सहायता के ऊपर एक प्रस्तुतीकरण दिया। संगोष्ठी में उद्योगों से, एसजेसीई के छात्र, फैकल्टी और एसजेसीई-एसटीईपी के इनक्यूबेटेंस के लगभग 50 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उन्होंने डॉ. पाल से टीडीबी की वित्तपोषण दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए परस्पर बातचीत की।

**मार्च 16-17, 2007 :** श्री दिनेश शर्मा, सचिव टीडीबी एवं श्री एच.पुरुषोत्तम, वैज्ञानिक 'जी' टीडीबी ने 16-17 मार्च, 2007 को मुंबई में इंडियन केमिकल काउंसिल एंड एंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा ''भारतीय प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण-सफलता एवं नए अवसर'' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। श्री शर्मा ने नवीन प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण में टीडीबी की भूमिका और इनक्यूबेटर्स को समर्थन प्रदान करने के लिए टीडीबी द्वारा सक्रियोन्मुखी भूमिका पर एक वार्ता की। श्री पुरुषोत्तम ने बायोलॉजिकल इवांस, हैदराबाद के सहयोग से कॉम्बो-वैक्सीन-ए ट्रिपल हेलिक्स एप्रोच के विकास एवं वाणिज्यीकरण विषय पर एक विषय अध्ययन प्रस्तुत किया।

## वेबसाइट

टीडीबी की वेबसाइट निम्नलिखित पते पर उपलब्ध है-

www.tdb.gov.in

**November 18, 2006:** Shri H. Purushotham, Scientist "G" participated in "The Panel Discussion on Innovation Funding for the Indian Biotech Sector" in conference organized by Association of Biotechnology Led Enterprises (ABLE) on 18th November 2006 at Mumbai. A presentation was made regarding scheme of TDB and the role of TDB in financing innovative technologies.

**January 3 – 7, 2007:** TDB participated in the exhibition organized during the 94th Indian Science Congress held in Chidambaram (TN) during 3rd to 7th January 2007.

**February 9, 2007:** A workshop on Technology and Innovation Funding at Confederation of Indian Industries (CII), Chandigarh was organized by CII and Technology Development Board (TDB) on 9th February, 2007. Dr. Mahendra Pal made presentation in the workshop and interacted with the 40 delegates apprising them about the schemes of TDB.

**March 9-11, 2007:** A presentation on TDB funding assistance for start-up ventures was made by Dr. Mahendra Pal at a three days seminar organized by Sri Jayachamarajendra College of Engineering (SJCE), Mysore during 9th-11th March, 2007. About 50 delegates from industry, students of SJCE, faculty and incubatees of SJCE-STEP attended the seminar and interacted with Dr. Pal to obtain information on TDB funding guidelines.

**March 16-17, 2007:** Shri Dinesh Sharma, Secretary & Shri H. Purushotham, Scientist 'G', TDB participated in National Seminar on "Commercialization of Indian Technologies-Success and New Opportunities" organized by Indian Chemical Council and Indian National Academy of Engineering on 16th-17th March, 2007 at Mumbai. Shri Sharma delivered a talk on the role of TDB in commercialization of Innovative Technology and proactive role taken by TDB in providing support to incubators. Shri Purushotham presented a case study in association with Biological Evans, Hyderabad on "development and commercialization of combo vaccine- A Triple Helix Approach".

## WEB SITE

The web-site for TDB is available on the following address:

www.tdb.gov.in

# अनुसंधान और विकास उपकर

1995 में यथा संशोधित अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 में प्रौद्योगिकी के आयात पर किये गये सभी भुगतानों पर प्रभार और उपकर की वसुली का प्रावधान है। शुल्क प्रभार 5% है। यह उपकर उस औद्योगिक कंपनी द्वारा देय होगा जो प्रौद्योगिकी का आयात ऐसे आयातों का भुगतान करने पर अथवा उससे पहले करती है। उपकर की प्राप्तियां भारत की संचित निधि के खाते डाली जाती हैं। उपकर स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोग और व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयोजनार्थ प्रभारित और वसूल किया जाता है।

एकत्र उपकर में से भारत सरकार, संसद द्वारा किये गये विनियोग के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और वाणिज्यीकरण तथा आयोतित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रयोग में लाये जाने हेतु प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु कोष में भुगतान करती है। कोष प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा शासित होता है।

**अनुसंधान और विकास उपकर वसूली और संवितरण** (करोड़ रू. में)

| वर्ष | उपकर वसूली (सीएजी के आंकड़े) | टीडीबी को आबंटन बजट अनुमान | संशोधित अनुमान | सरकार द्वारा टीडीबी को भुगतान | टीडीबी द्वारा प्राप्त उपकर वसूली का प्रतिशत (%) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1996-97 | 80.13 | 30.00 | 30.00 | 29.97 | 37.40 |
| 1997-98 | 81.42 | 70.00 | 49.93 | 49.93 | 61.33 |
| 1998-99 | 81.10 | 50.00 | 20.00 | 28.00 | 34.52 |
| 1999-2000 | 88.93 | 70.00 | 50.00 | 50.00 | 56.22 |
| 2000-01 | 98.91 | 70.00 | 63.00 | 62.79 | 63.48 |
| 2001-02 | 95.30 | 63.00 | 57.00 | 57.00 | 59.81 |
| 2002-03 | 99.47 | 58.00 | 56.00 | 56.00 | 56.30 |
| 2003-04 | 133.74 | 55.00 | 53.65 | 53.65 | 40.11 |
| 2004-05 | 156.99 | 54.00 | 48.10 | 48.10 | 30.64 |
| 2005-06 | 176.61 | 43.50 | 42.65 | 42.66 | 24.15 |
| 2006-07 | 186.56 | 33.50 | 4.90 | 4.32 | 2.31 |
| | | | | | |

# RESEARCH AND DEVELOPMENT CESS

The Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995, provides for the levy and collection of cess on all payments made towards the import of technology. The rate of cess is 5 percent. The cess is payable by an industrial concern which imports technology on or before making any payments towards such import. The proceeds of the cess are credited to the Consolidated Fund of India. The cess is levied and collected for the purpose of encouraging the commercial application of indigenously developed technology and for adapting imported technology to wider domestic application.

Out of the cess collections, the Government of India, through appropriations made by Parliament, pay to the Fund for Technology Development and Application to be utilized for development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology. The Fund is administered by the Technology Development Board.

**Research and Development Cess Collections and Disbursements** (Rupees in crore)

| Year | Cess Collection (CGA's figures) | Allocation to TDB | | Payments to TDB by Govt. | Percentage (%) of Cess Collection received by TDB |
|---|---|---|---|---|---|
| | | Budget Estimate | Revised Estimate | | |
| 1996-97 | 80.13 | 30.00 | 30.00 | 29.97 | 37.40 |
| 1997-98 | 81.42 | 70.00 | 49.93 | 49.93 | 61.33 |
| 1998-99 | 81.10 | 50.00 | 20.00 | 28.00 | 34.52 |
| 1999-2000 | 88.93 | 70.00 | 50.00 | 50.00 | 56.22 |
| 2000-01 | 98.91 | 70.00 | 63.00 | 62.79 | 63.48 |
| 2001-02 | 95.30 | 63.00 | 57.00 | 57.00 | 59.81 |
| 2002-03 | 99.47 | 58.00 | 56.00 | 56.00 | 56.30 |
| 2003-04 | 133.74 | 55.00 | 53.65 | 53.65 | 40.11 |
| 2004-05 | 156.99 | 54.00 | 48.10 | 48.10 | 30.64 |
| 2005-06 | 176.61 | 43.50 | 42.65 | 42.66 | 24.15 |
| 2006-07 | 186.56 | 33.50 | 4.90 | 4.32 | 2.31 |
| **Total** | **1279.16** | **597.00** | **475.23** | **482.42** | **37.71** |

## उपकर वसूली और भुगतान

निम्नलिखित तालिका में 1996-97 से (इस वर्ष जब से सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी बोर्ड का गठन किया गया था) टी डी बी नियतनों और टी डी बी को भुगतान बाबत वर्ष - वार उपकर वसूली को दर्शाया गया है।

वर्ष 1996-2007 के दौरान आर एण्ड डी उपकर एकत्रणों से प्राप्त कुल 1279.16 करोड़ रू. में से सरकार द्वारा 11 वर्षों ( 1996 - 2007) की अवधि के दौरान टी डी बी को 482.42 करोड़ रू. की संचित राशि उपलब्ध कराई गई है जो 11 वर्षों में किए गए आर एंड डी उपकर संग्रह का 37.71 S है।

11 मई, 2005 को प्रौद्योगिकी दिवस पुरस्कार समारोह के अवसर पर बोलते हुए तत्कालीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा महासागर विकास राज्य मंत्री ( स्वतंत्र प्रभार), श्री कपिल सिब्बल ने प्रौद्योगिकी के निर्यात पर लगने वाले उपकर के बारे में बताते हुए कहा कि यह टी डी बी के लिए एक संसाधन के रूप में वृद्धि करेगा। बढ़ते हुए दायित्वों को ध्यान में रखते हुए टी डी बी के लिए बजटीय सहायता में वृद्धि करने की आवश्यकता है। इसे यह सुनिश्चित कर बढ़ाया जा सकता है कि उपकर द्वारा एकत्रित राशि पूर्णतः टी डी बी के लिए ही हो। श्री पी चिदंबरम, माननीय वित्त मंत्री ने कहा कि वे टी डी बी को वर्तमान राजकोष के आरंभ से आबंटन में वृद्धि कर टी डी बी को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करेंगे ताकि निधियों की इसकी आवश्यकता को पूरा किया जा सके और यह स्वदेशी तौर पर विकसित प्रौद्योगिकी के वाणिज्यीकरण के अपने उद्देश्य को प्राप्त कर सके।

## समीक्षा समिति की सिफारिशें

टी डी बी पर समीक्षा समिति ने निम्नानुसार सिफारिशें ( फरवरी, 2003) की हैं:

" टी डी बी द्वारा आने वाले वर्षों में अदा की जाने वाली भूमिका को देखते हुए भी सरकार द्वारा आने वाले वर्षों में निधियों को पर्याप्त रूप से बढ़ाए जाने की आवश्यकता होगी। एक ऐसे चरण के आने की थी भी ही संभावना है जिसमें वर्ष ों के दौरान उपकर के अंतर्गत एकत्रित निधियों का पूरा अंतरण और उपकर की संचित राशि से भी कुछ भुगतान करने की आवश्यकता होगी।"

## Cess Collections and Payments

The following table indicates the year-wise cess collection from 1996-97 (the year in which the Technology Development Board was constituted by the Government), allocations to TDB and payments to TDB.

Of the total of Rs. 1,279.16 crore from R&D cess collection during the year 1996-2007, the Government has made available to TDB a cumulative sum of Rs. 482.42 crore over the period of 11 years (1996-2007). This works out to 37.71% of the R&D cess collections made in 11 years.

While speaking on the Technology Day Awards function on 11th May 2005, Shri Kapil Sibal, Hon'ble Minister of State (Independent charge) for Science and Technology and Ocean Development, stated, that cess levied on import of technology is to flow back to the TDB as a resource. Considering increasing responsibilities, TDB requires enhancement in budgetary support which can be achieved by ensuring that the money collected through the R&D cess is fully committed to TDB. Shri P. Chidambaram, The Union Minister of Finance, stated that he would make good the shortfall in providing financial support to TDB by enhancing the allocation beginning the current fiscal to meet its requirement of fund and to achieve objective of commercialization of indigenously developed technologies.

## Recommendations of the Review Committee

The Review Committee on TDB has recommended (February 2003) as follows:

"Taking also into account the role to be played by TDB in the years to come, the flow of funds from the Government will need to be stepped up substantially in the coming years. A stage is likely to be reached soon requiring the full transfer of funds collected under the Cess during the year and also liquidation of some of the accumulated amounts of Cess."

# प्रशासन

## वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखे

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के खण्ड 12 में यह उल्लिखित है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान इसके क्रियाकलापों का पूरा विवरण दिया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम के खण्ड 13(4) के अनुसार, बोर्ड द्वारा केन्द्र सरकार को लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ अपनी लेखाओं की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत की जाएगी। वर्ष 2005 - 06 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की वार्षिक लेखाओं की लेखापरीक्षित प्रति सहित वार्षिक रिपोर्ट 17 अगस्त, 2007 को लोक सभा के पटल पर और 20 अगस्त, 2007 को राज्य सभा के पटल पर प्रस्तुत की गयी थी।

## टी डी बी सचिवालय

श्री शशांक सिन्हा ने 12 अप्रैल, 2006 को पांच वर्ष के करार पर टी डी बी के समन्वयक का पदभार ग्रहण किया। डा.(श्रीमती) प्रीति सहाय को पांच वर्ष के अवधि के लिए अनुबंध आधार पर 1 मार्च, 2007 से बोर्ड के अनुमोदन पर परियोजना समन्वयक नियुक्त किया गया।

## आयकर से छूट

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नई दिल्ली ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 [(23सी(iv)] के अंतर्गत टीडीबी को आगे और अवधि यथा आकलन वर्ष 2000-01 और आगे के लिए दिनांक 18 मई, 2007 को जारी तथा दिनांक 21 मई, 2007 को जारी अधिसूचना सं0 173/2007 के तहत छूट प्रदान कर दी है।

## राजभाषा का कार्यान्वयन

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा अपने अस्तित्व में आने के बाद से ही संघ की राजभाषा से संबंधित विभिन्न प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है, और अधिसूचनाएं, वार्षिक रिपोर्टें, परियोजना वित्त पोषण संबंधी दिशा निर्देश, विवरणिकाएं, वाउचर्स आदि को हिन्दी और अंग्रेजी में मुद्रित किया गया है। विभिन्न प्रदर्शनियों में प्रदर्शन हेतु प्रदर्शन सामग्रियों/पैनलों को हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किया जाता है।

# ADMINISTRATION

## ANNUAL REPORT AND AUDITED ACCOUNTS

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report. The Annual Report including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2005-06 was laid on the Table of the Lok Sabha on 19th August 2007 and on the Table of the Rajya Sabha on 21st August 2007.

## TDB SECRETARIAT

Shri Shashank Sinha, Project Co-ordinator joined TDB on 5 years contract basis on 12th April 2006. Dr. (Smt.) Preeti Sahai, Project Coordinator has been appointed on contract basis for a period of five years on 1st March, 2007 as approved by the Board.

## INCOME TAX EXEMPTION

The Central Board of Direct Taxes (CBDT), New Delhi has granted exemption to TDB, - u/s 10[23C(iv)] of the Income Tax Act, 1961 for the further period i.e. Assessment Year 2000-01 and onwards vide notification no. 173/2007 dated 18th May, 2007 issued on 21st May 2007.

## IMPLEMENTATION OF OFFICIAL LANGUAGE

The Technology Development Board, since its inception, has implemented various provisions pertaining to official language of the Union, and had printed Notifications, Annual Reports, Project Funding Guidelines, Brochures, Vouchers etc. in Hindi and English. The exhibits / panels are prepared in Hindi and English for display in various exhibitions.

# आरंभिक जांच समितियों के सदस्य

| | |
|---|---|
| अभ्यंकर आर. आर | वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर |
| आचार्य पी एस | वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी |
| अस्थाना प्रवीर डा. | वैज्ञानिक-जी, एसईआरसी |
| बगाई, जी.एम. | वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर |
| बाजपेयी, संजय | वैज्ञानिक - ई, डी एस टी |
| बालासुब्रह्मण्यम, एम.डा. | पूर्व सलाहकार, डी बी टी |
| बापना रेणु डा. | वैज्ञानिक - एफ, टी डी बी |
| बसाक पी आर | वैज्ञानिक- ई टाइफैक |
| भगत, जे.जे. | एमडी, एसटीएम, टाइफैक |
| भास्कर इंदु | वैज्ञानिक-एफ, जीएसआईआर |
| भटनागर दीपक | वैज्ञानिक - जी, टाइफैक |
| ब्राकस्पति आर डा. | वैज्ञानिक - जी, डी एस टी |
| छैनुलु ए. बी. | वैज्ञानिक - ई, डी एस आई आर |
| चन्द्रशेखर टी | पीएसओ, टाइफैक |
| देशपाण्डे एस के डा. | वैज्ञानिक - एफ, डी एस आई आर |
| गोपाल हरि बी डा. | वैज्ञानिक - जी, डी एस टी |
| गुप्ता, सुलभा, डा. | वैज्ञानिक- जी, एन ए बी एल |
| कमल, के. डा. | वैज्ञानिक-जी, डी एस आई आर |
| कुलश्रेष्ठ एस. के.डॉ. | वैज्ञानिक - जी, डी एस आई आर |
| कुमार अनिल | वैज्ञानिक- एफ, एन ए बी एल |

# MEMBERS FOR THE INITIAL SCREENING COMMITTEES

| | |
|---|---|
| Abhyankar R.R. | Scientist-G, DSIR |
| Acharya P.S. | Scientist-F, DST |
| Asthana Praveer Dr. | Scientist-G, SERC |
| Bagai G.M. | Scientist-F, DSIR |
| Bajpai Sanjay | Scientist-E, DST |
| Balasubramaniam, M. Dr. | Ex-Advisor, DBT |
| Bapna Renu Dr. | Scientist-F, TDB |
| Basak P.R. | Scientist-E, TIFAC |
| Bhagat J.J. | MD, STM, TIFAC |
| Bhaskar Indu | Scientist-F, DSIR |
| Bhatnagar Deepak | Scientist-G, TIFAC |
| Brakaspathy R. Dr | Scientist-G, DST |
| Chainulu A. V. | Scientist-E, DSIR |
| Chandrasekhar T. | PSO, TIFAC |
| Deshpande S.K. Dr. | Scientist-F, DSIR |
| Gopal Hari B Dr. | Scientist-G, DST |
| Gupta Sulabha Dr. | Scientist-G, NABL |
| Kamal K. Dr. | Scientist-G, DSIR |
| Kulshrestha S.K. Dr. | Scientist-G, DSIR |
| Kumar Anil | Scientist-F, NABL |

| | |
|---|---|
| कुमार अनिल पी. डा. | वैज्ञानिक - सी, टाइफैक |
| मुखोपाध्याय ए., डा. | वैज्ञानिक- जी, एस ई आर सी |
| ओवराय वी.एस. | परियोजना निदेशक, टाइफैक |
| पाल महेन्द्र डा. | वैज्ञानिक- एफ, टीडीबी |
| पुरुषोत्तम एच | वैज्ञानिक - जी, टी डी बी |
| रॉव ए.एस.डॉ. | वैज्ञानिक- जी, डी एस आई आर |
| सागर प्रेम, डा. | वैज्ञानिक- जी, डी एस आई आर |
| समाथानम जी. जे. डा. | वैज्ञानिक - एफ, डी एस टी |
| शर्मा उषा डा. | वैज्ञानिक - जी, डी एस टी |
| सिंह आई. बी. | वैज्ञानिक - जी, डी एस टी |
| सिंह पी.बी.डा. | वैज्ञानिक- एफ, एस ई आर सी |
| सिन्हा शशांक | परियोजना समन्वय, टीडीबी |
| तायल आर.के. | वैज्ञानिक- एफ, एसईआरसी |
| वरूण विमल कुमार | वैज्ञानिक - ई, डी एस आई आर |

Enabling Commercialisation

| | |
|---|---|
| Kumar Anil P. Dr. | Scientist-C, TIFAC |
| Mukhopadhyay A. Dr. | Scientist-G, SERC |
| Oberoi V.S. | Project Director, TIFAC |
| Pal Mahendra Dr. | Scientist-F, TDB |
| Purushotham H | Scientist-G, TDB |
| Rao A.S. Dr. | Scientist-G, DSIR |
| Sagar Prem Dr. | Scientist-G, DSIR |
| Samathanam, G.J. Dr. | Scientist-F, DST |
| Sharma Usha Dr. | Scientist-G, DST |
| Singh I.B. | Scientist-G, DST |
| Singh P.B. Dr. | Scientist-F, SERC |
| Sinha Shashank | Project Coordinator, TDB |
| Tayal R.K. | Scientist-F, SERC |
| Varun Vimal Kumar | Scientist-E, DSIR |

Enabling Commercialisation

# परियोजना मूल्यांकन समितियों एवं परियोजना म्गॅनीटरिंग समितियों के विशेषज्ञों के नाम

| | |
|---|---|
| आहुजा ए.सी. | पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आईवीसीएफ, नई दिल्ली |
| आहुजा शोभना | डायमेंसंस कंसल्टिंग (प्रा.) लि., गुड़गांव |
| आनंद स्नेह प्रो. | बायो मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, दिल्ली |
| अंसारी पी.एम. | केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली |
| असरानी संगीता | बीएसएनएल, बैंगलोर |
| बाबू चंद्र सरथ डॉ. | हैदराबाद |
| बजाज कुनाल डॉ. | पूर्व सलाहकार, टीआरएआई, नई दिल्ली |
| बालासुब्रमण्यन डी. डॉ. | निदेशक (अनुसंधान), एलवी प्रसाद, इंस्टीट्यूट, हैदराबाद |
| बंधोपाध्याय टी | इंडिया आयल कारपोरेशन लि0, नोएडा |
| बासु एस.के. प्रो. | इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली |
| भाटिया सी.आर. डॉ. | पूर्व सचिव, डीबीटी |
| बिहारी विनोद डॉ. | सीडीआरआई, लखनऊ |
| चारी एम.एस. डॉ. | सेन्ट्रल टोबैको रिसर्च इंस्टीट्यूट, हैदराबाद |
| चौधरी एम.सी. | पूर्व निदेशक (तकनीकी), टीसीआईएल, नई दिल्ली |
| चेकर ए.के. | निदेशक, डीआरडीओ, उड़ीसा |
| चेरियन के.एम.डॉ. | चेन्नई |
| दास देवब्रत्ता प्रो. | आईआईटी, बैंगलोर |
| दिलिप डी. डॉ. | तिरूपति |

# EXPERTS FOR THE PROJECT EVALUATION COMMITTEES AND PROJECT MONITORING COMMITTEES

| | |
|---|---|
| Ahuja A.C. | Former CMD, IVCF, New Delhi |
| Ahuja Shobhana | Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon |
| Anand Sneh Prof. | Department of Bio Medical Engg., IIT, Delhi |
| Ansari P.M. | Central Pollution Control Board, New Delhi |
| Asrani Sangeeta | BSNL, Bangalore |
| Babu Chandra Sarath Dr. | Hyderabad |
| Bajaj Kunal Dr. | Former Advisor, TRAI, New Delhi |
| Balasubramanyan D. Dr. | Director (Research), L.V. Prasad Institute, Hyderabad |
| Bandhopadhyay T. | India Oil Corporation Ltd., Noida |
| Basu S.K. Prof. | Indian Institute of Immunology, New Delhi |
| Bhatia C.R. Dr. | Former Secretary, DBT |
| Bihari Vinod Dr | CDRI, Lucknow |
| Chari M.S. Dr. | Central Tobacco Research Institute, Hyderabad |
| Chaudhary M.C. | Former Director (Technical), TCIL, New Delhi |
| Checker A.K. | Director, DRDO, Orissa |
| Cherian K.M. Dr. | Chennai |
| Das Debabrata Prof. | IIT, Bangalore |
| Dilip D. Dr. | Tirupati |

| | |
|---|---|
| एल्ला कृष्णा एम. डॉ. | भारत बायोटेक इंटरनेशनल लि. हैदराबाद |
| गांगुली एन.के. डॉ. | डीजी, आईसीएमआर, नई दिल्ली |
| गोर मिलिंद डॉ. | पुणे |
| गोपालन एस. | पूर्व-ईडी, आईडीबीआई, चेन्नई |
| गुप्ता ओम हरी प्रो. | आईआईटी, रूड़की |
| गुप्ता जे.पी. | पूर्व-परियोजना निदेशक, आईएआरआई, नई दिल्ली |
| गुप्ता लव | डीडीजी, बीएसएनएल, नई दिल्ली |
| गुप्ता एस.के.प्रो. | निदेशक, एनएसआई, कानपुर (यू.पी.) |
| हुसनैन सईद डॉ. | हैदाराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद |
| जेम्स जैकब | भेल, नोएडा |
| जयराम डॉ. | निदेशक, सेन्ट्रल कॉफी रिसर्च इंस्टीट्यूट, कर्नाटक |
| जयरामन कुंथला डॉ. | बेल्लोर, तमिलनाडु |
| झुनझुनवाला अशोक प्रो. | आईआईटी मद्रास, चेन्नई |
| जोग जे.पी. डॉ. | नेशनल केमिकल लेबोरेटरी, पुणे |
| जोशी एस.वी. डॉ. | इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फोर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल (एआरसीआई) |
| कन्नन | एन.चेन्नई |
| कारंथ एन.जी.के. डॉ. | सीएफटीआरआई, मैसूर (कर्नाटक) |
| कारलापलेम कमल डॉ. | आईआईटी, हैदराबाद |
| खनुजा एस.पी.एस. | निदेशक, सीआईएमएपी, लखनऊ |
| कोडाली वी.पी. | पूर्व सलाहकार, इलैक्ट्रानिक्स विभाग |
| कृणन रामा डॉ. | पुणे |
| कृणन एस.वी. | पूर्व सचिव, टीडीबी, नई दिल्ली |
| के.एस.नीलकंदनन प्रो. | त्रिवेन्द्रम |

| | |
|---|---|
| Ella Krishna M. Dr. | Bharat Biotech International Ltd., Hyderabad |
| Ganguly N.K. Dr. | DG, ICMR, New Delhi |
| Gore Milind Dr. | Pune |
| Gopalan S. | Ex- ED, IDBI, Chennai |
| Gupta Om Hari Prof. | IIT Roorkee |
| Gupta J.P. | Ex- Project Director, IARI, New Delhi |
| Gupta Lav | DDG, BSNL, New Delhi |
| Gupta S.K. Prof. | Director, NSI, Kanpur (UP.) |
| Husnain Seyed Dr. | University of Hyderabad, Hyderabad |
| James Jacob | BHEL, Noida |
| Jayrama Dr. | Director, Central Coffee Research Institute, Karnataka |
| Jayaraman Kunthala Dr. | Vellore, Tamil Nadu |
| Jhunjhunwala Ashok Prof. | IIT Madras, Chennai |
| Jog J.P. Dr. | National Chemical Laboratory, Pune |
| Joshi S.V. Dr. | International Advanced Research Centre for Powder Metallurgy and New Material (ARCI) |
| Kannan N. | Chennai |
| Karanth N.G.K. Dr. | CFTRI, Mysore (Karnataka) |
| Karlapalem Kamal Dr. | IIIT, Hyderabad |
| Khanuja S.P.S. | Director, CIMAP, Lucknow |
| Kodali V.P. | Former Advisor, Department of Electronics |
| Krishnan Rama Dr. | Pune |
| Krishnan S.B. | Former Secretary, TDB, New Delhi |
| K.S. Neelakanadan Prof. | Trivendrum |

| | |
|---|---|
| लाल कृष्ण डॉ. | एनपीएल, नई दिल्ली |
| मेहरा एन.के. प्रो. | एम्स, नई दिल्ली, |
| मेहरोत्रा आर.एन. | जीएम (ईटी), एनटीपीसी लि0, नोएडा |
| मित्तल एम.एल. डॉ. | वैज्ञानिक -जी, सीआरएसए, नई दिल्ली |
| मेनन थंगम डॉ. | मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई |
| मुरलीधरन एन डॉ. | तमिलनाडु |
| मूर्ति वी.एस.आर. | ईडी, धनलक्ष्मी बैंक लि0, केरल |
| मुथु एम.वी. | बेंगलोर |
| मुथुस्वामी वसंथा डॉ. | उप महा-निदेशक, आईसीएमआर, नई दिल्ली |
| नंदी तपस डॉ. | वैज्ञानिक-एफ, एनईईआरआई, नागपुर |
| नागराजा वी.प्रो. | आईआईएससी, बेंगलोर |
| पद्मनाभन जी.प्रो. | इमेरिटस साइंटिस्ट, आईआईएससी, बेंगलोर |
| पारूलकर जी.वी.प्रो. | मुम्बई |
| प्रसाथ रामा एस.डॉ. | बेंगलोर |
| पुदि विक्रम प्रो. | आईआईटी, हैदराबाद |
| काजी जी.एन.डॉ. | निदेशक, आरआरएल, जम्मू तवी |
| राजशेखर एम डॉ. | बेंगलोर |
| रामकृष्णा एस. डॉ. | डीजी, सी-डैक, पुणे |
| रामकुमार एस.प्रो. | इंडियन इस्टीट्यूट आफ साइंस, बेंगलोर |
| राममूर्ति एम. डॉ. | वड़ोदरा |
| रामनाधम एम.प्रो. | हैदराबाद |
| राव भास्कर वाई डॉ. | इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल, टैक्नोलॉजी, हैदराबाद |
| राव एम.आर.एस.प्रो. | अध्यक्ष, जेएनसीएएसआर, बेंगलोर |
| राव रामा ए.वी. | हैदराबाद |

| | |
|---|---|
| Lal Krishan Dr. | NPL, New Delhi |
| Mehra N.K. Prof. | AIIMS, New Delhi |
| Mehrotra R.N | GM (ET), NTPC Ltd, Noida |
| Mittal M.L. Dr. | Scientist-G, CRSA, New Delhi |
| Menon Thangam Dr. | University of Madras, Chennai |
| Muraleedharan N. Dr. | Tamil Nadu |
| Murthy V.S.R. | ED, Dhanalakshmi Bank Ltd., Kerala |
| Muthu M.V. | Bangalore |
| Muthuswamy Vasantha Dr. | Dy. DG., ICMR, New Delhi |
| Nandy Tapas Dr. | Scientist-F, NEERI, Nagpur |
| Nagaraja V. Prof. | IISc., Bangalore |
| Padmanabhan G. Prof. | Emeritus Scientist, IISc, Bangalore |
| Parulkar G.B. Prof. | Mumbai |
| Prasath Rama S. Dr. | Bangalore |
| Pudi Vikram Prof. | IIIT, Hyderabad |
| Qazi G.N. Dr. | Director, RRL, Jammu Tawi |
| Rajasekhar M. Dr. | Bangalore |
| Ramakrishna S. Dr. | DG, C-DAC, Pune |
| Ramakumar S. Prof. | Indian Institute of Science, Bangalore |
| Ramamoorthy M. Dr. | Vadodara |
| Ramanadham M. Prof. | Hyderabad |
| Rao Bhaskar Y. Dr. | Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad |
| Rao M.R.S. Prof. | President, JNCASR, Bangalore |
| Rao Rama A.V. | Hyderabad |

| | |
|---|---|
| राव रामा पी प्रो. | नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल्स एंड रिसर्च ऐजूकेशन, मोहाली |
| राघवन विजय रवि | टाटा टेलीसर्विसेज लि0, हैदराबाद |
| रघुनाथन एस. | हैदराबाद |
| साहू डी.के.डॉ. | चंडीगढ़ |
| साहनी गिरिश प्रो. | इंस्टीट्यूट ऑफ माइक्रोबियल टैक्नोलॉजी, चंडीगढ़ |
| संग्राम पी.डॉ. | हैदराबाद |
| सेठ प्रदीप डॉ. | एम्स |
| शर्मा आर.पी.प्रो. | आईएआरआई, नई दिल्ली |
| शेखावत एन.एस.प्रो. | जोधपुर |
| शिवाजी एस.डॉ. | सीसीएमबी, हैदराबाद |
| शिवारमण अम्मु प्रो. | मुम्बई |
| श्रीनिधि सरगुर डॉ. | प्रोमेथस कंसल्टिंग, बैंगलोर |
| श्रीवास्तव अजय | डाइमैंसन्स कंसल्टिंग (पी.)लि., गुड़गांव |
| श्रीवास्तव यू.के. | डीडीजी, टीईसी, नई दिल्ली |
| सुहास एच.के.डॉ. | डीडीजी, एनआईसी, नई दिल्ली |
| वार्ष्णेय के.सी.डॉ. | पूर्व-ईडी, आईडीबीआई |
| वशिष्ट करण डॉ. | पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ |
| वेंकटरमण बी.प्रो. | डिफेंस मैटेरियल रिसर्च लेबोरेटरी, (डीएमआरएल), हैदराबाद |
| वर्मा वासुदेव डॉ. | आईआईआईटी, हैदराबाद |
| वहाब सीमा डॉ. | सलाहकार, डीबीटी |
| यादव जी.डी.डॉ. | यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टैक्नोलॉजी, मुम्बई |
| यादव जे.एस.डॉ. | निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टैक्नोलॉजी, हैदराबाद |

| | |
|---|---|
| Rao Rama P. Prof. | National Institute of Pharmaceuticals & Research Education, Mohali |
| Raghavan Vijaya Ravi | Tata Teleservices Ltd, Hyderabad |
| Raghunathan S. | Hyderabad |
| Sahoo D.K. Dr. | Chandigarh |
| Sahni Girish Prof. | Institute of Microbial Technology, Chandigarh |
| Sangram P. Dr. | Hyderabad |
| Seth Pradeep Dr. | AIIMS |
| Sharma R.P. Prof. | IARI, New Delhi |
| Shekhawat N.S. Prof. | Jodhpur |
| Shivaji S. Dr. | CCMB, Hyderabad |
| Sivaraman Ammu Prof. | Mumbai |
| Srinidhi Sargur Dr. | Prometheus Consulting, Bangalore |
| Srivastava Ajay | Dimensions Consulting (P) Ltd., Gurgaon |
| Srivastava U.K. | DDG, TEC, New Delhi |
| Suhas H.K. Dr. | DDG, NIC, New Delhi |
| Varshney K.C. Dr. | Ex-ED, IDBI |
| Vashisht Karan Dr. | Punjab University, Chandigarh |
| Venkataraman B. Prof. | Defence Material Research Laboratory (DMRL), Hyderabad |
| Verma Vasudeva Dr. | IIIT, Hyderabad |
| Wahab Seema Dr. | Advisor, DBT |
| Yadav G.D. Dr. | University Institute of Chemical Technology, Mumbai |
| Yadav J.S. Dr. | Director, Indian Institute of Chemical Technology, Hyderabad |

# वर्ष 2005 - 06 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की लेखाओं का वार्षिक विवरण

# ANNUAL STATEMENT OF ACCOUNTS OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD FOR THE YEAR 2006-07

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## 31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

| पिछला वर्ष (रूपये) | देनदारीया | | | | चालू वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| | | प्रौद्योगिकी विकास व अनुप्रयोग हेतु निधि | | | |
| 6,193,885,347 | क) | प्रारंभिक शेष | | | 7,235,538,401 |
| 426,554,000 | ख) | केन्द्र सरकार से अनुदान | | | 43,200,000 |
| 295,568,848 | ग) | ऋणों की वापसी/अदायगी | | | 414923183 |
| 10,470,584 | घ) | रायल्टी | | | 18,316,303 |
| – | ड) | दान | | | – |
| – | च) | आईडीबीआई के वीसीएफ | | | – |
| 113,125,000 | छ) | आईटीवीयूएस (यूटीआई) | | | – |
| 43,666,296 | ज) | लघु अवधि जमा पर ब्याज वास्तविक प्राप्ति | | 55,032,812 | |
| 5,011,961 | | घटाया गया 31.03.2006 तक प्रोदभूत ब्याज जिसे इस वर्ष प्राप्त किया गया। | | 8,098,631 | |
| 38,654,335 | | | | | 46,934,181 |
| 85,593,679 | झ) | ऋणो पर ब्याज | | 78,768,037 | |
| 51,224,299 | | घटाया गया 31.03.2006 तक प्रोदभूत | | 38,055,018 | |
| 34,369,380 | | | | | 40,713,019 |
| – | ञ) | टनुदानों पर ब्याज | | | 134,356 |
| 735,260 | ट) | स्वत्व शुल्क पर ब्याज | | | 294,286 |
| 213,446,066 | ठ) | व्यय पर आय की अधिकता | | | 164,517,410 |
| | | घटाया गया: | | | |
| 20,000,000 | | 1) इनक्यूबेटर्स | | | 3,000,000 |
| 28,000,000 | | 2) अन्य संस्थाए | | | 15,568,000 |
| 43,270,419 | | 3) संस्थापन के लिए | | | 47,853,379 |
| 7,235,538,401 | | | | | |
| | | आईडीबीआई के वीसीएफ | | | |
| 278,400,000 | | आईडीबीआई द्वारा भारत सरकार से प्राप्त अंशदान | | 278,400,000 | |
| | | निवेश से आय | | | |
| 130,804,195 | | क. ब्याज | 130,828,192 | | |
| 55,165,270 | | ख. स्वत्व शुल्क | 55,197,900 | | |

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2007

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | | LIABILITIES | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | **Fund for Technology Development & Application** | | | |
| **6,193,885,347** | a) | Opening Balance | | | **7235538401** |
| **426,554,000** | (b) | Grants from Central Govt. | | | **43,200,000** |
| **295,568,848** | c) | Repayment of loans | | | **414,923,183** |
| **10,470,584** | d) | Royalty | | | **18,316,303** |
| - | e) | Donations | | - | - |
| - | f) | VCF of IDBI | | - | - |
| **113,125,000** | g) | ITVUS(UTI) | | - | - |
| 43,666,296 | h) | Interest on short term deposits actuals | | 55,032,812 | |
| 5,011,961 | | Less : Interest accrued upto 31.03.2006 realized this year | | 8,098,631 | |
| **38,654,335** | | | | | **46,934,181** |
| 85,593,679 | i) | Interest received on loans | | 78,768,037 | |
| 51,224,299 | | Less : Interest accrued upto 31.03.2006 realized this year | | 38,055,018 | |
| **34,369,380** | | | | | **40,713,019** |
| - | j) | Interest on grants | | | **134,356** |
| **735,260** | k) | Interest on royalty | | | **294,286** |
| **213,446,066** | l) | Excess of income over expenditure | | | **164,517,410** |
| **20,000,000** | | Less : Grants for (a) Incubators | | | **3,000,000** |
| **28,000,000** | | (b) Other Agencies | | | **15,568,000** |
| **43,270,419** | | ( c) Establishment exp. | | | **47,853,379** |
| **7,235,538,401** | | | | | **7,898,149,760** |
| | | **VCF of IDBI** | | | |
| 278,400,000 | | Contribution received by IDBI from Government of India | | 278,400,000 | |
| | | ***Income from Investment*** | | | |
| 130,804,195 | | a. Interest | 130,828,192 | | |
| 55,165,270 | | b. Royalty | 55,197,900 | | |

| पिछला वर्ष (रूपये) | | देनदारीया | | | चालू वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| 5,626,345 | | ग. लाभांश | 6,120,294 | | |
| 180,195,842 | | घ. प्रोदभूत आय | 1,408,112,812 | | |
| 2,720,895 | | ड. वितनयोजन के लिए लंबित प्राप्तियों | 5,820,895 | | |
| 1,374,512,547 | | | 1,606,080,093 | | |
| 212,500,000 | | घटाया गया : टीडीबी को भुगता की गई राशी | 212,500,000 | | |
| 1,162,012,547 | | | 1,393,580,093 | | |
| 11,250,000 | | घटाया गया : पूर्व में प्राप्त अधिक स्वत्व शुल्क | 11,250,000 | | |
| 1,150,762,547 | | | 1,382,330,093 | | |
| 12,480,814 | | घटाया : बटटे खाते में डाले गए ऋण | 12,480,814 | | |
| 5,858,250 | | घटाया : निवेश की बिक्री पर नुकसान | 5,058,250 | | |
| 1,132,423,483 | | | 1,364,791,029 | | |
| 66,700,000 | | घटाया : प्रबंधन शुल्क | 73,660,000 | | |
| 767,802 | | घटाया :लेखा परिक्षा शुल्क एंव अन्य व्यय | 1,067,523 | | |
| 1,064,955,681 | | | | 1,290,063,506 | |
| 1,343,355,681 | | | | | 1,568,463,506 |
| | | वर्तमान देनदारीयां | | | |
| 479,921 | | (1) प्रतिनियुक्ति पर आय स्टाफ के लिए पेंशन अंशदान | | 512,691 | |
| 40,000 | | (2) लेख परिक्षा शुल्क | | 80,000 | |
| 553,728 | | (3) स्त्रोत पर आयकर में कि गई कटौती | | 11,875 | |
| 2,000 | | प्राप्त प्रतिभूति | | 2,000 | 606,566 |
| 8,579,969,731 | | कुल | | | 9,467,219,832 |

टिप्पणी: अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है ।

| (महेन्द्र पाल) | (दिनेश शर्मा) | (डा टी रामासामी) |
|---|---|---|
| निदेशक (वित्त) | सचिव | अध्यक्ष |
| प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड |

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | | LIABILITIES | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 5,626,345 | | c. Dividend | 6,120,294 | | |
| 1,180,195,842 | | d. Accrued income | 1,408,112,812 | | |
| 2,720,895 | | e. Receipt pending appropriation | 5,820,895 | | |
| 1,374,512,547 | | | 1,606,080,093 | | |
| 212,500,000 | | Less : Amount paid to TDB | 212,500,000 | | |
| 1,162,012,547 | | | 1,393,580,093 | | |
| 11,250,000 | | Less: Excess Royalty recd. earlier adjusted | 11,250,000 | | |
| 1,150,762,547 | | | 1,382,330,093 | | |
| 12,480,814 | | Less : Loans written off | 12,480,814 | | |
| 5,858,250 | | Less : Loss on sale of Investment | 5,058,250 | | |
| 1,132,423,483 | | | 1,364,791,029 | | |
| 66,700,000 | | Less : Management fees | 73,660,000 | | |
| 767,802 | | Less: Audit Fees & other Expenses | 1,067,523 | | |
| 1,064,955,681 | | | | 1,290,063,506 | |
| **1,343,355,681** | | | | | **1,568,463,506** |
| | | **Current Liabilities** | | | |
| **479,921** | | (i) Pension Contribution to deputationists | | 512,691 | |
| **40,000** | | (ii) Audit fee | | 80,000 | |
| **553,728** | | (iii) Income tax deducted at source | | 11,875 | |
| **2,000** | | Security received | | 2,000 | **606,566** |
| **8,579,969,731** | | **TOTAL** | | | **9,467,219,832** |

**Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.**

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVLOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र*

| पिछला वर्ष (रूपये) | देनदारीया | | | | चालू वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| | | स्थिर परिसंपत्तियां (अनुसूचि–क) | | | |
| | क) | उपकरण / उपकरण / मशीनरी | | 8,346,141 | |
| 7,552,081 | | सकल ब्लॉक | | 2,059,272 | |
| 1,264,013 | | घटाया गया: मूल्यहास | | 6,426,155 | |
| 5,988,068 | | निबल ब्लॉक | | | 6,286,869 |
| | ख) | फर्नीचर एवं फिक्सचर्स | | | |
| 867,474 | | सकल ब्लॉक | | 2,558,160 | |
| 159,307 | | घटाया गया: मूल्यहास | | 230,123 | |
| 708,167 | | निबल ब्लॉक | | | 2,328,037 |
| | ग) | वाहन | | | |
| 370,890 | | सकल ब्लॉक | | 370,890 | |
| 37,089 | | घटाया गया: मूल्यहास | | 70,469 | |
| 333,801 | | निबल ब्लॉक | | | 300,421 |
| | | मौजूदा परिसंपत्तियॉं | | | |
| 5,011,961 | क) | (1) लघु अवधि जमा / बचत खातों पर प्रोदभूत ब्याज | | 12,755,003 | |
| 5,011,961 | | घटाया गया: 31.03.2006 तक प्रोदभूत ब्याज, जो इस वर्ष प्राप्त हुआ | | 8,098,631 | |
| | | | | 4,656,372 | |
| 12,755,003 | | जोडे: परिवर्धन (रूपये 1,50,780 के टीडीएस सहित) | | 24,206,231 | |
| 12,755,003 | | | | | 28,862,603 |
| 464,937,552 | | (2) 31.03.2006 तक औद्योगिक इकाइयों को दिए गए ऋण पर प्रोदभूत ब्याज | | 620,853,509 | |
| 9,668,433 | | घटाया: माफ किया गया ब्याज | | 21,680,777 | |
| 51,224,299 | | घटाया: 31.03.2006 तक प्रोदभूत ब्याज, जो इस वर्ष प्राप्त हुआ | | 38,055,018 | |
| .... | | घटाया: इक्विटी में रूपांतरण | | 13,268,000 | |
| 404,044,820 | | | | 547,849,714 | |
| 216,808,689 | | जोडे: परिवर्धन | | 168,763,659 | |
| 620,853,509 | | | | | 716,613,373 |
| | ख) | ऋण संवितरण | | | |
| 4,095,020,000 | | 31.03.2006 तक | 4,472,820,000 | | |

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 2007

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | ASSETS | | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | **Fixed Assets (Schedule-A)** | | | |
| | a) | **Equipment/Apparatus/Machinery** | | | |
| 7,552,081 | | Gross Bolck | | 8,346,141 | |
| 1,564,013 | | Less : Depreciation | | 2,059,272 | |
| **5,988,068** | | Net Block | | | **6,286,869** |
| | b) | **Furniture & Fixtures** | | | |
| 867,474 | | Gross Bolck | | 2,558,160 | |
| 159,307 | | Less : Depreciation | | 230,123 | |
| **708,167** | | Net Block | | | **2,328,037** |
| | c) | Vehicle | | | |
| 370,890 | | Gross Bolck | | 370,890 | |
| 37,089 | | Less : Depreciation | | 70,469 | |
| **333,801** | | Net Block | | | **300,421** |
| | | **Current Assets** | | | |
| 5,011,961 | a) | (i) Interest accrued on short term deposits/S.B. A/c upto 31.03.2006. | | 12,755,003 | |
| 5,011,961 | | Less : Interest accrued upto 31.03.06 realized this year | | 8,098,631 | |
| - | | | | **4,656,372** | |
| 12,755,003 | | Add : Additions (including TDS Rs.1,50,780) | | 24,206,231 | |
| **12,755,003** | | | | | **28,862,603** |
| 464,937,552 | | (ii) Interest accrued on loans to | | 620,853,509 | |
| | | Industrial concerns upto 31.03.2006 | | | |
| 9,668,433 | | Less : Interest accrued waived off | | 21,680,777 | |
| 51,224,299 | | Less : Interest accrued upto 31.03.06 realized this year | | 38,055,018 | |
| - | | Less: Converted into equity | | 13,268,000 | |
| 404,044,820 | | | | **547,849,714** | |
| 216,808,689 | | Add : Additions | | 168,763,659 | |
| **620,853,509** | | | | | **716,613,373** |
| | b) | **Loan Disbursements** | | | |
| 4,095,020,000 | | Upto 31.03.2006 | 4,472,820,000 | | |

| पिछला वर्ष (रूपये) | देनदारीया | | | | चालू वर्ष |
|---|---|---|---|---|---|
| 383,800,000 | | 2006–2007 के दौरान | 543,400,000 | | |
| ..... | | घटाया गया: ऋण का इक्विटी में रूपांतरण | ..... | | |
| 6,000,000 | | घटाया गया: बट्टे खाते ऋण | 13,500,000 | | |
| 4,472,820,000 | | | | | 5,002,720,000 |
| 243,600,000 | ग) | 31.03.2006 तक साम्य पूंजी अभिदान | | 243,600,000 | |
| ..... | | 2005.06 के दौरान | | ..... | |
| ..... | | जोड: ऋण का इक्विटी में रूपांतरण | | ..... | |
| | | | | 15,618,000 | |
| 243,600,000 | | | | | 259,218,000 |
| 250,000,000 | घ) | आईटीबीयूएस (यूटीआई) | | | 250,5000,000 |
| 393,000,000 | ङ) | एसेट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम) | | | 489,375,000 |
| 2,849,540 | च) | प्रतिभूति जमा | | | 1,459,770 |
| 181,781,219 | छ) | एपीआईडीसी वेन्चर कैपिटल फंड | | | 223,192,112 |
| | ज) | वेन्चर ईस्ट टी नैट फंड | | | 50,000,000 |
| | (1) | वसूल की जाने वाली राशि: | | | |
| | | सरकारी विभागों से देय धनराशि | | | |
| 4,983,322 | | 2002.03 में | 3,737,492 | | |
| 3,708,862 | | 2003.04 में | 3,090,707 | | |
| 5,125,103 | | 2004.05 में | 4,484,465 | | |
| 1,605,010 | | 2005.06 में | 1,605,010 | | |
| ..... | | 2006.07 में | 1,645,146 | | |
| 15,422,297 | | | | 14,562,820 | |
| 75,350 | (2) | विभागीय अधिकारियों को अग्रिम राशि | | 129,529 | |
| 50,373 | (3) | अन्य से देय धनराशि | | ..... | |
| 15,548,020 | | | | | 14,692,349 |
| | झ) | अंत शेष: | | | |
| 1,017,510,000 | | बैंको में लघु अवधि जमा (अनुसूची–ख) | | | 814,497,399 |
| 7,358 | | नकद हाथ में | | | 20,954 |
| 16,859,365 | | नकद बैंक में | | | 39,189,438 |
| | | आईडीबीआई के वीसीएफ निवेश | | | |
| 146,630,538 | | (1) ऋण | 142,784,425 | | |

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | ASSETS | | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 383,800,000 | | During 2006-2007 | 543,400,000 | | |
| - | | Less : Conversion of Loan into Equity | - | | |
| 6,000,000 | | Less: Loan written off | 13,500,000 | | |
| **4,472,820,000** | | | | | **5,002,720,000** |
| 243,600,000 | c) | Equity subscription upto 31.03.2006 | | 243,600,000 | |
| - | | During 2006-07 | | - | |
| - | | Add : Conversion of loan into equity | | - | |
| | | Add: Conversion of interest and royalty into equity | | 15,618,000 | |
| **243,600,000** | | | | | **259,218,000** |
| **250,000,000** | d) | ITVUS (UTI) | | | **250,000,000** |
| **393,000,000** | e) | Ascent India Fund (UTI VFM) | | | **489,375,000** |
| **2,849,540** | f) | Security Deposit | | | **1,459,770** |
| **181,781,219** | g) | APIDC Venture Capital Fund | | | **223,192,113** |
| - | (h) | Venture East TeNet Fund | | | **50,000,000** |
| | (i) | Payments to be recovered : | | | |
| | | (i) Amount due from Govt. Depts. | | | |
| 4,983,322 | | in 2002-03 | 3,737,492 | | |
| 3,708,662 | | in 2003-04 | 3,090,707 | | |
| 5,125,103 | | in 2004-05 | 4,484,465 | | |
| 1,605,010 | | in 2005-06 | 1,605,010 | | |
| - | | in 2006-07 | 1,645,146 | | |
| 15,422,297 | | | | 14,562,820 | |
| 75,350 | | (ii) Advance to staff members | | 129,529 | |
| 50,373 | | (iii) Amount due from others | | - | |
| **15,548,020** | | | | | **14,692,349** |
| | (j) | **Closing Balance :** | | | |
| **1,017,510,000** | | Short Term Deposits in banks(Schedule-B) | | | **814,497,399** |
| **7,358** | | Cash in hand | | | **20,954** |
| **18,859,365** | | Cash in bank | | | **39,189,438** |
| | | **VCF of IDBI** | | | |
| | | **Investment** | | | |
| 146,630,538 | | (i) Loan | 142,784,425 | | |

| पिछला वर्ष (रुपये) | देनदारीया | | | चालू वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 15,325,000 | (2) साम्य पूंजी | 11,325,000 | | |
| 161,955,538 | | | 154,109,425 | |
| | प्राप्य राशि | | | |
| 301,286,447 | (1) ब्याज | 323,670,265 | | |
| 878,909,395 | (2) अन्य | 1,084,442,547 | | |
| 1,180,195,842 | | | 1,408,112,812 | |
| 1,204,301 | आईडीबीआई के पास नकद | | 6,241,269 | |
| 1,343,355,681 | | | | 1,568,463,506 |
| 8,579,969,731 | कुल | | | 9,467,219,832 |
| | | | | |
| टिप्पणी: अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है। | | | | |

(महेन्द्र पाल)
निदेशक (वित्त)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

Enabling Commercialisation

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | | ASSETS | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 15,325,000 | | (ii) Equity | 11,325,000 | | |
| 161,955,538 | | | | **154,109,425** | |
| | | **Receivables** | | | |
| 301,286,447 | | (I) Interest | 323,670,265 | | |
| 878,909,395 | | (ii) Others | 1,084,442,547 | | |
| 1,180,195,842 | | | | **1,408,112,812** | |
| 1,204,301 | | Cash with IDBI | | 6,241,269 | |
| **1,343,355,681** | | | | | **1,568,463,506** |
| **8,579,969,731** | | **TOTAL** | | | **9,467,219,832** |

**Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.**

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

Enabling Commercialisation

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष में प्राप्तियाँ एवं भुगतान का लेखा*

| पिछले वर्ष (रूपये) | प्राप्तियाँ | | चालू वर्ष (रूपये) |
|---|---|---|---|
| | प्रारंभिक शेष | | |
| 700,000,000 | | लघु अवधि में जमाओं में निवेश | 1,017,510,000 |
| 4,416 | | हाथ में मौजूद नकद | 7,358 |
| 303,415,281 | | बैंक में जमा नकद | 18,859,365 |
| | प्रौधोगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि | | |
| 426,554,000 | 1) | टीडी निधि | 43,200,000 |
| 43,666,296 | 2) | लघु अवधि की जमाओं पर ब्याज | 55,032,812 |
| 85,593,679 | 3) | ऋण पर ब्याज | 78,768,037 |
| 735,260 | 4) | स्वत्व पर ब्याज | 294,286 |
| – | 5) | अनुदानों पर ब्याज | 134,356 |
| 295,568,848 | 6) | ऋणों की अदायगी | 414,923,183 |
| 10,470,584 | 7) | स्वत्व शुल्क | 15,966,303 |
| – | 8) | दान | – |
| – | 9) | आईडीबीआई के वीसीएफ से अंतरण | – |
| 79,777 | 10) | विविध प्राप्तियाँ | 7,497,872 |
| 239,060 | 11) | प्रतिभूति की वापसी | 1,416,271 |
| 2,550,017 | 12) | आयकर की वसूली | 2,236,378 |
| 707,899 | 13) | वेतन से वसूली | 836,283 |
| 113,125,000 | 14) | आईटीबीयूएस (यूटीआई) | – |
| – | 15) | अन्य प्राप्तियाँ | 2,557,996 |
| 1,982,710,117 | कुल | | 1,659,240,500 |

(महेन्द्र पाल)
निदेशक (वित्त)
प्रौधोगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौधोगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौधोगिकी विकास बोर्ड

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31ST MARCH 2007

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | RECEIPTS | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|
| | **Opening Balance :** | | |
| 700,000,000 | | Investment in short term deposits | 1,017,510,000 |
| 4,416 | | Cash in hand | 7,358 |
| 303,415,281 | | Cash at bank | 18,859,365 |
| | **Fund for Technology Development & Application** | | |
| 426,554,000 | i) | TD Fund | 43,200,000 |
| 43,666,296 | ii) | Interest on short term deposits | 55,032,812 |
| 85,593,679 | iii) | Interest on loans | 78,768,037 |
| 735,260 | iv) | Interest on royalty | 294,286 |
| - | v) | Interest on grants | 134,356 |
| 295,568,848 | vi) | Repayment of loans | 414,923,183 |
| 10,470,584 | vii) | Royalty | 15,966,303 |
| - | viii) | Donations | - |
| - | ix) | Transfer from VCF of IDBI | - |
| 79,777 | x) | Miscellaneous receipts | 7,497,872 |
| 239,060 | xi) | Refund of Security | 1,416,271 |
| 2,550,017 | xii) | Recoveries towards Income Tax deducted at source | 2,236,378 |
| 707,899 | xiii) | Recoveries from salaries | 836,283 |
| 113,125,000 | xiv) | ITVUS(UTI) | - |
| - | xv) | Other receipts | 2,557,996 |
| **1,982,710,117** | **TOTAL** | | **1,659,240,500** |

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष हेतु आय एंव व्यय का लेखा*

| पिछला वर्ष (रूपये) | भुगतान | | | चालू वर्ष (रूपये) |
|---|---|---|---|---|
| | संस्थापन व्यय | | | |
| 5,415,756 | 1) | वेतन | | 6,444,501 |
| 27,480 | 2) | मजदूरी | | – |
| 3,935,025 | 3) | यात्रा व्यय (घरेलू) | | 3,778,661 |
| 601,746 | 4) | यात्रा व्यय (विदेश) | | 1,636,700 |
| 61,500 | 5) | मानदेय | | 138,000 |
| 32,814 | 6) | समयोपरि भत्ता | | 38,307 |
| 255,156 | 7) | चिकित्सा व्यय | | 248,368 |
| 125,958 | 8) | प्रतिनियुक्तों के लिए पेंशन अंशदान | | 497,912 |
| | कार्यालय व्यय | | | |
| 581,598 | 1) | टैलिफोन/टेलेक्स | | 544,027 |
| 102,767 | 2) | डाक टिकट | | 247,787 |
| 122,853 | 3) | पैट्रोल, तेल तथा स्नेहक | | 118,837 |
| 552,605 | 4) | मरम्मत एवं अनुरक्षण | | 1,498,289 |
| 1,341,628 | 5) | उपभोक्ता भंडार एवं मुद्रण | | 1,221,076 |
| 31,605 | 6) | समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं | | 31,051 |
| 147,548 | 7) | मनोंरजन एवं आतिथ्य | | 139,012 |
| 30,395 | 8) | परिवहन | | 15,300 |
| 5,099,346 | 9) | विज्ञापन एवं प्रचार | | 5,947,732 |
| 4,830,255 | 10) | किराया (कार्यालय) | | 6,438,669 |
| 666,908 | 11) | विविध व्यय | | 402,033 |
| 2,495,600 | 12) | प्रतिभूति राशि | | 26,501 |
| 2,400,000. | 13) | राष्ट्रिय पुरस्कार | | 2,400,000 |
| 19,419 | 14) | पुस्तकाय की पुस्तकों एवं पत्रिकाएं | | 29,081 |
| – | 15) | बयाना जमा की वापसी | | – |
| | 16) | विधि एवं प्रबन्ध शुल्क | | 364,753 |
| 15,402,597 | 17) | परिसम्पत्ति प्रबंधन शुल्क | | 15,078562 |
| 3,389 | 18) | वर्दी एवं परिधान | | – |

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31ST MARCH 2007

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | PAYMENTS | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|
| | **Establishment Expenses** | | |
| 5,415,756 | i) | Salaries | 6,444,501 |
| 27,480 | ii) | Wages | - |
| 3,935,025 | iii) | Travel Expenses (Domestic) | 3,778,661 |
| 601,746 | iv) | Travel Expenses (Abroad) | 1,636,700 |
| 61,500 | v) | Honorarium | 138,000 |
| 32,814 | vi) | Over Time Allowance | 38,307 |
| 255,156 | vii) | Medical Expenses | 248,368 |
| 125,958 | viii) | Pension Contribution for Deputationists | 479,921 |
| | **Office Expenses** | | |
| 581,598 | i) | Telephone / Telex | 544,027 |
| 102,767 | ii) | Postage stamps | 247,787 |
| 122,853 | iii) | Petrol, Oil, Lubricants | 118,837 |
| 552,605 | iv) | Repairs & Maintenance | 1,498,289 |
| 1,341,628 | v) | Consumable Stores & Printing | 1,221,076 |
| 31,605 | vi) | Newspapers & Magazines | 31,051 |
| 147,548 | vii) | Entertainment & Hospitality | 139,012 |
| 30,395 | viii) | Conveyance | 15,300 |
| 5,099,346 | ix) | Advertisement & Publicity | 5,947,732 |
| 4,830,255 | x) | Rent (Office) | 6,438,669 |
| 666,908 | xi) | Miscellaneous Expenses | 402,033 |
| 2,495,600 | xii) | Security Deposits | 26,501 |
| 2,400,000 | xiii) | National Award | 2,400,000 |
| 19,419 | xiv | Library Books & Journals | 29,081 |
| - | xv) | Refund of earnest money Deposit | - |
| 165,634 | xvi) | Legal Charges | 364,753 |
| 15,236,963 | xvii) | Asset Management Charges | 15,078,562 |
| 3,389 | xviii) | Liveries & Uniform | - |

| पिछला वर्ष (रूपये) | भुगतान | | | चालू वर्ष (रूपये) |
|---|---|---|---|---|
| 130,885 | 19) | लेखा परीक्षण शुल्क | | – |
| 66,315 | 20) | कर्मचारियों का अग्रिम | | 54,179 |
| | बोर्ड के व्यय | | | |
| 267,507 | 1) | सदस्यों को दैनिक/यात्रा भत्ता | | 74,355 |
| 729,350 | 2) | व्यावसायिक शुल्क/मानदेय | | 626,400 |
| 19,994 | 3) | बैठक के लिए व्यय | | 12,957 |
| 1,563,784 | 4) | विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता | | 1,471,376 |
| | पूंजी व्यय | | | |
| 2,211,815 | 1) | उपस्कर/उपकरण/मशीनरी | | 967,180 |
| 244,016 | 2) | फर्नीचर एवं फिक्सचर्स | | 1,690,686 |
| – | 3) | वाहन | | – |
| | मूल्यह्रास : | | | |
| 2,046,662 | 1) | स्त्रोत पर आयकर की कटौती की अदायगी | | 2,778,231 |
| 707,899 | 2) | अन्य अनुभागों पर आयकर की कटौती की अदायगी | | 836,283 |
| | आयकर वसूली का संवितरण | | | |
| 383,800,000 | 1) | ऋण | | 543,400,000 |
| 20,000,000 | 2) | अनुदान (क) इन्क्यूबेटर | | 3,000,000 |
| 28,000,000 | | (ख) अन्य संस्थाएं | | 15,568,000 |
| – | 3) | साम्य पूंजी | | – |
| 37,500,000 | 4) | आईटीवीयूएस (यूटीआई) | | – |
| 243,000,000 | 5) | एसेट इंडिया फंड (यूटीआई वीएफएम) | | 96,375,000 |
| 181,781,219 | 6) | एपीआईडीसी वेन्चर केपिटल फंड | | 41,410,894 |
| – | 7) | वेन्चर ईस्ट टी नेट फंड–II | | 50,000,000 |
| | अन्तशेष | | | |
| 1,017,510,000 | 1) | लघु अवधि जमा में निवेश | | 514,497,399 |
| 7,358 | 2) | हाथ में मौजूद नकद | | 20,954 |
| 18,859,365 | 3) | बैंक में जमा नकद | | 39,189,438 |
| 1,982,710,117 | कुल | | | 1,659,240,500 |
| टिप्पणी: अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है । | | | | |

(महेन्द्र पाल)
निदेशक (वित्त)
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

(डा. टी. रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | PAYMENTS | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|
| 130,885 | xix) | Audit Fee | - |
| 66,315 | xx) | Advance to staff members | 54,179 |
| | **Board Expenses** | | |
| 267,507 | i) | TA / DA to Members | 74,355 |
| 729,350 | ii) | Professional Fee / Honorarium | 626,400 |
| 19,994 | iii) | Meeting Expenses | 12,957 |
| 1,563,784 | iv) | TA / DA to Experts | 1,471,376 |
| | **Capital Expenditure** | | |
| 2,211,815 | i) | Equipment / Apparatus / Machinery | 967,180 |
| 224,016 | ii) | Furniture & Fixtures | 1,690,686 |
| | iii) | Vehicle | - |
| 2,046,662 | **Remittance of Income Tax deducted at source** | | 2,778,231 |
| 707,899 | **Remittance of recoveries to other deptts.** | | 836,283 |
| | **Disbursements from TDF** | | |
| 383,800,000 | i) | Loans | 543,400,000 |
| 20,000,000 | ii) | Grants (a) Incubators | 3,000,000 |
| 28,000,000 | | (b) Other Agenices | 15,568,000 |
| - | iii) | Equity | - |
| 37,500,000 | iv) | ITVUS (UTI) | - |
| 243,000,000 | v) | Ascent India Fund(UTI VFM) | 96,375,000 |
| 181,781,219 | vi | APIDC Venture Capital Fund | 41,410,894 |
| - | vii) | Venture East TeNet Fund II | 50,000,000 |
| | **Closing Balance** | | |
| 1,017,510,000 | i) | Short term deposits with banks | 814,497,399 |
| 7,358 | ii) | Cash in hand | 20,954 |
| 18,859,365 | iii) | Cash at bank | 39,189,438 |
| **1,982,710,117** | **TOTAL** | | **1,659,240,500** |

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा*

| पिछला वर्ष (रूपये) | आय | | चालू वर्ष |
|---|---|---|---|
| 43,270,419 | 1) | संस्थापन हेतु अनुदान | 47,853,379 |
| 12,755,003 | 2) | लघु अवधि जमा बचत खातों पर प्रोदभूत ब्याज | 24,206,231 |
| 216,808,689 | 3) | ऋणों पर प्रोदभूत ब्याज | 168,763,659 |
| 79,777 | 4) | विविध प्राप्तियाँ | 7,497,872 |
| 272,913,888 | | कुल | 248,321,141 |

टिप्पणी: अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है ।

| (महेन्द्र पाल) | (दिनेश शर्मा) | (डा. टी रामासामी) |
|---|---|---|
| निदेशक (वित्त) | सचिव | अध्यक्ष |
| प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड |

Enabling Commercialisation

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31ST MARCH 2007

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | INCOME | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|
| 43,270,419 | i) | Grant for Establishment | | 47,853,379 |
| 12,755,003 | ii) | Interest accrued on short term deposits / SB A/c. | | 24,206,231 |
| 216,808,689 | iii) | Interest accrued on loans | | 168,763,659 |
| 79,777 | iv) | Miscellaneous receipts | | 7,497,872 |
| **272,913,888** | | **TOTAL** | | **248,321,141** |

**Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.**

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASWAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

Enabling Commercialisation

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का लेखा*

| पिछला वर्ष (रूपये) | व्यय | | | चालू वर्ष (रूपये) |
|---|---|---|---|---|
| | संस्थापन व्यय | | | |
| 5,415,756 | 1) | वेतन | | 6,444,501 |
| 27,480 | 2) | मजदूरी | | |
| 3,935,025 | 3) | यात्रा व्यय (घरेलू) | | 3,778,661 |
| 601,746 | 4) | यात्रा व्यय (विदेश) | | 1,636,700 |
| 61,500 | 5) | मानदेय | | 138,000 |
| 32,814 | 6) | समयोपरि भत्ता | | 38,307 |
| 255,156 | 7) | चिकित्सा व्यय | | 248,368 |
| 491,519 | 8) | प्रतिनियुक्तों के लिए पेंशन अंशदान | | 512,691 |
| | कार्यालय व्यय | | | |
| 581,598 | 1) | टेलिफोन / टेलेक्स | | 544,027 |
| 102,767 | 2) | डाक टिकट | | 247,787 |
| 122,853 | 3) | पेट्रोल, तेल तथा स्नेहक | | 118,837 |
| 552,605 | 4) | मरम्मत एवं अनुरक्षण | | 1,498,289 |
| 1,341,628 | 5) | उपभोक्ता भंडार एवं मुद्रण | | 1,221,076 |
| 31,605 | 6) | समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं | | 31,051 |
| 147,548 | 7) | मनोरंजन एवं आतिथ्य | | 139,012 |
| 30,395 | 8) | परिवहन | | 15,300 |
| 3,494,336 | 9) | विज्ञापन एवं प्रचार | | 4,302,586 |
| 4,830,255 | 10) | किराया (कार्यालय) | | 6,438,669 |
| 666,908 | 11) | विविध व्यय | | 402,033 |
| | 12) | बट्टे खाते | 77,302 | |
| | | घटाएं : वसूली | 3,000 | |
| | 13) | राष्ट्रीय पुरस्कार | | 2,400,000 |
| 2,400,000 | 14) | पुस्तकालय की पुस्तकों एवं पत्रिकाएं | | 29,081 |
| 19,419 | 15) | विधि एवं प्रबन्ध शुल्क | | 364,753 |
| 15,402,597 | 16) | परिसम्पत्ति प्रबंधन शुल्क | | 15,078562 |

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31ST MARCH 2007

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | EXPENDITURE | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|
| | **Establishment Expenses** | | | |
| 5,415,756 | i) | Salaries | | 6,444,501 |
| 27,480 | ii) | Wages | - | |
| 3,935,025 | iii) | Travel Expenses (Domestic) | | 3,778,661 |
| 601,746 | iv) | Travel Expenses (Abroad) | | 1,636,700 |
| 61,500 | v) | Honorarium | | 138,000 |
| 32,814 | vi) | Over Time Allowance | | 38,307 |
| 255,156 | vii) | Medical Reimbursement | | 248,368 |
| 491,519 | viii) | Pension Contribution for deputationists | | 512,691 |
| | **Office Expenses** | | | |
| 581,598 | i) | Telephone / Telex | | 544,027 |
| 102,767 | ii) | Postage stamps | | 247,787 |
| 122,853 | iii) | Petrol, Oil, Lubricants | | 118,837 |
| 552,605 | iv) | Repairs & Maintenance | | 1,498,289 |
| 1,341,628 | v) | Consumable Stores & Printing | | 1,221,076 |
| 31,605 | vi) | Newspapers & Magazines | | 31,051 |
| 147,548 | vii) | Entertainment & Hospitality | | 139,012 |
| 30,395 | viii) | Conveyance | | 15,300 |
| 3,494,336 | ix) | Advertisement & Publicity | | 4,302,586 |
| 4,830,255 | x) | Rent (Office) | | 6,438,669 |
| 666,908 | xi) | Miscellaneous Expenses | | 402,033 |
| - | xii) | Write off of Assets | 77,302 | |
| - | | Less : Recovery | 3,000 | 74,302 |
| 2,400,000 | xiii) | National Award | | 2,400,000 |
| 19,419 | xiv) | Library Books & Journals | | 29,081 |
| 165,634 | xv) | Legal Charges | | 364,753 |
| 15,236,963 | xvi) | Assets Management Charges | | 15,078,562 |

| पिछला वर्ष (रूपये) | व्यय | | | चालू वर्ष (रूपये) |
|---|---|---|---|---|
| . | 17) | कोर्ट फीस | | .... |
| 3,389 | 18) | वर्दी एवं परिधान | | .... |
| 140,885 | 19) | लेखा परीक्षण शुल्क | | 40,000 |
| | | मूल्यह्रास : | | |
| 438,087 | | उपकरण | 591,077 | |
| 53,794 | | फर्नीचर एवं फिक्सचर्स | 70,816 | |
| 37,089 | | वाहन | 33,380 | |
| 528,970 | | | | 695,273 |
| 9,668,433 | | ब्याज माफ किया गया | | 21,680,777 |
| 6,000,000 | | ऋण माफ किया गया | | 13,500,000 |
| | | बोर्ड के व्यय | | |
| 267,507 | 1) | सदस्यों को दैनिक/यात्रा भत्ता | | 74,355 |
| 729,350 | 2) | व्यावसायिक शुल्क/मानदेय | | 628,400 |
| 19,994 | 3) | बैठक के लिए व्यय | | 12,957 |
| 1,563,784 | 4) | विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता | | 1,471,376 |
| 13,446,066 | व्यय पर आय की अधिकता | | | 164,517,410 |
| 272,913,888 | कुल | | | 248,321,141 |

टिप्पणी: अनुसूची क, ख तथा ग लेखाओं का अंश है ।

| (महेन्द्र पाल) | (दिनेश शर्मा) | (डा टी रामासामी) |
|---|---|---|
| निदेशक (वित्त) | सचिव | अध्यक्ष |
| प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड |

| PREVIOUS YEAR (Rs.) | EXPENDITURE | | | CURRENT YEAR (Rs.) |
|---|---|---|---|---|
| - | xvii) | Court Fee | | - |
| 3,389 | xviii) | Liveries & Uniform | | - |
| 140,885 | xix) | Audit Fee | | 40,000 |
| | | **Depreciation :** | | |
| 438,087 | | Equipments | 591,077 | |
| 53,794 | | Furniture & Fixtures | 70,816 | |
| 37,089 | | Vehicle | 33,380 | |
| **528,970** | | | | 695,273 |
| 9,668,433 | xx) | Interest accrued waived off | | 21,680,777 |
| 6,000,000 | xxi) | Loan written off | | 13,500,000 |
| | **Board Expenses** | | | |
| 267,507 | i) | TA / DA to Members | | 74,355 |
| 729,350 | ii) | Professional Fee / Honorarium | | 626,400 |
| 19,994 | iii) | Meeting Expenses | | 12,957 |
| 1,563,784 | iv) | TA / DA to Experts | | 1,471,376 |
| 213,446,066 | **Excess of Income over Expenditure** | | | 164,517,410 |
| **272,913,888** | **TOTAL** | | | **248,321,141** |

**Note : Schedules A, B and C form part of Accounts.**

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASWAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 तक परिसंपत्तियों का विवरण*

अनुसूचि–क

(रूपये)

| | उपकरण / उपस्कर / मशीनरी | फर्नीचर / फिक्सचर्स | वाहन |
|---|---|---|---|
| 31.03.2006 तक सकल ब्लॉक | 7,552,081 | 867,474 | 370,890 |
| 2005–06 के दौरान अभिवृद्धि | 967,180 | 1,690,686 | – |
| 2006–07 में बट्टे खाते : घटाया | 173,120 | – | – |
| 31.03.2007 तक सकल ब्लॉक | 8,346,141 | 2,558,160 | 370,890 |
| 31.03.2006 तक मूल्यह्रास | 1,564,013 | 159,307 | 37,089 |
| 2006–07 के दौरान मूल्यह्रास | 591,077 | 70,816 | 33,380 |
| घटाया : निगमन / समाधान | 95,818 | – | – |
| 31.03.2006 तक मूल्यह्रास | 2,059,272 | 230,123 | 70,469 |
| 31.03.2007 के अनुसार निवल ब्लॉक | 6,286,869 | 2,328,037 | 300,421 |
| 31.03.2006 के अनुसार निवल ब्लॉक | 5,988,068 | 708,167 | 333,801 |

| (महेन्द्र पाल) | (दिनेश शर्मा) | (डा. टी. रामासामी) |
|---|---|---|
| निदेशक (वित्त) | सचिव | अध्यक्ष |
| प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड |

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## STATEMENT ON FIXED ASSETS AS ON 31ST MARCH,2007

**Schedule-A**

**(in Rupees)**

| | Equipment / Apparatus / Machinary | Furniture / Fixtures | Vehicle |
|---|---|---|---|
| Gross Block as at 31.03.06 | 7,552,081 | 867,474 | 370,890 |
| Additions during 2006-07 | 967,180 | 1,690,686 | - |
| Less: Written off during 2006-07 | 173,120 | - | - |
| Gross Block as at 31.03.07 | 8,346,141 | 2,558,160 | 370,890 |
| Depreciation upto 31.03.06 | 1,564,013 | 159,307 | 37,089 |
| Depreciation during 2006-07 | 591,077 | 70,816 | 33,380 |
| Less:Deductions/Adjustment | 95,818 | - | - |
| Depreciation upto 31.03.07 | 2,059,272 | 230,123 | 70,469 |
| Net Block as at 31.03.07 | 6,286,869 | 2,328,037 | 300,421 |
| Net Block as at 31.03.06 | 5,988,068 | 708,167 | 333,801 |

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## *31 मार्च, 2007 तक प्रौधेगिकी विकास एवं उपयोग के लिए निधि से प्राप्त लघु अवधि जमाओं का विवरण*

अनुसूचि–ख

| बैंक का नाम | एफडीआर संख्या | एफडीआर तिथि | परिपक्वता तिथि | राशि (लाख रूपये) |
|---|---|---|---|---|
| यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, डीएसटी शाखा, नई दिल्ली–Flexi Account | – | – | – | 0,910,000 |
| यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, डीएसटी शाखा, नई दिल्ली–Flexi Deposits | 1,043,974 | 08.10.2007 | 08.01.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | 1,043,975 | 08.10.2007 | 08.01.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | 1,043,930 | 02.02.2007 | 02.02.2008 | 100,000,000 |
| –तदैव– | 1,043,931 | 02.02.2007 | 02.08.2007 | 50,000,000 |
| बैंक आफ इंडिया, सीआर पार्क, नई दिल्ली–Flexi Deposits | 8878378 | 01.02.2007 | 01.08.2007 | 10,587,399 |
| –तदैव– | 8878402 | 02.02.2007 | 02.08.2007 | 50,000,000 |
| आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली–Flexi Deposits | 3132224 | 22.09.2006 | 01.10.2007 | 10,000,000 |
| –तदैव– | 3132225 | 22.09.2006 | 01.10.2007 | 10,000,000 |
| –तदैव– | 3132226 | 22.09.2006 | 01.10.2007 | 10,000,000 |
| केनरा बैंक, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली– Flexi Deposits | KD/01004253 | 22.02.2007 | 22.02.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004254 | 22.02.2007 | 22.02.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004599 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 70,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004622 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004623 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004624 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004625 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004626 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| –तदैव– | KD/01004627 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| कुल | | | | 814,497,399 |

(महेन्द्र पाल)
निदेशक (वित्त)
प्रौधोगिकी विकास बोर्ड

(दिनेश शर्मा)
सचिव
प्रौधेगिकी विकास बोर्ड

(डा टी रामासामी)
अध्यक्ष
प्रौधोगिकी विकास बोर्ड

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## STATEMENT ON FIXED ASSETS AS ON 31ST MARCH,2007

**Schedule-B**

| | Name of the Banks | FDR No. | FDR Date | Date of Maturity | Amount (Rs.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Union Bank of India, DST Branch, New Delhi - Flexi Account | - | - | - | 3,910,000 |
| 2 | Union Bank of India, DST Branch, New Delhi - Fixed Deposits | 1,043,974 | 8.01.2007 | 8.01.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | 1,043,975 | 8.01.2007 | 8.01.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | 1,043,930 | 2.02.2007 | 2.02.2008 | 100,000,000 |
| | - do - | 1,043,931 | 2.02.2007 | 2.08.2007 | 50,000,000 |
| 3 | Bank of India, C.R.Park,New Delhi- Fixed Deposits | 8878378 | 1.02.2007 | 1.08.2007 | 10,587,399 |
| | - do - | 8878402 | 2.02.2007 | 2.08.2007 | 50,000,000 |
| 4 | ICICI Bank Ltd, Green Park, New Delhi- Fixed Deposits | 3132224 | 22.09.2006 | 1.10.2007 | 10,000,000 |
| | - do - | 3132225 | 22.09.2006 | 1.10.2007 | 10,000,000 |
| | - do - | 3132226 | 22.09.2006 | 1.10.2007 | 10,000,000 |
| 5 | Canara Bank, Shaheed Jit Singh Marg, New Delhi- Fixed Deposits | KD/01/004253 | 22.02.2007 | 22.02.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004254 | 22.02.2007 | 22.02.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004599 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 70,000,000 |
| | - do - | KD/01/004622 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004623 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004624 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004625 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004626 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| | - do - | KD/01/004627 | 30.03.2007 | 30.03.2008 | 50,000,000 |
| | **TOTAL** | | | | **814,497,399** |

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR(F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T.RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

अनुसूचि–ग

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

## लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां और लेखाओं पर टिप्पणी–2006–07

### (क) लेखा संबंधी प्रमुख नीतियां

1 पावतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन–देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवतियों और भुगतानों का रिकार्ड रखा जाता है।

2 आय एवं व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का सारांश है। यह नकद तथा उपार्जन दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। यह केवल राजस्व प्रकृति के आय एवं व्यय का रिकार्ड रखता है। संवितरित ऋण राशि पर उपार्जित ब्याज का लेखा, जिस वर्ष ऋण की किस्त जारी की जाती है, के लिए रखा जाता है, तथापि ब्याज को वास्तव में तब प्राप्त किया जा सकता है जब परियोजना संबंधित ऋण करारों की शर्तों एवं निबंधनों के अनुसार पूरी कर ली जाती हो।

3 जारी किए गए अनुदानों को किए गए संवितरणों के आधार पर दर्शाया गया है।

4 अवमूल्य को डिमिनिशिंग (ह्रासमान) बैलेंस प्रणाली पर वित्तिय वर्ष के आरंभ के समय निर्धारित परिसंपत्तियों के आरंभिक जमा पर 10 प्रतिशत की दर से निर्धारित किया जाता है। वित्तिय वर्ष के दौरान प्राप्त/बेची गई/स्थानांतरित/अलग की गई निर्धारित परिसंपत्तियों पर कोई अवमूल्यन उपलब्ध नहीं किया जाता हैं। निर्धारित परिसंपत्तियों को अधिप्रापण की लागत पर लिया जाता है।

5 रायल्टी संबंधी भुगतान आवती एवं भुगतान लेखा और तुलन पत्र में प्राप्ति के आधार पर लिए जाते है।

6 सरकारी अनुदानों को आवती आधार पर मान्यता दी जाती हैं। व्यय नहीं की गई राशि को भारत सरकार को वापस नहीं किया जाता क्योंकि सरकार द्वारा जारी अनुदानों को प्रौधोगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) (क) के अनुसार प्रौधोगिकी विकास और अनुप्रयोग हेतु निधि में जमा कर दिया जाता है और इस प्रकार किसी प्रकार की वापसी की कोई आवश्यकता नहीं है। अतः भारत सरकार को वापस करने हेतु कोई राशि बकाया नहीं है।

7 प्रौधोगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 की धारा 9 (1) के अनुसार प्रौधोगिकी विकास एवं अनुप्रयोग हेतु निधि द्वारा प्रदत्त राशियों की अधिवसूली, ऋणों पर ब्याज की प्राप्तियों, रायल्टि, अनुदानों और किसी अन्य स्त्रोत से प्राप्त राशि को इस निधि में जमा कर दिया जाता है। इस प्रावधान को ध्यान में रखकर तुलन पत्र तैयार किया गया है।

# TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

## SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS-2006-07

Schedule-C

### A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Account is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.

2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared both on cash and on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan installment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements.

3. Grants released have been shown on the basis of disbursements made.

4. Depreciation is quantified at the rate of 10 per cent on the opening balance of Fixed Assets as on the beginning of the financial year on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets acquired/sold/transferred/discarded during the financial year. Fixed Assets are taken at the cost of acquisition

5. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

6. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.

7. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared. .

8 निधि की राशियों को राष्ट्रियकृत बैंको में अल्पावधि जमा योजना में रखा जाता है। अल्पावधि जमा पर ब्याज को आवतियों एवं भुगतानों से संबंधित लेख और तुलन पत्र में दर्शाया गया है।

9 कंपनियों में किए गए निवेश लागत मूल्य में वर्णित किए गए है ।

10 स्टॉक का सत्यापर वार्षिक आधार पर किया जाता है।

11 आंकडों को निकटतम रूपये में पूर्वांकित (राउंडेड आफ) किया गया है।

**(क) लेखाओं पर टिप्पणियां**

1 तुलन पत्र में देयताओं में स्थापना व्ययों के लिए 478.53 लाख रू. की राशि दर्शाई गई है और इसे केन्द्र सरकार के अनुदानों में से काट लिया गया हैं। यह स्थापना व्यय के अंतर्गत 478.53 लाख रू. के व्यय के अनुरूप है जो आय तथा व्यय खाते में, बट्टे खाते में डाले गए कुल 359.50 लाख रू. के ऋण, ब्याज तथा अवमूल्य को छोड़कर है।

2 31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार प्रौधोगिकी विकास बोर्ड द्वारा 5796.40 लाख रू. का दिया गया ऋण बकाया है (ऋण परिशोधन देय हो चुका है परन्तु अभी राशि प्राप्त नहीं हुई है)। इसके अलावा, 1299.18 लाख रू. का साधारण ब्याज, ऋण पर 2123.93 लाख रू. का अतिरिक्त ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त ब्याज के रूप में 386.04 लाख रू. भी देय थे। इस प्रकार लाभ प्राप्तकर्ताओं के पास 9605.55 लाख रू. की देनदारी थी किन्तु वह 13 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार प्राप्त नहीं हुई है। कंपनियों के साथ हिसाब–किताब तय हो जाने के कारण 351.81 लाख रू. की राशि का अधित्याग किया गया है।

3 प्रौधोगिकी विकास बोर्ड ने जुलाई, 2000 मे यूटीआई वेंचर फंड्स मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (यूटीआई वी एफ), बैंगलूरू द्वारा संचालित भारत प्रौधोगिकी उद्यम इकाई योजना में 25 करोड़ रू. तक के अंशदान पर सहमति व्यक्त की थी। प्रौ.वि.बो. की इस प्रकार भागीदारी से प्रौधोगिकी विकास एवं वाणिज्यीकरण के उद्देश्य को बढ़ावा मिलेगा और अन्य संगठनों को प्रौधोगिकी अधारित उद्यमों के संवर्धन के लिए अपनी निधियों का निवेश करने हेतु प्रोत्साहन मिलेगा। इस योजना का प्रौ.वि.बो., एक्सिम बैंक, एलआईसी, यूटीआई तथा कुछेक अग्रणी बैंकों जो सार्वजनिक क्षेत्र के उपकम हैं से 115 करोड़ की कुल वचनबद्धता प्राप्त हुई है जिसके फलस्वरूप यूटीआई वी एफ द्वारा लगभग 20 पोर्टफोलियों कंपनियों से निवेश कराया गया। प्रौ.वि.बो. की भागीदारी 31 मार्च, 2007 तक 25 करोड़ रू. की सीमा तक थी और लागत में इसका उल्लेख किया गया है। स्टाफ एक्सचेंज में यह सूचीबद्ध नहीं है, प्रौ.वि. बो. ने 31.03.2007 तक यूटीआई वी एफ से 15 करोड़ रू. (वर्ष 200–05 में 3.69 करोड़ रू. और वर्ष 2005–06 में 11.31 करोड़ रू.) प्राप्त किए जो पूंजी निधि का 60: वितरण है। निधि का लेखा परीक्षिण एन ए वी 31 मार्च, 2007 को 100 रू. की प्रति इकाई पर 305.26 रू. था।

4 प्रौ.वि.बो. द्वारा मार्च, 2005 में यूटीआई वेंचर फंडस मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलूरू द्वारा संचालित एसेंट इंडिया फंड में 75 करोड़ रू. तक की हिस्सेदारी पर सहमति व्यक्त की गई। प्रौ.वि.बो. की भागीदारी के परिणामस्वरू- ज्ञान आधारित उद्योगों में पोर्टफोलियो कंपनियों की पर्याप्त संख्या द्वारा सार्थक निवेश किया

8. Fund balances are kept in short term deposits in nationalized/ scheduled banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.

9. The investments in companies are stated at cost price.

10. Stock verification is done on annual basis.

11. Figures are rounded off to the nearest rupee.

**B. Notes on Accounts**

1. In the Balance Sheet, on the Liabilities side, a sum of Rs. 478.53 lakhs for Establishment expenses is shown and is reduced from Grants from Central Government. This corresponds to the expenditure of Rs. 478.53 lakhs under Establishment expenses excluding writing off of Assets Loan, Interest & Depreciation totaling to Rs. 359.50 lakhs, in the Income and Expenditure Account.

2. As on 31st March 2007, the Technology Development Board has an outstanding loan (repayment due but not received) amounting to Rs.5796.40 lakhs. In addition, simple interest of Rs. 1299.18 lakhs, additional interest on loan amounting to Rs. 2123.93 lakhs and Rs. 386.04 lakhs as additional interest on simple interest, were also due. Thus, sums of Rs. 9605.55 lakhs was due from the beneficiaries but have not been received as on 31st March 2007. An amount of Rs. 351.81 lakhs towards principal, interest & additional interest has been waived off on account of settlement with companies during the year.

3. TDB had agreed in July 2000 to participate up to Rs. 25 crores in the India Technology Venture Unit Scheme administered by the UTI Venture Funds Management Company Limited, (UTIVF) Bangalore. TDB's participation would further the objective of technology development and commercialization and would leverage others to commit their funds for promoting technology based ventures. The Scheme has received a total commitment of Rs. 115 crores from TDB, EXIM Bank, LIC, UTI, and a few leading PSU banks, thereby enabling investment in around 20 portfolio companies by UTIVF. The participation by TDB has been to the extent of Rs. 25 crores till 31st March 2007 and is stated at cost. This is not listed in the Stock Exchange; TDB has received Rs.15 crores till 31.03.07 (Rs. 3.69 crores in 2004-05 and 11.31 crores in 2005-06) from UTIVF being the distribution of 60 percent of the fund's capital. The unaudited NAV of the fund was Rs. 305.26 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2007.

4. TDB has agreed in March 2005 to participate up to Rs. 75 crores in the Ascent India Fund administered by the UTI Venture Funds Management Company Private Limited (UTIVF), Bangalore. TDB's participation would result in meaningful investments in adequate number

जाएगा। इसके अलावा प्रौ.वि.बो. को उद्यमियों तक पहुंचने, नई प्रौद्योगिकीयों, तेजी से विकास कर रही कंपनियों और यूटीआई उद्यम निधियों से संपर्क का अवसर उपलब्ध होगा। एसेंट इंडिया फंड द्वारा आरंभिक स्तर के प्रौद्योगिकी अभिमुख उद्यमों को इक्विटी उपलब्ध कराई जाएगी। लिवरेज प्रौ.वि.बो. के प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी संबंधी क्षेत्रों में वित्तपोषण का कम से कम तीन गुणा है क्योकि इसकी निधि 300 करोड़ की है। प्रौ.वि.बो. द्वारा 31 मार्च, 2007 तक एसेंट इंडिया फंड को 48.94 करोड़ रू. जारी किया गया है और लागत में इसका उल्लेख किया गया है। स्टाक एक्सचेंज में इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है। निधि का लेखा परीक्षित एनएवी 31 मार्च, 2007 को 100/– रू. की प्रति इकाई पर 88.94 रू. था।

5 प्रौ.वि.बो. ने अगस्त, 2004 में एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल लि., हैदराबाद के साथ एक सह–निवेश करार पर हस्ताक्षर किए है। इससे प्रौ.वि.बो. को जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पहचान की कंपनियों में इक्विटी का सह–निवेश करना सुगमीकृत होगा। यद्यपि प्रौ.वि.बो. द्वारा पहले की तरह ही किसी भी क्षेत्र में परियोजनाओं को प्रत्यक्ष वित्तिय सहायता उपलब्ध कराना जारी रहेगा, पीआईडीसी वेंचर कैपिटल लि. के साथ व्यवस्था द्वारा प्रौ.वि.बो. कहीं भी उपलब्ध निधियों की सुगम्यता में समर्थ हो सकेगा। जैव प्रौद्योगिकी उद्यम निधि की एलआईसी, साधारण बीमा और कुछ व्यवसायिक बैंकों द्वारा खरीदा गया है। निधि का संचालन पीआईडीसी वेंचर कैपिटल लि., हैदराबाद द्वारा किया जा रहा है। प्रौ.वि.बो. द्वारा चार वर्षों की अवधि के लिए 30 करोड़ रूपये तक की आकार 60 करोड़ रूपये होगा। प्रौ.वि.बो. द्वारा 31.03.2007 तक 22.32 करोड़ रूपये जारी किये गये है।

6 प्रौ.वि.बो. ने अगस्त, 2006 में वेंचर ईस्ट टी नेट फंड–II के साथ एक सह–निवेश करार पर हस्ताक्षर किए है। इससे प्रौ.वि.बो. को सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूर संचार क्षेत्र में पहचान की कंपनियों में इक्विटी का सह–निवेश करना सुगमीकृत होगा। वेंचर ईस्ट टी नेट फंड–II.....

7 भारत सरकार द्वारा अनुदानों से संबंधित उद्यम पूंजी निधि (वी सी एफ) लेन–देन के मद में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) के दस्तावेजों में बकाये राशियों की प्राप्तियों और देनदारियों को प्रौद्योगिकी विकास के अधिनियम, 1995 की धारा 10 के अनुसार 1 सितम्बर 1996 के अनुसार बोर्ड को हस्तान्तरित करने की आवश्यकता है। 31 मार्च, 2007 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के साथ निहित आईडीबीआई की उद्यम पूंजी निधि का तुलन पत्र इस वर्ष के तुलन पत्र में शामिल किया गया है। तुलन पत्र में आईडीबीआई के वीसीफ से सम्बंधित पिछले वर्ष के आंकड़ों को भी दर्शाया गया है।

8 (क) प्रौ.वि.बो. द्वारा 1000 रूपये प्रत्येक शेयर की दर से 59000 इक्वीटी शेयर खरीदे गये थे जो मेसर्स ट्वेंटी फर्स्ट सेन्चुरी बैट्री लिमिटेड के 590 लाख रूपये के बराबर था। कंपनी के शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज में सूचिबद्धनहीं किया है। निवेशें को लागत में दर्शाया गया है।

of portfolio companies in the Knowledge based industries besides giving TDB an opportunity to access to entrepreneurs, new technologies, fast growing companies and the networks of UTI Venture Funds. Ascent India Fund would provide equity to early stage technology oriented ventures. The leverage is at least 3 times the TDB's funding in technology and technology related sectors as the size of the fund would be Rs. 300 crores. TDB has released Rs 48.94 crores to Ascent India Fund up to 31st March 2007 and is stated at cost. This is not listed in the Stock Exchange. The unaudited NAV of the fund was Rs. 88.94 per unit of Rs. 100/- on 31st March 2007.

5. TDB signed a co- investment agreement with APIDC Venture Capital Limited, Hyderabad in August, 2004.This would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in biotechnology sector. While

   TDB will continue to provide directly financial assistance to projects in any sector as before, the arrangement with APIDC VCL will enable TDB to access the funds available elsewhere. The Biotechnology Venture Fund has been subscribed by LIC, general insurance and some commercial banks. The fund is being operated by APIDC VCL, Hyderabad. TDB has committed up to Rs. 30 crores over a period of four years. The size of the fund would be Rs. 60 crores. TDB has released Rs. 22.32 crores up to 31.3.07.

6. TDB signed a co- investment agreement with Venture East Tenet Fund II, Chennai in August, 2006.This would enable TDB to co-invest in equity along with them in the companies identified by them in information Technology & Telecom sector. Venture East Tenet Fund II, has been subscribed by Agronaut Capital of the USA, a leading IT and Telecom investor, some leading financial institutions and value added overseas investors. The fund is being operated by Venture East Fund Advisors Pvt. Ltd., Chennai. TDB has committed up to Rs. 15 crores over a period of three years. The size of the fund would be Rs. 60 crores. TDB has released Rs. 5 crores up to 31.3.07.

7. The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996 in terms of section 10 of the Technology Development Board Act, 1995. The Balance Sheet of Venture Capital Fund of IDBI, vested with the Board, for the year ended 31st March 2007 has been incorporated in this year's Balance Sheet. The Balance Sheet also reflects previous year's figures relating to VCF of IDBI.

8. i) TDB had subscribed in 59000 equity shares of Rs.1000/-each at par amounting to Rs. 590 lakhs of M/s Twenty First Century Battery Limited. The shares of the company are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost.

(ख) मैसर्स निक्को कॉरपोरेशन लि. को 1846 लाख रूपये की प्रौ.वि.बो. की ऋण की राशि को 100 रूपये प्रत्येक शेयर के बराबर 18,46,000 क्युम्युलेटिव रिडिमेवल प्रीफरेंस शेयरों में परिवर्तित करने की अनुमति दी गई। क्युम्युलेटिव रिडिमेवल प्रीफरेंस शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं किया गया है। निवेशों को लागत में दर्शाया गया है। इन शेयरों पर डीवीडेंट उपलब्ध नहीं कराया गया है।

(ग) मैसर्स रेवा इलेक्ट्रिक कार कम्पनी लिमिटेड के साथ एक निपटान विलेख निष्पादित किया गया है। निपटान विलेख के अनुसार दिनांक 28.02.06 तक ऋण पर रू. 132.68 लाख के आरहित ब्याज और रू. 23.50 लाख के देय रॉयल्टी के 50% को रू. 144.88 प्रत्येक (रू. 100/– के मूल मूल्य) की दर से 107797 के सामान्य शेयर के रूप में परिवर्तित किया गया है। बकाया देय के भुगतान के लिए कम्पनी ने उत्तर दिनांकित चेक जमा कराए हैं। कम्पनी के सामान्य शेयर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है।

| (महेन्द्र पाल) | (दिनेश शर्मा) | (डा. टी. रामासामी) |
|---|---|---|
| निदेशक (वित्त) | सचिव | अध्यक्ष |
| प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड |

Enabling Commercialisation

(ii) M/s Nicco Corporation Limited was allowed conversion of TDB's loan amounting to Rs. 1846 lakhs into 18,46,000 5%Cumulative Redeemable Preference Shares of Rs. 100 each at par. The Cumulative Redeemable Preference Shares are not listed in the Stock Exchange. The investments are stated at cost. The dividend on these shares has not been provided.

iii) A deed of settlement has been entered into with M/s Reva Electric Car Co. Ltd. As per deed of settlement, the interest accrued on Loan up to 28.2.06 amounting to Rs. 132.68 lakhs and 50 % of royalty due amounting to Rs. 23.50 lakhs have been converted into 1, 07,797 equity shares of Rs.144.88 each ( par value Rs. 100 each).The company has submitted the Post Dated Cheques for the payment of balance dues. The equity shares are not listed in the Stock Exchange.

**(DR.MAHENDRA PAL)**
**DIRECTOR (F)**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DINESH SHARMA)**
**SECRETARY**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

**(DR. T. RAMASAMI)**
**CHAIRPERSON**
**TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD**

Enabling Commercialisation

कार्यालय प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा
वैज्ञानिक विभाग
ए. जी. सी. आर. भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली - 110002
OFFICE OF THE PRINCIPAL
DIRECTOR OF AUDIT,
SCIENTIFIC DEPARTMENTS,
A.G.C.R. Building, I.P. Estate,
New Delhi-110002

# लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र

मैंने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2007 तक के संलग्न तुलन पत्र तथा इसी तिथि को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने का उत्तरदायित्व बोर्ड प्रबंधन का है। मेरा उत्तरदायित्व मेरी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है।

मैंने अपनी लेखा-परीक्षा लागू नियमों और भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा-परीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में अपेक्षित था कि मैं यह उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए कि क्या वित्तीय विवरण वास्तविक है, लेखा परीक्षा की योजना बनाई तथा लेखा परीक्षा की। एक लेखा-परीक्षा में एक परीक्षण आधार पर जांच, राशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय ब्यौरों में प्रकटन पत्र शामिल हैं। मेरा विश्वास है कि मेरी लेखा परीक्षा मेरी राय के लिए उचित आधार उपलब्ध कराती है।

हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर मैं रिपोर्ट करता हूँ कि:-

1. मैंने वह सारी सूचना और स्पटीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।
2. इसके साथ संलग्न लेखा परीक्षा की अभ्युक्तियों के अध्यधीन मैं रिपोर्ट करता हूँ कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा उचित तरीके से तैयार किए गए हैं और लेखा पुस्तिका के करार के अनुसार हैं।
3. मेरी राय में और मेरी सूचना के अनुसार तथा मुझे दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार:-

(i) लेखा लेखाओं के पहले निर्धारित प्रपत्र के अंतर्गत अपेक्षित सूचना प्रदान करते हैं;

दू० भा० / Phone : 23702320, 21, 25, 26, 27, 28, 29 तार / Telegram : "सुपाआडिट" "SUPAUDIT" फैक्स / Fax : 91-11-23702353

# AUDIT CERTIFICATE

कार्यालय प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा
वैज्ञानिक विभाग
ए॰ जी॰ सी॰ आर॰ भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली - 110002
OFFICE OF THE PRINCIPAL
DIRECTOR OF AUDIT,
SCIENTIFIC DEPARTMENTS,
A.G.C.R. Building, I.P. Estate,
New Delhi-110002

**AUDIT CERTIFICATE**

I have audited the attached Balance Sheet of **Technology Development Board, New Delhi** as on 31 March 2007 and the Income and Expenditure Account, Receipts and Payments Account for the year ended on that date. Preparation of these financial statements is the responsibility of the Board's management. My responsibility is to express an opinion on these financial statements based on my audit.

I have conducted my audit in accordance with applicable rules and the auditing standards generally accepted in India. These standards require that I plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material mis-statements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. I believe that my audit provides a reasonable basis for my opinion.

Based on our audit, I report that :

1. I have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;

2. Subject to the observations in the Audit Report annexed herewith, I report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are properly drawn up and are in agreement with the books of accounts.

3. In my opinion and to the best of my information and according to the explanations given to me :

   (i) the accounts give the information required under the earlier prescribed format of accounts;

दूर भाष / Phone : 23702320, 21, 25, 26, 27, 28, 29 तार / Telegram : "सुपआडिट" "SUPAUDIT" फैक्स / Fax : 91-11-23702353

(ii) उक्त तुलन पत्र, आय और व्यय लेखा, लेखा नीतियों एवं टिप्पणियों के साथ पठित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा जो संलग्न लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में उल्लिखित मामलों के अध्यधीन, सत्य और निपक्ष दृष्टि प्रदान करते हैं -

(क) 31 मार्च, 2007 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के कार्यों के तुलन पत्र से जहाँ तक संबंधित है; और

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय लेखा से जहाँ तक संबंधित है।

**स्थान: नई दिल्ली**
**दिनांक:**

**मुख्य निदेशक, लेखा**
**(वैज्ञानिक विभाग)**

Enabling Commercialisation

(ii) the said Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account read together with the Accounting Policies and Notes thereon and subject to the matters mentioned in the Audit Report annexed herewith, give a true and fair view:

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the Technology Development Board, New Delhi as on 31 March 2007 ; and

(b) In so far as it relates to the Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

**Place : New Delhi**
**Date :** 9-1-08

**PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT**
**(SCIENTIFIC DEPARTMENTS)**

# वर्ष 2006-07 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली के लेखा की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

## परिचयः

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड एक्ट, 1995 के प्रावधानों के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास एवं वाणिज्यिकरण अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग हेतु आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया। टीडीवी औद्योगिक इकाइयों तथा अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है। दूसरी ओर औद्योगिक इकाइयों को इक्विटी कैपिटल के माध्यम से भी टीडीवी अंशदान करता है।

टीडीवी के वार्षिक लेखा की लेखा परीक्षा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 13 (3) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत आयोजित की गई हैं। टीडीवी को मुख्यतः केन्द्रीय सरकार से अनुदान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है और वर्ष 2006-07 के दौरान इसे 4.32 करोड़ रु0 की सहायता प्राप्त हुई जिसे पूरी तरह उपयोग कर लिया गया था।

## लेखाओं पर टिप्पणियाँ

### 2. तुलन पत्र

#### 2.1 परिसम्पत्तियों की अत्युक्ति

टीडीवी, नई दिल्ली का कार्यालय टीईएफएसी, नई दिल्ली के स्वामित्व वाले एक भवन में है। वर्ष 2006-07 के दौरान टीडीवी ने प्लास्टर कार्य पर 2.20 लाख रु0, टाइल फ्लोरिंग पर 1.43 लाख रु0, नकली सीलिंग पर 3.31 लाख रु0 और वेनिशिंग ब्लाइंडस पर 0.33 लाख रु0 का व्यय किया। इन छोटे कार्यों पर कुल 7.27 लाख रु0 का व्यय किया गया यद्यपि भवन टीडीवी का नहीं था। अतः परिसम्पत्तियाँ 7.27 लाख रु0 की बताई गई। टीडीवी ने नवम्बर, 2007 में उल्लेख किया कि टीडीवी और टीआईएफएसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बोर्ड का अंगभूत हिस्सा है और टीडीबी लम्बे समय तक अपने कार्यकलाप चलाएगा। 7.27 लाख रु0 का व्यय परिसम्पत्तियों को कार्य योग्य स्थितियों में लाने के लिए किया गया

# AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF THE ACCOUNTS OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD (TDB), NEW DELHI FOR THE YEAR 2006-2007.

## INTRODUCTION :

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996 under the Technology Development Board Act, 1995, for the development and commercialization of indigenous technology or adopting imported technology for wider domestic application. TDB provides loan assistance to industrial concerns and other agencies. Alternatively, TDB also subscribes by way of equity capital to industrial concerns.

The audit of annual accounts of TDB has been conducted under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(3) of the Technology Development Board Act, 1995. TDB is mainly financed by grant from the Central Government and during the year 2006-07, it received a grant of Rs. 4.32 crore which was fully utilized.

## COMMENTS ON ACCOUNTS

### 2. Balance Sheet

### 2.1 Overstatement of assets

TDB new Delhi is housed in a building owned by TIFAC, New Delhi. During the year 2006-07, TDB incurred an expenditure of Rs. 2.20 lakh on plaster work, Rs. 1.43 lakh on tile flooring, Rs. 3.31 lakh on false ceiling and Rs. 0.33 lakh on vanishing blinds. the total expenditure of Rs. 7.27 lakh incurred on these minor works had been capitalized though the building was not owned by TDB. The assets were thus, overstated to the tune of Rs. 7.27 lakh. TDB stated in November 2007 that TDB and FIFAC are integral part of Dekpartment of Science and Technology and TDB would be running its activities for long period. The expenditure of Rs. 7.27 lakh has been incurred on the assets to bring the same in workable condition. The reply is not tenable because

है। जवाब तर्कसंगत नहीं है क्योंकि टीडीबी और टीआईएफएसी अलग बजट वाले विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के दो विभिन्न स्वतंत्र संगठन हैं।

**3. सामान्य**

(i) टीडीबी ने मै0 सौम्या मेडिकेयर इंटरनेशनल लि0, विजयवाड़ा को 460 लाख रु0 की ऋण सहायता स्वीकृत की। चूंकि फर्म ने ऋण के पुनर्भुगतान में चूक की अतः बोर्ड ने 325 लाख रु0 के एकमुश्त भुगतान के साथ ऋण के एक बार निपटान के लिए अनुमोदन (फरवरी, 2007) दिया। बोर्ड ने 30 जून, 2006 तक 135 लाख रु0 की मूल राशि, साधारण ब्याज (119.01 लाख रु0), अतिरिक्त ब्याज (97.80 लाख रु0), रॉयल्टी (5 लाख रु0) और रॉयल्टी पर ब्याज (1.47 लाख रु0) समाप्त कर दिया। यद्यपि टीडीबी ने लेखाओं की टिप्पणियों में 6.47 लाख रु0 की रॉयल्टी और रॉयल्टी पर ब्याज की राशि को समाप्त करने को प्रदर्शित नहीं किया है। टीडीबी के नवम्बर, 2007 में उल्लेख किया कि रॉयल्टी और ब्याज को लेखाओं संबंधी टिप्पणी में दर्शाया नहीं गया है क्योंकि इन्हें प्राप्ति आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। जवाब तर्कसंगत नहीं हैं क्योंकि बोर्ड ने रॉयल्टी और रॉयल्टी पर ब्याज समाप्त कर दिया है। रॉयल्टी और रॉयल्टी पर ब्याज समाप्त करने के तथ्य को 'लेखाओं संबंधी टिप्पणियों' में दर्शाया जाना चाहिए।

(ii) टीडीबी लेखाओं के एकसमान प्रपत्र नहीं अपनाती है जैसा कि वित्त मंत्रालय, लेखा महा-नियंत्रक द्वारा निर्धारित है।

4. प्रबंधन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल न की गई त्रुटियाँ उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से सदस्य सचिव, टीडीबी नई दिल्ली के नोटिस में लाई गई।

**स्थान: नई दिल्ली**

**दिनांक:**

**प्रमुख निदेशक, लेखा परीक्षा**

**(वैज्ञानिक विभाग)**

TDB and TIFAC are two different autonomous organizations of Department of Science and Technology having separate budgets.

**3. General:**

(i) TDB sanctioned a loan assistance of Rs. 4.60 lakh to M/s Saumya Medicare International Ltd., Vijaywada. As the firm defaulted in repayment of loan, the Board approved (February 2007) One Time Settlement of Loan with lump sum payment of Rs. 325 lakh. the Board waived principal amount of Rs. 135 lakh, simple interest on royalty (Rs. 1.47 lakh) as on 30 June 2006. However TDB did not disclose the waiver of royalty and interest on royalty amounting to Rs. 6.47 lakh in the Notes to the Accounts. TDB stated in November 2007 that royalty and interest was not shown in Notes on accounts in view of accounting of the same on receipt basis. The reply is not tenable because the Board has waived the royalty and interest on royalty. The fact of waiver of royalty and interest on royalty should bave been shown in 'Notes on Accounts'.

(ii) TDB did not adopt the uniform format of accounts as prescribed by Ministry of Finance, Controller General of Accounts.

**4. Management Letter**

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Member Secretary, TDB, New Delhi through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

**Place: New Delhi**
**Date:** 9-1-08

**Pr. Director of Audit**
**(Scientific Departments)**

# वर्ष 2006-07 के लिए तकनीकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली के लेखे पर लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

| लेखाओं पर टिप्पणियाँ | | टीडीबी का जवाब |
|---|---|---|
| 2 | तुलन पत्र | |
| 2.1 | परिसम्पत्तियाँ | |
| 2.1 | **परिसम्पत्तियों की अत्युक्ति** | |
| (i) | टीडीबी, नई दिल्ली का कार्यालय टीईएफएसी, नई दिल्ली के स्वामित्व वाले एक भवन में है । वर्ष 2006-07 के दौरान टीडीबी ने प्लास्टर कार्य पर 2.20 लाख रु0, टाइल फ्लोरिंग पर 1.43 लाख रु0, नकली सीलिंग पर 3.31 लाख रु0 और वेनिशिंग ब्लाइंडस पर 0.33 लाख रु0 का व्यय किया । इन छोटे कार्यों पर कुल 7.27 लाख रु0 का व्यय किया गया यद्यपि भवन टीडीबी का नहीं था । अतः परिसम्पत्तियाँ 7.27 लाख रु0 की बताई गई । टीडीबी ने नवम्बर, 2007 में उल्लेख किया कि टीडीबी और टीआईएफएसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बोर्ड का अंगभूत हिस्सा है और टीडीबी लम्बे समय तक अपने कार्यकलाप चलाएगा । 7.27 लाख रु0 का व्यय परिसम्पत्तियों को कार्य योग्य स्थितियों में लाने के लिए किया गया है । जवाब तर्कसंगत नहीं है क्योंकि टीडीबी और टीआईएफएसी अलग बजट वाले विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के दो विभिन्न स्वतंत्र संगठन हैं। | टीडीबी और टीआईएफएसी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बोर्ड का अंगभूत हिस्सा है और टीडीबी लम्बे समय तक इस परिसर से अपने कार्यकलाप चलाएगा । 7.27 लाख रु0 का व्यय परिसम्पत्तियों को कार्य योग्य स्थितियों में लाने के लिए किया गया है । |
| | **सामान्य** | |
| 3. | (i) टीडीबी ने मै0 सौम्या मेडिकेयर इंटरनेशनल लि0, विजयवाड़ा को 460 लाख रु0 की ऋण सहायता स्वीकृत की । चूंकि फर्म ने ऋण के पुर्नभुगतान में चूक की अतः बोर्ड ने 325 लाख रु0 के एकमुश्त भुगतान के साथ ऋण के एक बार | भविष्य में अनुपालन के लिए नोट किया गया । |

# AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTS OF THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD (TDB), NEW DELHI FOR THE YEAR 2006-07

| AUDIT COMMENTS ON ACCOUNTS | | TDB REPLIES |
|---|---|---|
| 2 | **Balance Sheet** | |
| 2.1 | **Assets** | |
| 2.1 (i) | **Overstatement of asset**<br>TDB, New Delhi is housed in a building owned by TIFAC, New Delhi. During the year 2006-07, TDB incurred an expenditure of Rs.2.20 lakh on plaster work, Rs.1.43 lakh on tile flooring, Rs.3.31 lakh on false ceiling and Rs.0.33 lakh on vanishing blinds. The total expenditure of Rs.7.27 lakh incurred on these minor works had been capitalized through the building was not owned by TDB. The assets were thus, overstated to the tune of Rs. 7.27 lakh. TDB stated in November 2007 that TDB and TIFAC are integral part of Department of Science and Technology and TDB would be running its activities for long period. The expenditure of Rs. 7.27 lakh has been incurred on the assets to bring the same in workable condition. The reply is not tenable because TDB and TIFAC are two different autonomous organizations of Department of Science and Technology having separate budgets. | TDB and TIFAC are integral part of the Department of Science & Technology under Ministry of Science and Technology and TDB would be continuing its activities for a long period from this premises. The expenditure of 7.27 lakhs has been incurred on the assets to bring the same in workable condition. Keeping in view of the expenditure being of enduring nature, it has been capitalized under the head Furniture and Fixtures. The assets created will be depreciated over a period of 5 years w.e.f. 2007-08. |
| 3. | **General**<br>(i) TDB sanctioned a loan assistance of 460 lakh to M/s. Saumya Medicare International Ltd., Vijaywada. As the firm defaulted in repayment of loan, the Board approved (February 2007), One | Noted for future compliance. |

| | | |
|---|---|---|
| | निपटान के लिए अनुमोदन (फरवरी, 2007) दिया। बोर्ड ने 30 जून, 2006 तक 135 लाख रु0 की मूल राशि, साधारण ब्याज (119.01 लाख रु0), अतिरिक्त ब्याज (97.80 लाख रु0), रॉयल्टी (5 लाख रु0) और रॉयल्टी पर ब्याज (1.47 लाख रु0) समाप्त कर दिया। यद्यपि टीडीबी ने लेखाओं की टिप्पणियों में 6.47 लाख रु0 की रॉयल्टी और रॉयल्टी पर ब्याज की राशि को समाप्त करने को प्रदर्शित नहीं किया है। टीडीबी के नवम्बर, 2007 में उल्लेख किया कि रॉयल्टी और ब्याज को लेखाओं संबंधी टिप्पणी में दर्शाया नहीं गया है क्योंकि इन्हें प्राप्ति आधार पर लेखाबद्ध किया गया है। जवाब तर्कसंगत नहीं हैं क्योंकि बोर्ड ने रॉयल्टी और रॉयल्टी पर ब्याज समाप्त कर दिया है। रॉयल्टी और रॉयल्टी पर ब्याज समाप्त करने के तथ्य को 'लेखाओं संबंधी टिप्पणियों' में दर्शाया जाना चाहिए। | |
| | (ii) टीडीबी लेखाओं के एकसमान प्रपत्र नहीं अपनाती है जैसा कि वित्त मंत्रालय, लेखा महा-नियंत्रक द्वारा निर्धारित है। | प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के अंतर्गत गठित किया गया था।<br>प्रौ.वि.बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 13(1) में उल्लेख किया गया है कि बोर्ड उचित लेखा और अन्य आवश्यक रिकार्ड रखेगा तथा लेखाओं के वार्षिक विवरण इस प्रकार के फार्म में तैयार करेगा जैसा कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के परामर्श से केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित किया गया है। वह फार्म जिसमें बोर्ड द्वारा लेखाओं का वार्षिक विवरण तैयार किया जाता है केन्द्र सरकार द्वारा नवम्बर, 1997 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के साथ विचार-विमर्श से निर्धारित किया गया था।<br>चूंकि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अब लेखाओं के एक समान प्रपत्र को अपनी सहमति दे दी है अतः इन्हें वित्तीय वर्ष 2007-08 से अपनाया जाएगा। |

| | | |
|---|---|---|
| | Time Settlement of Loan with lump sum payment of Rs. 325 lakh. The Board waived principal amount of Rs. 135 lakh, simple interest (Rs. 119.01 lakh), additional interest (Rs. 97.80 lakh), royalty (Rs.5 lakh) and interest on royalty (Rs. 1.47 lakh) as on 30 June 2006. However, TDB did not disclose the waiver of royalty and interest on royalty amounting to Rs. 6.47 lakh in the Notes to the Accounts.TDB stated in November 2007 that royalty and interest was not shown in Notes of accounts in view of accounting of the same on receipt basis. The reply is not tenable because the Board has waived the royalty and interest on royalty. The fact of waiver of royalty and interest on royalty should have been shown in 'Notes of Accounts'. | |
| | (ii) TDB did not adopt the uniform format of accounts as prescribed by Ministry of Finance, Controller General of Accounts. | The Technology Development Board was constituted under the Technology Development Board Act, 1995.<br>Section 13(1) of the Technology Development Board Act, 1995, stipulates that the Board shall maintain proper accounts and other relevant records and prepare an annual statement of accounts in such form as may be prescribed by the Central Government in consultation with the Comptroller and Auditor-General of India. The form in which the annual statement of accounts is to be prepared by the Board was prescribed by the Central Government in consultation with the Comptroller and Auditor-General of India in November 1997.<br>Since Comptroller and Auditor-General of India has now given its consent to the uniform formats of accounts, the same would be adopted from the financial year 2007-08 onwards. |

# वर्ष 2005 के समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट (निपादन लेखा परीक्षा 19 मई, 2006 को संसद में प्रस्तुत)

## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
## विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

| क्र.सं. | ऑडिट प्रेक्षण | टीडीबी के जवाब |
|---|---|---|
| 1. | लेखा परीक्षा ने प्रकटित किया कि टीडीबी ने छः परियोजनाओं को अपने परियोजना वित्त पोषण दिशा-निर्देशों के उल्लंघन में वित्त पोषित किया है। परियोजना प्रस्तावों का अपर्याप्त रूप से मूल्यांकन किया गया था। उत्पादन और बिक्री अनुमानों को निरंतर स्फीत पाया गया। 15 पूर्ण परियोजनाओं में, प्रस्तावों में अनुमानित उत्पादन और बिक्री शून्य से 62 प्रतिशत के बीच में थी। टीडीबी प्रस्तावों का मूल्यांकन और परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदन करते समय इन अनुमानों की जांच करने में असफल रहा। | टीडीबी द्वारा सभी परियोजनाओं को मंजूरी देने पर टीडीबी की प्रचलित परियोजना निधिकरण के दिशा-निर्देश प्रयोग में लाए गए तथा ऐसा कोई भी मामला नहीं है जहाँ टीडीबी ने अपने उत्तम फैसले में अपने निधिकरण दिशा-निर्देशों का उल्लंघन नहीं किया है। |
| 2. | टीडीबी ने ऋण करार के अनुसार कुछ निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किए बिना 12 परियोजनाओं के तहत 44.67 करोड़ रु0 की ऋण किस्त जारी की। टीडीबी ने यह पुष्टि नहीं की कि सिक्योरिटी के रूप में लिए गए ऋणाधार पर्याप्त रूप से ऋण राशि को कवर करते हैं और कर्जदार के दावों की भी निधियाँ जारी करने से पहले स्वतंत्र स्रोतों से जांच नहीं की गई। | इन कंपनियों में से किसी भी कंपनी के मामले में किसी भी शर्त में ढिलाई नहीं दी गई। फिर भी एक अथवा दो मामलों में किश्तों की अदायगी के लिए कुछ पूर्वापेक्षित स्थगित करने के लिए बोर्ड द्वारा परियोजना के हित में कुछ ठीक निर्णय लिए गए जिनका बाद में परियोजना की प्रगति के साथ अनुपालन किया गया। |

# REPORT OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA FOR THE YEAR ENDED MARCH 2005 (PERFORMANCE AUDIT TABLED IN) THE PARLIAMENT ON 19TH MAY 2006)

## MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
## DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

## FUNCTIONING OF TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD

| S.No. | Audit Observation | TDB Reply |
|---|---|---|
| 1. | Audit revealed that TDB had funded six projects in contravention of its own project funding guidelines. Project proposals were inadequately assessed. The production and sales projections were invariably found to be inflated. In 15 completed projects, the production and sales projected in the proposals were in between Zero 0 to 62 per cent. TDB was unable to check these projections while appraising the proposal and sanctioning the projects. | The prevailing project funding guidelines of TDB have been applied on all the projects sanctioned by TDB and there is no case where TDB has violated its own funding guidelines in its best judgment. |
| 2. | TDB had released loan installments of Rs. 44.67 crore under 12 projects without fulfillment of some of the prescribed milestones as per the loan agreement. TDB did not verify that the collaterals taken as security adequately covered the loan amount and the claims of the borrower were not checked from independent sources before release of fund. | No conditions were relaxed in the case of any of these companies. However, in one or two cases some conscious decisions were taken in the interest of the project by the board to defer some of prerequisites for releasing the installments which were later complied with as the projects progressed. |

| क्र.सं. | ऑडिट प्रेक्षण | टीडीबी के जवाब |
|---|---|---|
| 3. | 17 परियोजनाओं में नियमित निगरानी भी नहीं की गई। पांच परियोजनाओं में निगरानी समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन में कमियाँ थीं। परियोजना रिपोर्ट और लेखाओं की लेखा परीक्षा सहित निर्धारित रिटर्न प्राप्त नहीं हुए अथवा देर से प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त अधिकांशतः कंपनियाँ एकमात्र लाभभोगी के रूप में टीडीबी नामक परिसम्पत्तियों को उपलब्ध नहीं कराती है जैसा कि ऋण करार के अंतर्गत अपेक्षित। | टीडीबी की यंत्र-रचना की शक्ति एक बहु-प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए विस्तृत प्रबोधन तथा पूर्व-मूल्यांकन में है। जिसमें आवधिक रिपोर्ट सभी संबंधित दस्तावेजों जैसे वार्षिक लेखा, तिमाही लेखा की जांच तथा कार्यक्षेत्रों आदि का दौरा इत्यादि शामिल है। टीडीबी के आरंभिक फेज के दौरान, बोर्ड ने स्पाट मूल्यांकन तथा मूल्य निर्धारण के लिए वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों को नियुक्त किया था। यह संभव है कि जिन लोगों को प्रबोधन के लिए नियुक्त किया गया था उन्हें प्रगति से संबंधित वित्तीय शैलियों के मूल्यांकन में पर्याप्त अनुभव न हो। यह सत्य नहीं है कि परियोजनाओं का प्रबोधन नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त टीडीबी ने पृष्ठिका के साथ कुशल प्रबोधन तथा अपने ऋण की समयोचित वसूली के लिए संपत्ति मैनेजरों को नियुक्त किया है। टीडीबी भी बीमा पॉलिसी में पृष्ठांकित एकमात्र लाभकारी की धारा के साथ कंपनियों की संपत्ति का बीमा सुनिश्चित करती है। |
| 4. | 19 परियोजनाओं में कंपनियों ने पुर्नभुगतान में चूक की किन्तु तुरंत कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। ब्याज सहित पुर्नभुगतान की 48.97 करोड़ रु0 की राशि 31 अक्टूबर, 2005 तक देय थी। चूक के 13 मामलों में टीडीबी ने पुर्नभुगतान की अनुसूची को संशोधित किया किंतु उनको नौ कंपनियों द्वारा उसे सम्मान नहीं दिया गया। | टीडीबी की वचनबद्धता मुख्यतः परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन तथा नवीन प्रौद्योगिकी के व्यापारीकरण में होती है। यह पुनःनिर्धारण जैसे उपायों पर तभी विचार करती है जब यह लगता है कि परियोजना का पुर्नजीवन/उत्तरजीवन कंपनी की क्षमता से बाहर हो। कुछ मामलों में तकनीकी प्रतिबन्धों के कारण कोई कानूनी कार्यवाही संभाव्य नहीं है। अतः टीडीबी के आदेश पत्र के अनुसार, कोर्ट मामलों के निपटान में समय लेने वाली प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए रीस्ट्रक्चरिंग तथा/अथवा ओटीएस को वरीयता दी गई। |

| S.No. | Audit Observation | TDB Reply |
|---|---|---|
| 3. | Regular monitoring was not done in 17 projects. There were lapses in implementation of recommendations of monitoring committee in five projects. Prescribed returns including project reports and audited accounts were not received or received late. Moreover, often the companies did not insure the assets naming TDB as a sole beneficiary as required under the loan agreement. | The strength of TDB mechanism lies in the prior assessment and extensive monitoring using a multi-dimensional process, which includes obtaining periodical reports, examining all relevant documents (like annual accounts, quarterly accounts) and field visits etc. During initial phase of TDB, the board had employed scientists and engineers for spot assessment and appraisals. It is possible that the people who had been employed for monitoring. may not have sufficient experience in assessing financial deliveries related to progress. It is not true that there was no monitoring. Moreover, TDB has appointed Asset Managers with finance background for efficient monitoring and timely recovery of its loan. TDB also ensures the insurance of companies assets with the clause of sole beneficiary endorsed in the insurance policy. |
| 4. | In 19 projects the companies had defaulted on repayment but prompt legal action was not taken. Repayment including interest amounting to Rs. 48.97 crore due as on 31st October 2005 was still outstanding. In 13 cases of default, TDB revised the schedule of repayment but the same were not honored by nine companies. | TDB's commitment mainly lies in the successful implementation of the project and commercialization of innovative technology. It considers measures like reschedulement only when it appears that revival / survival of project is beyond company's capability. No legal action is feasible in certain cases due to technical limitation. Hence, as per TDB mandate, restructuring and/or OTS was preferred in view of time consuming processes in disposal of court cases. TDB therefore, is taking necessary steps for clearance of dues in case of default. Moreover, TDB is taking appropriate legal action against the companies under section 138 of Negotiable Instrument Act, where cheques have been dishonored. |

# वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा प्रस्तुत महत्वपूर्ण लेखा-परीक्षा टिप्पणियों का सारांश

## मार्च 2005 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट, संघ सरकार सिविल एवं पोस्टा विभाग 2006 की सं0-1 (निपादन लेखा परीक्षा) 19 मई 2006 को संसद में प्रस्तुत

### विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के कार्य

भारत सरकार द्वारा प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के अंतर्गत सितम्बर, 1996 में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोग अथवा व्यापक घरेलू अनुप्रयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकी अपनाने का प्रयास करने वाले अनुसंधान और विकास संस्थानों, औद्योगिक संस्थानों तथा अन्य एजेंसियों को इक्विटी कैपिटल सहित वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड का गठन किया गया था।

वर्ष 1997-2005 के दौरान टीडीबी ने 11 क्षेत्रों के अंतर्गत 131 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इन 131 परियोजनाओं की कुल लागत और इन परियोजनाओं के लिए टीडीबी की वचनबद्धता (ऋण, इक्विटी और अनुदान) क्रमशः 2042.89 करोड़ रु0 और 662.94 करोड़ रु0 थी। टीडीबी ने 1997-2005 के दौरान 526.41 करोड़ रु0 वितरित किए। इन 26 चुनिन्दा परियोजनाओं के संबंध में लेखा परीक्षा की गई जिन्हें 1999-2005 के दौरान टीडीबी की 165.51 करोड़ रु0 की ऋण सहायता से कार्यान्वित किया गया था।

लेखा परीक्षा ने प्रकटित किया कि टीडीबी ने छः परियोजनाओं को अपने परियोजना वित्त पोषण दिशा-निर्देशों के उल्लंघन में वित्त पोषित किया है। परियोजना प्रस्तावों का अपर्याप्त रूप से मूल्यांकन किया गया था। उत्पादन और बिक्री अनुमानों को निरंतर स्फीत पाया गया। 15 पूर्ण परियोजनाओं में, प्रस्तावों में अनुमानित उत्पादन और बिक्री शून्य

# A SUMMARY OF IMPORTANT AUDIT OBSERVATIONS FOR WARDED BY MINISTRY OF FINANCE, DEPARTMENTS OF EXPENDITURE

## REPORT OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA FOR THE YAR ENDED MARCH 2005, UNION GOVERNMENT CIVIL AND POSTA; DEPARTMENTS NO. I OF 2006(PERFORMANCE AUDIT) TABLED IN THE PARLIAMENT ON I9 MAY 2006

## MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

**Functioning of Technology Development Board**

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) in September 1996, under TDB Act, 1995 with the objective to provide financial assistance including equity capital to research and developed institutions, industrial concerns and other agencies attempting commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic application.

During 1997-2005, TDB had sanctioned 131 projects under 11 sectors. The total cost of 131 projects and the TDB's commitments (towards loan , equity and grants ) for these projects were RS. 2042.89 crore and Rs. 662.94 crore respectively. TDB had disbursed RS. 526.41 crore during 1997-2005. Audit was carried out in respect of 26 selected projects that were implemented during 1999-2005. Audit was carried out in respect of 26 selected projects that were implemented during 1999-2005 with TDB's loan assistance of Rs. 165.51 crore.

Audit revealed that TDB had funded six projects in contravention of its own project funding guidelines. Project proposals were inadequately assessed. The production and sales projections were invariably found to be inflated. In 15 completed projects, the production and sales

से 62 प्रतिशत के बीच में थी । टीडीबी प्रस्तावों का मूल्यांकन और परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करते समय इन अनुमानों की जांच करने में असफल रहा ।

टीडीबी ने ऋण करार के अनुसार कुछ निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किए बिना 12 परियोजनाओं के तहत 44.67 करोड़ रु0 की ऋण किस्त जारी की । टीडीबी ने यह पुष्टि नहीं की कि सिक्योरिटी के रूप में लिए गए ऋणाधार पर्याप्त रूप से ऋण राशि को कवर करते हैं और कर्जदार के दावों की भी निधियाँ जारी करने से पहले स्वतंत्र स्रोतों से जांच नहीं की गई ।

17 परियोजनाओं में नियमित निगरानी भी नहीं की गई । पांच परियोजनाओं में निगरानी समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन में कमियाँ थीं । परियोजना रिपोर्ट और लेखाओं की लेखा परीक्षा सहित निर्धारित रिटर्न प्राप्त नहीं हुए अथवा देर से प्राप्त हुए । इसके अतिरिक्त अधिकांशतः कंपनियाँ एकमात्र लाभभोगी के रूप में टीडीबी नामक परिसम्पत्तियों को उपलब्ध नहीं कराती है जैसा कि ऋण करार के अंतर्गत अपेक्षित ।

19 परियोजनाओं में कंपनियों ने पुर्नभुगतान में चूक की किन्तु तुरंत कानूनी कार्रवाई नहीं की गई । ब्याज सहित पुर्नभुगतान की 48.97 करोड़ रु0 की राशि 31 अक्टूबर, 2005 तक देय थी । चूक के 13 मामलों में टीडीबी ने पुर्नभुगतान की अनुसूची को संशोधित किया किंतु उनको नौ कंपनियों द्वारा उसे सम्मान नहीं दिया गया ।

projected in the proposals were in between zero to 62 per cent. TDB was unable to check these projections while appraising the proposal and sanctioning the projects.

TDB had released loan installments of Rs. 44.67 crore under 12 projects without fulfillment of some of the prescribed milestones as per the loan agreement. TDB did not verify that the collaterals taken as security adequately covered the loan amount and the claims of the borrower were not checked from independent sources before release of funds.

Regualr monitoring was not done in 17 projects. There were lapses in implementation of recommendations of monitoring committee in five projects. Prescribed returns including projects reports and audited accounts were not received or received late. Moreover, often the companies did not insure the assets naming TEB as a sole beneficiary as required under the loan agreement.

In 19 projects the companies had defaulted on repayment but prompt legal action was not taken. Repayment including interest amounting to Rs. 48.97 crore due as on 31 October 2005 was still outstanding. In 13 cases of default, TDB revised the schedule of repayment but the same were not honored by nine companies.